सुविचार
कोई कितना भी कड़वा बोले अपने आप को शांत रखें क्योंकि धूप कितनी भी तेज क्यों न हो समुद्र को नहीं सुखा सकती।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

12
फातिमा ने साझा किया सैम बहादुर में काम...

Ranchi ● Monday, 04 December 2023 ● Year : 01 ● Issue : 313 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	67,481.19
निफ्टी	:	20,267.90

SARAFA

सोना	:	6,000
चांदी	:	83.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

अनियंत्रित कंटेनर ने तीर्थयात्रियों को कुचला, तीन श्रद्धालुओं मौत

MUMBAI : अहमदनगर जिले में घरगांव शिवरा के पास शिरडी से आलंदी जा रहे तीर्थयात्रियों के समूह में रविवार को अनियंत्रित कंटेनर घुस जाने से तीन श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में 10 तीर्थयात्री घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने घायल तीर्थयात्रियों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया और मामले की गहन छानबीन जारी है। पुलिस के अनुसार आज तीर्थयात्रियों का समूह शिरडी से आलंदी की ओर जा रहे थे। अचानक संगमनेर तहसील के घरगांव शिवरन के पास हाईवे पर एक कंटेनर चालक की गलती से अनियंत्रित हो गया और तीर्थयात्रियों के समूह में घुस गया। इस घटना में तीन तीर्थयात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व मंत्री बालासाहेब थोरात मौके पर पहुंचे और घायलों के इलाज में मदद कर रहे हैं। लगातार दो बार मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे केसीआर की हैट्रिक की उम्मीदों पर कांग्रेस ने पानी फेर दिया है। स्पष्ट बहुमत ने पिंक पार्टी (बीआरएस) को घर भेज दिया। राज्य के आठ से अधिक मंत्री अपने चुनाव क्षेत्र में हार गए हैं। जनता ने भी पिछले विधानसभा चुनाव के पश्चात कांग्रेस से सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति में शामिल हुए विधायकों को अच्छा सबक सिखाया है। दल बदलने वाले विधायक अपनी सीट पर जीत हासिल नहीं कर पाए।

मुख्यमंत्री का ओएसडी बनकर रौंब गांठने वाले दो गिरफ्तार

LUCKNOW : गौतमपल्ली थाना पुलिस ने रविवार को दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इन पर आरोप है कि ये लोग खुद को मुख्यमंत्री का ओएसडी बताकर धमकाते थे। डीसीपी मध्य अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि गौतमपल्ली थाना के प्रभारी निरीक्षक ने दो अभियुक्त देवरिया जनपद के रहने वाले वेद प्रकाश मिश्रा, संदीप सिंह को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री के ओएसडी संजीव सिंह की ओर से इन दोनों के खिलाफ लिखित तहरीर आयी थी, जिसके बाद इन पर कार्रवाई की गई है। दोनों अभियुक्त खुद को मुख्यमंत्री का ओएसडी बताकर धमकाने व रौंब गांठते थे। अभियुक्तों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जेल में गैंगवार, अमन सिंह की गोली मारकर हत्या

धनबाद जेल की सुरक्षा पर सवाल, हथियार कैसे पहुंची, जांच में जुटी पुलिस

PHOTON NEWS DHANBAD : झारखंड के गैंगस्टर अमन सिंह की धनबाद जेल में गोली मारकर हत्या कर दी गयी। जानकारी के अनुसार उसे सात गोली मारी गयी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है। कुख्यात अपराधी अमन सिंह धनबाद जेल में बंद था। जेल में उसकी हत्या की सूचना जैसे ही मिली, वैसे ही पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और छानबीन में जुट गए। इधर, इस हत्याकांड से जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। बताया जा रहा है कि जेल में ऐसी वारदात की ये पहली घटना है। इस कांड के बाद जेल के अधिकारी भी संदेह के घेरे में आ गए हैं। आपको बता दें कि धनबाद मंडल कारा में पिछले दिनों सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उपायुक्त ने छापेमारी की थी। हालांकि इस दौरान कुछ खास बरामद नहीं हो सका था।

अमन सिंह की हत्या के बाद जांच में जुटी पुलिस। ● फोटोन न्यूज

सैकड़ों पुलिस जवान जेल में तैनात : घटना के बाद धनबाद मंडल कारा में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पूरे मंडल कारा में इमर्जेंसी बेल बजने लगी, सूचना मिलते ही डीसी वरुण रंजन और एसएसपी संजीव कुमार मंडल कारा पहुंचे। उनके साथ एसडीएम उदय रजक, सीटी एसपी, डीएसपी समेत दर्जनों अधिकारी भी पहुंचे। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। पूरे जेल को पुलिस छावनी बना दिया गया है। सैकड़ों पुलिस जवानों को जेल में तैनात किया गया है।

जेल अधिकारियों से की जा रही पूछताछ : बताया जा रहा है कि धनबाद जेल में गोली लगने के बाद आनन-फानन में अमन सिंह को एसएनएमएमएच में लाया गया अस्पताल को भी पूरी तरीके से छावनी में बदला गया है, वहां किसी को जाने की इजाजत नहीं दी जा रही है। वहीं जिला प्रशासन के तमाम अधिकारी धनबाद मंडल कारा में कैंप किए हुए हैं। वे पूरे जेल की छानबीन कर रहे हैं और पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर जेल में पिस्टल कैसे आया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, जेल के अधिकारियों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही साथ बाकी कैदियों से भी पूछताछ की जा रही है।

आशीष रंजन ने ली हत्या की जिम्मेवारी

अमन सिंह हत्याकांड में एक ऑडियो वायरल हो रहा है, जिसमें आशीष रंजन नाम नाम के व्यक्ति ने दावा किया है कि अमन सिंह की हत्या मैंने करवायी। ऑडियो के माध्यम से कहा कि प्लानिंग बहुत दिन से थी। फिर उससे बात भी की और मिलकर काम करने को कहा। नहीं माना तो लड़का भेजकर अंदर मरवाये हैं। लड़का के बयान से यह क्लियर हो जाएगा। कहा कि मैंने ही उसे पिस्टल मुहैया करवायी थी. धनबाद किसी के बाप की नहीं। अमन सिंह को बड़ा भाई मानते थे, लेकिन हमको मरवाने का सोच रहा था। मेरे बीच में कोई नहीं आए और न ही मेरे आदमियों के बीच में आए। उसी के दिये पिस्टल से उसी को मरवा दिये।

नीरज सिंह हत्याकांड में जेल में बंद था अमन सिंह

नीरज सिंह हत्याकांड में अपराधी अमन सिंह धनबाद जेल में बंद था। इस मामले में साक्ष्य के अभाव में धनबाद की निचली अदालत ने अमन सिंह सहित अन्य को बरी कर दिया था। इस मामले में सिर्फ एसआई इंद्रजीत कुमार राणा ने कोर्ट में गवाही दी थी। केस के अनुसंधानकर्ता अजय कुमार ने भी गवाही नहीं दी। इनके अलावा दोनों सिपाही भी गवाही के लिए कोर्ट में हाजिर नहीं हुए।

गैंगस्टर प्रिंस खान के लिए रंगदारी वसूलने वाले पांच बदमाश गिरफ्तार

DHANBAD : पुलिस ने प्रिंस खान गिरोह के पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से रंगदारी की रकम दो लाख 25 हजार रुपये, दो हथियार, चार गोली और 7 मोबाइल बरामद की गई है। इन सबकी गिरफ्तारी बैंक मोड़ थाना क्षेत्र से हुई। एसएसपी संजीव कुमार ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पकड़े गये अपराधियों में मो. इम्तियाज आलम, मो. कामरान उर्फ गुडडू, मो. तौकीर उर्फ राजू, मो. फैयाज अख्तर उर्फ लड्डू और मो. सद्दाम हैदर शामिल हैं। गिरोह में मो. इम्तियाज आलम मुख्य सरगना है। मो. इम्तियाज मूलतः वासेपुर का रहने वाला है। पुलिस की दबिश बढ़ने के बाद से वह समस्तीपुर में रहकर गिरोह के लिए काम कर रहा था। उन्होंने बताया कि मो. तौकीर उर्फ राजू कार सजावट के नाम से पाट्र्स दुकान चलाता है और इसी व्यापार के दौरान ही इसने पाट्र्स व्यवसायियों के नंबर भी अपने गिरोह को उपलब्ध करा रहा था।

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान में भाजपा को पूर्ण बहुमत, तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार

बीजेपी की बंपर जीत, तीन राज्यों में खिला कमल

भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं का अभिवान करते पीएम मोदी। ● फोटोन न्यूज

AGENCY NEW DELHI : चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे आ गए हैं। भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं राजस्थान में बहुमत का आंकड़ा पा लिया है और तेलंगाना में कांग्रेस ने बीआरएस को सत्ता से बाहर कर दिया है। तेलंगाना में भाजपा का मत प्रतिशत 14 के करीब है और वह यहां 8 सीटें जीती हैं।

चुनाव आयोग के अनुसार छत्तीसगढ़ की 90 विधानसभा सीटों में 54 भाजपा, 35 कांग्रेस और एक सीट गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने प्राप्त की है। मध्य प्रदेश में 230 सीटों में से भाजपा ने 163, कांग्रेस ने 66 और भारत आदिवासी पार्टी ने एक सीट जीती है। राजस्थान की 199 सीटों में से भाजपा ने 115, कांग्रेस को 68, भारत आदिवासी पार्टी ने तीन, बसपा ने दो, आरएलडी ने एक, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने एक और 8 सीटें स्वतंत्र उम्मीदवारों ने जीती हैं। तेलंगाना में कांग्रेस को 64, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को 39, भाजपा को 8, एआईएमआईएम को 7 और सीपीआई को एक सीट मिली है। रात करीब 11 बजे तक कुछ एक सीटों पर अभी गिनती जारी थी।

इन चार राज्यों की बड़ी दो पार्टियों को मिले प्रतिशत पर विचार किया जाए तो छत्तीसगढ़ में भाजपा को 46.27 और कांग्रेस को 42.23 प्रतिशत मत मिले हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा को 48.55 और कांग्रेस को 40.40 प्रतिशत मत मिले हैं। राजस्थान में भाजपा को 41.69 और कांग्रेस को 39.53 प्रतिशत वोट मिले हैं। तेलंगाना में कांग्रेस को 39.40 और बीआरएस को 37.35 प्रतिशत तथा भाजपा को 13.90 मत मिले हैं।

पार्टी मुख्यालय में जश्न का माहौल

राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनावी नतीजों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) निर्णायक बढ़त की ओर है। इन रूझानों को देखते हुए भाजपा मुख्यालय में जश्न का माहौल है। रविवार को दोपहर को भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ता ढोल नगाड़े ले कर पहुंचे और नाच-गा कर जश्न मनाया। मुख्यालय में मोदी - मोदी के नारे भी लगाए गए। केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह, स्मृति ईरानी, पीयूष गोयल और अनुराग ठाकुर मुख्यालय पहुंच कर नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। तीन राज्यों में भाजपा की होने वाली जीत पर स्मृति ईरानी ने कहा कि यह जीत मोदी की जीत है। उनके द्वारा लोगों को दी गई विकास की गारंटी की जीत है।

छत्तीसगढ़ में भाजपा को दो तिहाई बहुमत

AGENCY RAIPUR : विधानसभा चुनाव में हार के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज रात तक राजभवन पहुंचकर राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौपे देंगे। कांग्रेस के उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव समेत प्रदेश के नौ मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा है। चुनाव आयोग के अनुसार प्रदेश में भाजपा को दो तिहाई सीटों पर बहुमत मिला है। अभी तक के परिणामों के अनुसार प्रदेश में भाजपा 24 सीट जीत चुकी है, जबकि 30 सीटों पर उसे बढ़त मिली है, जबकि कांग्रेस केवल 15 सीट जीत सकी है और 21 सीटों पर उसकी बढ़त बनी हुई है।

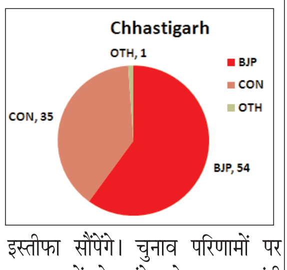

खबर मिली है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजभवन से साढ़े नौ बजे का समय मांगा है। वे राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपेंगे। चुनाव परिणामों पर नजर डालें तो कांग्रेस के उपमुख्यमंत्री समेत प्रदेश के नौ मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा है। इनमें अंबिकापुर से उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के अलावा साजा से रविन्द्र चौबे, कवर्धा से मोहम्मद अकबर, आरंग से शिवकुमार डहरिया, कोंडागांव से मोहन मरकाम, सीतापुर से अमरजीत भगत, नवागढ़ से रुद्र गुरु और कोरबा से जय सिंह अग्रवाल चुनाव हार गए हैं।

मध्य प्रदेश में भाजपा को मिली बहुमत

AGENCY BHOPAL : मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को शांतिपूर्ण मतगणना संपन्न हुई। वोटों की गिनती पूरी हो चुकी है और राज्य की 230 सीटों पर तस्वीर लगभग साफ हो गई है, जिसमें भाजपा को दो तिहाई से ज्यादा बहुमत मिला है। प्रदेश में बहुमत का आंकड़ा 116 है। निर्वाचन आयोग द्वारा रात 11 बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार, भाजपा 163 सीटें जीत चुकी है, जबकि कांग्रेस को 66 सीटों पर सफलता मिली है। वहीं, एक सीट भारत आदिवासी पार्टी के खाते में गई है।

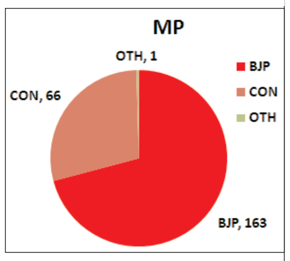

खास बात है कि सपा, बसपा और आम आदमी पार्टी का भी सुपड़ा साफ हो गया है। ये पार्टियां यहां खाता भी नहीं खोल पाई हैं। भाजपा को कुल 48.55 फीसदी वोट मिले हैं, जबकि कांग्रेस का वोट प्रतिशत 40.40 फीसदी रहा। अन्य दलों का वोट प्रतिशत एक फीसदी से भी कम रहा। इस बार भाजपा ने प्रदेश में तीन केंद्रीय मंत्रियों और सात सांसदों को चुनावी मैदान में उतारा था।

राजस्थान में भाजपा को पूर्ण बहुमत

AGENCY JAIPUR : राजस्थान में एक बार फिर सत्ता बदलाव का रिवाज कायम रह गया। विधानसभा चुनाव 2023 के रविवार को जारी परिणामों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पूर्ण बहुमत के साथ पांच साल बाद फिर राजस्थान में सरकार बनाएगी। जनता के इस फैसले से प्रदेश में एक बार फिर हर पांच साल में सरकार बदलने का ट्रेंड जारी रहा। निर्वाचन विभाग की ओर से 199 सीटों के लिए जारी मतदान के नतीजे के अनुसार भारतीय जनता पार्टी 115, कांग्रेस 69 तथा 15 सीटों पर अन्य उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। अन्य उम्मीदवारों में भारतीय आदिवासी पार्टी ने तीन, बहुजन

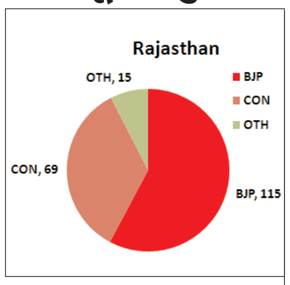

समाज पार्टी ने दो, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने एक, राष्ट्रीय लोक दल ने एक तथा आठ निर्दलीयों ने जीत का हार पहना है।

वहीं कांग्रेस पार्टी की करारी हार के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्यपाल कलराज मिश्र को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। इन चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को 41.69 प्रतिशत तथा कांग्रेस को 39.53 प्रतिशत मत प्राप्त हुए हैं।

तेलंगाना में कांग्रेस की शानदार जीत

AGNCY HAIDRABAD : तेलंगाना राज्य की जनता ने रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी को स्पष्ट बहुमत दिया है। सत्तारूढ़ भारत राष्ट्रीय समिति को बड़ा झटका लगा। चुनाव आयोग के अनुसार इस खबर लिखे जाने तक भारत राष्ट्रीय समिति को 39, कांग्रेस 65, भाजपा 8 और एआईएमआईएम को 7 सीटें हासिल मिली हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने राजभवन में राज्यपाल तमिलिसाई को अपना इस्तीफा सौंपा। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

भारत का राष्ट्रीय समिति के कार्यकारी अध्यक्ष ने अन्य एक पत्रकार वार्ता में कहा है कि वह उनकी हार पर समीक्षा करेंगे।

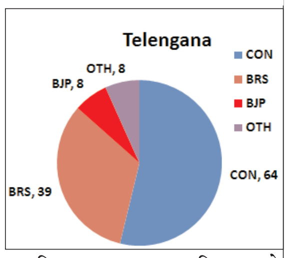

विधानसभाचुनाव परिणाम ने तेलंगाना राज्य के गठन के बाद लगातार दो बार मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे केसीआर की हैट्रिक की उम्मीदों पर कांग्रेस ने पानी फेर दिया है। स्पष्ट बहुमत ने पिंक पार्टी (बीआरएस) को घर भेज दिया। राज्य के आठ से अधिक मंत्री अपने चुनाव क्षेत्र में हार गए हैं। जनता ने भी पिछले विधानसभा चुनाव के पश्चात कांग्रेस से सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति में शामिल हुए विधायकों को अच्छा सबक सिखाया है।

तीन राज्यों की जीत बनेगी 2024 में जीत की हैट्रिक: प्रधानमंत्री

NEW DELHI : भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज तीन राज्यों में मिली जीत को जनता का आशीर्वाद बताया और कहा कि जीत की यह हैट्रिक 2024 की हैट्रिक बनने जा रही है। उनका इशारा 2024 में तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र में वापसी की ओर था। भाजपा नेता नरेन्द्र मोदी ने राज्य विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत पर आभार स्वरूप आयोजित कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित किया।

विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी : राहुल

राहुल गांधी ने तीन राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में अपनी पार्टी की हार को स्वीकर कर लिया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान का जनादेश हम विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं - विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी।

हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के साथ संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए उपराष्ट्रपति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युगपुरुष : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

AGENCY RAIPUR : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अभी हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को युगपुरुष कहने के संबंध में जोर देते हुए कहा कि मैंने नरेन्द्र मोदी को युगपुरुष इसीलिए कहा क्योंकि उन्होंने देश को समावेशी, महत्वाकांक्षी, कार्य उन्मुख निर्णायक नेतृत्व दिया है। रविवार को रायपुर स्थित हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों से एक संवाद कार्यक्रम के दौरान धनखड़ ने कहा कि मैं बैकफुट पर नहीं हूं, बहुत सोच-समझकर मैंने मुंबई में एक कार्यक्रम में हमारे प्रधानमंत्री को युगपुरुष कहा, क्यों?

आप युवा लड़के-लड़कियां विश्लेषण करें, सार्वजनिक डोमेन पर जाएं, उन विशेषताओं का पता लगाएं जिन्हें 'युगपुरुष' के गुणों के रूप में माना जा सकता है। आखिरकार किसी विशेष

समय पर कोई युगपुरुष तो होगा ही। एक ऐसा व्यक्ति जिसने हमारे जीवन को बदल दिया और क्रांति ला दी, उन्होने आगे कहा कि हमारे पास समावेशी, कार्य-उन्मुख और निर्णायक नेतृत्व है। हमने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान भेजा है, हमने संसद के विशेष सत्र में महिलाओं को आरक्षण देकर युगांतकारी विकास किया है। हम विघटनकारी प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और इसे विकसित करने के लिए दूसरों की प्रतीक्षा नहीं कर रहे हैं, चाहे वह क्वांटम कंप्यूटिंग हो, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन या 6जी, अब आपके लिए सब कुछ उपलब्ध है। आप दुनिया के सबसे अच्छे हिस्से में हैं। आपको केवल फ्रंटफुट पर खेलना होगा!

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि आज देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का शुभ अवसर मिला है आप सब सौभाग्यशाली हैं। उन्होंने कहा कि एक समय था जब सत्ता के गलियारे दलालों से भरे पड़े हुए थे और वह देश की नीतियों को प्रभावित करते थे। उस समय भ्रष्टाचार के बिना कुछ भी संभव नहीं था और वह देश के लिए एक बहुत खतरा था, पिछले एक दशक में उन सभी सत्ता के गलियारों को दलालों से मुक्त कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि देश में एक ऐसी न्यायिक व्यवस्था बनाई जा रही है, जिसमें आपको न्याय के लिए अधिक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस समय हमारे देश में एक बहुत ही प्रतिभाशाली मुख्य न्यायाधीश हैं। उन्होंने न्याय चाहने वालों के लिए न्यायिक व्यवस्था तक उनकी पहुंच को आसान बनाया है।

देश में अवसरों की कमी नहीं, युवा अपनी प्रतिभा को पहचानें

उपराष्ट्रपति ने आगे जोर देते हुए कहा कि भारत में प्रतिभा की कमी नहीं है। आज डिसरप्टिव टेक्नोलॉजी हमारे सामने एक चुनौती बनकर उभरी है। जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकी का सामना करना एक चुनौती है। आज दुनिया आज भारत की ओर देख रही है, भारत दुनिया में इन्वेस्टमेंट के लिए निवेश के लिए सबसे सुरक्षित स्थान है।

चतरा में टीपीसी के दो हार्डकोर नक्सली गिरफ्तार, हथियार बरामद

PHOTON NEWS CHATRA : पुलिस ने टीपीसी के दो हार्डकोर नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। एसपी राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए ईटखोरी थाना की पुलिस ने सरहैता के सतोनी जंगल से टीपीसी के दोनों नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से एक देसी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस और तीन मोबाइल फोन बरामद किया है।

डीएसपी केदारनाथ राम ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि दोनों नक्सली सदर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। इनमें सरहैता गांव का रहने वाला मुकेश कुमार राणा और देवरिया गांव का रहने वाला भोला सिंह हैं। दोनों की गिरफ्तारी दो दिसंबर को की गई।

मीडिया को जानकारी देती पुलिस। ● फोटोन न्यूज

एसपी को मिली गुप्त सूचना पर पुलिस टीम गठित की गई थी, जिसमें डीएसपी केदारनाथ राम, प्रशिक्षु डीएसपी वसीम रजा, पुलिस निरीक्षक मनोहर करमाली, थाना प्रभारी बिनोद कुमार और अवर निरीक्षक बंटी यादव अनिल कुमार थे। पुलिस टीम ने सरहैता सतोनी जंगल में छापेमारी कर दोनों उग्रवादियों को पकड़ा। दोनों किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे।

गिरफ्तार नक्सली मुकेश राणा के खिलाफ तीन जिलों चतरा, हजारीबाग और गिरिडीह में लगभग एक दर्जन मामले दर्ज हैं। वह कई जगह वारदात को अंजाम दे चुका है। पुलिस उसे कई साल से तलाश रही थी। चतरा एसपी राकेश रंजन की सक्रियता से इसकी गिरफ्तारी हो सकी।

खाटू श्याम हारे का सहारा

माँ सैव्यम पराजितः।

अर्थात जो हारे हुए और निराश लोगों को संबल प्रदान करता है। वीर प्रसूता राजस्थान की धरा यूं तो अपने आंचल में अनेक गौरव गाथाओं को समेटे हुए है, लेकिन आस्था के प्रमुख केन्द्र खाटू की बात अपने आप में निराली है।

शेखावाटी के सीकर जिले में स्थित है परमधाम खाटू। यहां विराजित हैं भगवान श्रीकृष्ण के कलयुगी अवतार खाटू श्यामजी। श्याम बाबा की महिमा का बखान करने वाले भक्त राजस्थान या भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया के कोने-कोने में मौजूद हैं।

खाटू का श्याम मंदिर बहुत ही प्राचीन है, लेकिन वर्तमान मंदिर की आधारशिला सन 1720 में रखी गई थी। इतिहासकार पंडित झाबरमल्ल शर्मा के मुताबिक सन 1679 में औरंगजेब की सेना ने इस मंदिर को नष्ट कर दिया था। मंदिर की रक्षा के लिए उस समय अनेक राजपूतों ने अपना प्राणोत्सर्ग किया था।

खाटू में भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक की पूजा श्याम के रूप में की जाती है। ऐसी मान्यता है कि महाभारत युद्ध के समय भगवान श्रीकृष्ण ने बर्बरीक को वरदान दिया था कि कलयुग में उसकी पूजा श्याम (कृष्ण स्वरूप) के नाम से होगी। खाटू में श्याम के मस्तक स्वरूप की पूजा होती है, जबकि निकट ही स्थित रींगस में धड़ स्वरूप की पूजा की जाती है।

हर साल फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष में यहां विशाल मेला भरता है, जिसमें देश-विदेश से भक्तगण पहुंचते हैं। हजारों लोग यहां पदयात्रा कर पहुंचते हैं, वहीं कई लोग दंडवत करते हुए खाटू नरेश के दरबार में हाजिरी देते हैं। यहां के एक दुकानदार रामचंद्र चेजारा के मुताबिक नवमी से द्वादशी तक भरने वाले मेले में लाखों श्रद्धालु आते हैं। प्रत्येक एकादशी और रविवार को भी यहां भक्तों की लंबी कतारें लगी होती हैं। खाटू मंदिर में पांच चरणों में आरती होती है- मंगला आरती प्रातः 5 बजे, धूप आरती प्रातः 7 बजे,

भोग आरती दोपहर 12.15 बजे, संध्या आरती सायं 7.30 बजे और शयन आरती रात्रि 10 बजे होती है। गर्मियों के दिनों में इस समय थोड़ा बदलाव रहता है। कार्तिक शुक्ल एकादशी को श्यामजी के जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर के द्वार 24 घंटे खुले रहते हैं।

दर्शनीय स्थलः श्याम भक्तों के लिए खाटू धाम में श्याम बाग और श्याम कुंड प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं। श्याम बाग में प्राकृतिक वातावरण की अनुभूति होती है। यहां परम भक्त आलूसिंह की समाधि भी बनाई गई है। श्याम कुंड के बारे में मान्यता है कि यहां स्नान करने से श्रद्धालुओं के पाप धुल जाते हैं। पुरुषों और महिलाओं के स्नान के लिए यहां पृथक-पृथक कुंड बनाए गए हैं।

कैसे पहुँचें :

सड़क मार्ग - खाटू धाम से जयपुर, सीकर आदि प्रमुख स्थानों के लिए राजस्थान राज्य परिवहन निगम की बसों के साथ ही टैक्सी और जीपें भी यहां आसानी से उपलब्ध हैं।

रेलमार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन रींगस जंक्शन (15 किलोमीटर) है।

वायुमार्ग- यहां से निकटतम हवाई अड्डा जयपुर है, जो कि यहाँ से करीब 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

खाटू में श्याम के रूप में जिनकी पूजा की जाती है दरअसल वे भीम के पोते वीर बर्बरीक हैं। श्रीकृष्ण के वरदान स्वरूप ही उनकी पूजा श्याम रूप में की जाती है। भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक की माता का नाम कामकटंककटा था, जिन्हें मोरवी के नाम से जाना जाता है। अतः बर्बरीक को मोरवीनंदन भी कहा जाता है। उन्होंने युद्ध कला अपनी मां सीखी। कठोर तपस्या कर भगवान शिव को प्रसन्न किया और तीन अमोघ बाण प्राप्त किए। इसी कारण उन्हें तीन बाणधारी के नाम से भी जाना जाता है। अग्नि देव ने प्रसन्न होकर उन्हें धनुष प्रदान किया। बर्बरीक तीनों लोकों को जीतने की सामर्थ्य रखते थे।

कौरवों और पांडवों के बीच महाभारत युद्ध तैयारियां पूरे जोरों पर थीं। चारों ओर इस युद्ध की चर्चाएं थीं। यह समाचार जब बर्बरीक को मिला तो उनकी भी युद्ध में शामिल होने की इच्छा हुई। वे अपनी मां से युद्ध में शामिल होने की अनुमति लेने पहुंचे। उन्होंने मां से आशीर्वाद लिया और उन्हें वचन दिया कि वे हारे हुए पक्ष का ही साथ देंगे।

वे अपने नीले रंग के घोड़े पर सवार होकर तथा तीन बाण और धनुष लेकर युद्धक्षेत्र कुरुक्षेत्र की ओर प्रस्थान कर गए। मार्ग में उन्हें एक ब्राह्मण ने रोका और परिचय पूछा। यह ब्राह्मण और कोई नहीं लीलाधर कृष्ण स्वयं थे। योगेश्वर ने बर्बरीक पर व्यंग्य किया और पूछा क्या वह सिर्फ तीन बाण लेकर युद्ध में सम्मिलित होने आया? इस पर वीर बर्बरीक ने कहा कि शत्रु सेना को धराशायी करने के लिए मेरे तीन बाण ही काफी हैं। उन्होंने कहा कि यदि मैंने तीनों बाणों का प्रयोग कर लिया तो त्रिलोक में हा-हाकार मच जाएगा।

और कृष्ण ने बर्बरीक का शीश मांग लिया

इस पर कृष्ण ने अपनी जगतमोहिनी मुस्कान के साथ बर्बरीक को चुनौती दी और पीपल के एक वृक्ष को संकेत करते हुए कहा कि इसके सभी पत्तों को छेदकर बतलाओ तो जानें। बर्बरीक चुनौती को स्वीकार करते हुए अपने तरकस से एक तीर निकाला और पत्तों की ओर चलाया। क्षणभर में पत्तों को बेध कर बाण कृष्ण के आसपास मंडराने लगा। दरअसल, उन्होंने उस वृक्ष का एक पत्ता अपने पांव के नीचे छिपा लिया था। इस पर बर्बरीक बोला- अपना पांव हटा लीजिए अन्यथा यह तीर आपको भी चोट पहुंचा सकता है। पूरी स्थिति को समझकर कृष्ण ने अपनी वाणी का तीर चलाया और बर्बरीक से पूछा- आखिर तुम किस पक्ष की ओर से युद्ध लड़ोगे। उसने अपनी मां को दिए वचन की बात बताई और कहा जो भी पक्ष इस युद्ध में कमजोर साबित होगा मैं उसकी तरफ से ही युद्ध करूंगा।

कृष्ण जानते थे यदि बर्बरीक ने कौरवों का साथ दिया तो जीती हुई बाजी उनके हाथ से निकल सकती है। ब्राह्मण वेशधारी कृष्ण ने बर्बरीक से वचन लिया और दान में उसका सिर मांग लिया। बर्बरीक क्षण भर के हतप्रभ रह गए, लेकिन वे वचन दे चुके थे। उससे मुकरना भी नहीं चाहते थे। बर्बरीक ने सोचा कि ये कोई साधारण ब्राह्मण नहीं हैं। अतः ब्राह्मण से अपने वास्तविक स्वरूप में आने की प्रार्थना की। कृष्ण न सिर्फ वास्तविक रूप में प्रकट हुए बल्कि बर्बरीक की इच्छा अनुसार उसे अपने विराट रूप के भी दर्शन कराए।

बर्बरीक ने उनसे प्रार्थना की कि वह अंत तक युद्ध देखना चाहता है, कृष्ण ने उनकी यह बात स्वीकार कर ली। उनका सिर युद्धभूमि के समीप ही एक पहाड़ी पर स्थापित किया गया, जहां से बर्बरीक सम्पूर्ण युद्ध का जायजा ले सकते थे।

युद्ध समाप्त हो चुका था। पांडवों में विजय का श्रेय लेने के लिए बहस जारी थी। इस पर कृष्ण ने कहा कि बर्बरीक का शीश संपूर्ण युद्ध का साक्षी है। अतः उससे बेहतर निर्णायक कोई और हो ही नहीं सकता। इस बर्बरीक के शीश ने उत्तर दिया कि महाभारत युद्ध में चारों ओर भगवान कृष्ण ही नजर आए। युद्धभूमि में सिर्फ उनका सुदर्शन चक्र घूमता हुआ दिखाई दे रहा था, जो शत्रु सेना को काट रहा था। महाकाली भी कृष्ण के आदेश पर शत्रु सेना का रक्तपान कर रही थीं।

देवभूमि और श्रद्धालुओं की रक्षक धारी देवी

उत्तराखण्ड के श्रीनगर में प्राचीन एवं ऐतिहासिक धारी माता मंदिर विस्थापित किये जाने के बाद से कहा जा रहा है कि मंदिर से जैसे ही धारी माता की मूर्ति हटाई गई थी, उसके तुरंत बाद ही इस पर्वतीय राज्य में प्रलय जैसी स्थिति निर्मित हुई। हालांकि विज्ञान के इस युग में इस तर्क से सहमत नहीं हुआ जा सकता फिर भी स्थानीय लोगों का मानना है कि धारी माता मंदिर विस्थापन की वजह से ही यह तबाही आई। परंपरागत रूप से माना जाता है कि धारी माता, चारों धाम की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं और उत्तराखण्ड की जनता की रक्षक माता हैं। नवरात्रि के दिनों में यहां अच्छी खासी रौनक रहती है और दूर दूर से श्रद्धालु यहां अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए मन्नत मांगने आते हैं।

श्रीमद् भागवत गीता में बताया गया है कि 108 शक्ति पीठों में से एक मां धारी देवी का पवित्र मन्दिर अलकनंदा नदी के किनारे श्रीनगर-बद्रीनाथ राजमार्ग पर स्थित है। कहा जाता है कि मां धारी देवी की इस मूर्ति का रूप समय के साथ बदलता रहता है। स्थानीय मान्यता के मुताबिक एक बार मंदिर में बाढ़ आ गई तो मूर्ति चल कर एक चट्टान पर आ गई और रोने लगी, जब ग्रामीणों ने मूर्ति का रोना सुना तो वे वहां पहुंचे तब दिव्य शक्ति ने उनसे उस जगह पर मूर्ति स्थापित करने के लिए कहा। तभी से वह मूर्ति वहां स्थापित थी जिसे हाल ही में विस्थापित किया गया। हालांकि धारी देवी की मूर्ति हटाने का भारी विरोध हुआ लेकिन कथित रूप से बिजली संयंत्र माफिया के दबाव के आगे प्रशासन झुक गया जो मंदिर की जगह एक बड़ा ऊर्जा संयंत्र स्थापित करना चाहता था।

धारी देवी इस क्षेत्र की कुलदेवी भी हैं जिन्हें गांव के लोग सदियों से पूजते आए हैं। पौराणिक मान्यता है कि पिछले 800 सालों से धारी देवी अलकनंदा नदी के बीच बैठकर नदी की धारा को काबू में रखती थीं। 16 जून 2013 को स्थानीय लोगों के विरोध के बावजूद धारी देवी का मंदिर नदी के बीच से हटाकर ऊपर सुरक्षित जगह पर लाया गया और उसी शाम केदारनाथ में बादल फटा। कुछ संतों का भी कहना है कि धारी देवी की मूर्ति को हटाया गया था और इसी कारण जलप्रलय हुआ जो निश्चित रूप से धारी देवी का ही प्रकोप है। उनका यह भी कहना है कि धारी देवी के गुस्से से ही केदारनाथ और उत्तराखंड के अन्य इलाकों में तबाही मची। धारी देवी देश के नास्तिक लोगों को समझाना चाहती थीं कि हिमालय और यहां की नदियों को ना छुआ जाए।

धारी देवी मंदिर को हटाने का विरोध इस तर्क के साथ भी हो रहा था कि मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होती है, हिंदू धर्म में माना जाता है कि मूर्ति में प्राण है, ऐसे में शक्तिपीठों में शामिल मां धारी देवी मंदिर को हटाने की अनुमति कैसे दी जा सकती है। साथ ही यह भी तर्क दिया जा रहा था कि यदि बांध बनेगा तो गंगा कहां बचेगी। गंगा की अविरलता से ही जीवन बचेगा। मां काली का रूप मानी जाने वालीं धारी देवी के इस मंदिर के बारे में यह भी कहा जाता है कि 1880 में भी धारी देवी को हटाने का प्रयास हुआ था, तब भी केदारनाथ में भयंकर बाढ़ आ गई थी। उसके पश्चात धारी देवी को फिर किसी ने हटाने का प्रयास नही किया। मान्यताओं के मुताबिक धारी देवी और केदारनाथ दोनों की स्थापना तंत्र-शास्त्र पर की गई है, जो पहाड़ों और नदियों की बाढ़ से इस क्षेत्र की रक्षा करती हैं।

वास्तु के अनुसार सजांए पूजा घर

आज हर किसी के घर में कोई ना कोई समस्या बनीं ही रहती है। लोग चाहे कितना भी खुश क्यों ना रहना चाहें। वह किसी अनहोनी से परेशान रहते ही हैं। इसका कारण यह भी हो सकता है कि हम वास्तु से अनजान हों। क्योंकि अक्सर हम अपनी खुशी में वास्तु और भगवान को भूल जाते हैं। हालांकि सभी के घर में पूजा घर जरूर होता है। लेकिन कई लोग बिना सोचे समझे घर में पूजा घर का निर्माण करवा लेते हैं और कई लोग वास्तु को देख कर इसका निर्माण करवाते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के शुरुआती दरवाजे से लेकर बालकनी तक प्रयोग किया जाता है। यहां तक कि लोग अपने घर को सजाते भी वास्तु को ध्यान में रख कर ही हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर घर नहीं भी बना है तो भी आप इसके अनुसार अपना पूजा घर बनवा सकते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार पूजा घर की दिशा, उसकी जगह, किस धातु से बना है मंदिर आदि.. और भी कुछ नियम अहम होते हैं। तो आइये जानते हैं कि वास्तु शास्त्र के अनुसार कैसा होना चाहिये आपका पूजा घर।

पूर्व, उत्तर और पूर्वोत्तर कि दिशा सबसे अच्छी होती है पूजा घर बनाने के लिये। अगर आपका घर तीन तल्ले का है तो अच्छा होगा कि आप अपना पूजा घर नीचे वाले फ्लोर पर ही बनवाएं। पूजा घर के सामने, बगल, ऊपर या नीचे टॉयलेट और किचन नहीं होना चाहिये। अगर घर में जगह कि कमी है और पूजा घर बेडरूम में है तो ध्यान रखें कि कभी भी आप अपना पैर मंदिर कि ओर कर के न सोएं। पूजा घर के लिए प्रायः हल्के पीले रंग को शुभ माना जाता है, अतः दीवारों पर हल्का पीला रंग का प्रयोग आप निश्चित होकर कर सकते हैं। वास्तु के अनुसार तिकोने आकार का पूजा घर बहुत अच्छा माना जाता है। पूजा घर की छत भी तिकोनी होनी चाहिये जिससे अच्छी शक्ति बनी रहे। भगवान कि मूर्ती को रखते वक्त ध्यान रखें कि उन सब कि मूर्तियां एक-एक इंच कि दूरी पर रखी गई हो। मूर्तियों को एक दूसरे के सामने नहीं रखना चाहिये। मूर्तियों को पूर्व, पश्चिम और उत्तर पूर्व में रखें। पूजा घर को सजाने के लिये तांबे के ही बर्तन का इस्तमाल करें। दिया हमेशा भगवान की मूर्ती के सामने ही जलना चाहिये। अपने पूजा घर में भगवान कि मूर्ति के साथ परिवार के मरे हुए सदस्यों कि तस्वीरें न रखें। अपने पूजा घर को हमेशा साफ-सुथरा बनाए रखना चाहिये। साथ ही इसमें कभी सोना नहीं चाहिये और न ही कोई कबाड़ रखना चाहिये।

वास्तु से जाने शुभ-अशुभ के इशारे

अक्सर हमारे बड़े बुजुर्ग शुभ-अशुभ के बारे में बातें किया करते हैं और यह कहा करते हैं कि यह मत करो अशुभ होता है।वहां मत जाए वो जगह शुभ नहीं है।भारतीय प्राचीन ग्रंथों एवं जीव संबंधों के बारे में अनेकानेक तथ्यों से शुभाशुभ की जानकारी किसी भी स्थान पर रहने वालों को प्राप्त होती रहती है। प्रकृति को विभिन्न विकिरणों एवं संदेशों को समझने एवं ग्रहण करने की क्षमता मनुष्य से कई गुना अधिक होती है। तदानुसार वे अपने माध्यम से मनुष्य को आने वाले शुभाशुभ की जानकारी देते रहते हैं। ऐसे ही कुछ प्रमुख शकुन एवं अपशकुन की जानकारी आपको दे रहे हैं लेकिन इन्हें प्रयोग में लाने से पूर्व किसी विवाद में न पड़ कर स्वयं समय-समय पर इनका निरीक्षण परीक्षण आप स्वयं ही कर सकते हैं।

1. जिस भवन के द्वार पर आकर गाय जोर-जोर से रंभाए तो निश्चय ही उस घर के सुख में वृद्धि होती है।
2. जिस घर में काली चींटियां समूह वृद्ध होकर घूमती हों वहां ऐश्वर्य वृद्धि होती है, किंतु मतभेद भी होते हैं।
3. भवन के सम्मुख कोई कुत्ता भवन की ओर मुख करके रोए तो निश्चय ही घर में कोई विपत्ति आने वाली है अथवा किसी की मृत्यु होने वाली है।
4. घर में प्राकृतिक रूप से कबूतरों का वास शुभ होता है।
5. पीला बिच्छू माया का प्रतीक है। पीला बिच्छू घर में निकले तो घर में लक्ष्मी का आगमन होता है।
6. घर में मकड़ी के जाले नहीं होने चाहिएं, वे शुभ नहीं होते।
7. घर की सीमा में मयूर का रहना या आना शुभ होता है।
8. जिस घर में बिच्छू कतार बना कर बाहर जाते हुए दिखाई दें तो समझ लेना चाहिए कि वहां से लक्ष्मी जाने की तैयारी कर रही हैं।
9. जिस भवन में बिल्लियां प्रायः लड़ती रहती हैं वहां शीघ्र ही विघटन की संभावना रहती है विवाद वृद्धि होती है। मतभेद होता है।
10. जिस घर में प्रायः बिल्लियां आकर विष्ठा कर जाती हैं, वहां कुछ शुभत्व के लक्षण प्रकट होते हैं।
11. घर में चमगादड़ों का वास अशुभ होता है।
12. जिस भवन में छछूंदरें घूमती हैं वहां लक्ष्मी की वृद्धि होती है।
13. जिस भवन की छत पर कौए, टिटहरी अथवा उल्लू घोर शब्द करें तब वहां किसी समस्या का उदय अचानक होता है।
14. जिस घर में काले चूहों की संख्या अधिक हो जाती है वहां किसी व्याधि के अचानक होने का अंदेशा रहता है।
15. जिस घर की छत या मुंडेर पर कोयल या सोन चिरैय्या चहचहाए, वहां निश्चित ही श्री वृद्धि होती है।
16. जिस घर के आंगन में कोई पक्षी घायल होकर गिरे वहां दुर्घटना होती है।
17. जिस घर के द्वार पर हाथी अपनी सूंड ऊंची करे वहां उन्नति, वृद्धि तथा मंगल होने की सूचना मिलती है।

धनिष्ठा नक्षत्र में जन्मे व्यक्ति पाते हैं पारिवारिक सुख

जब किसी की शादी होती है। तो बस वह यही सोचता है कि मेरा जो जीवनसाथी है। वह मेरा और मेरे परिवार का ख्याल रखे। आपसी सामंजस्य बिठा सके। लेकिन इसके साथ-साथ सुन्दर भी हो और योग्य भी। ऐसे जीवनसाथी के लिए लोग ना जाने कैसे-कैसे जतन किया करते हैं। कभी व्रत रखते हैं तो कभी पूजा अर्चना में इतना लीन हो जाते हैं कुछ ना कुछ त्याग देते हैं। कुछ लोग देवी-देवताओं की आराधना करते हैं तो कुछ ज्योतिषीय उपाय करके सुन्दर पत्नी पाना चाहते हैं। किन कुछ ऐसे भाग्यशाली लोग होते हैं जिन्हें ईश्वर साक्षात लक्ष्मी स्वरूप पत्नी प्रदान करते हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार जिन लोगों का जन्म ज्येष्ठा नक्षत्र में होता है वह ऐसे ही भाग्यशाली लोग होते हैं। इस नक्षत्र का स्थान 27 नक्षत्रों में से 23 वां है। इस नक्षत्र में जिन लोगों का जन्म होता है वह दिखने में छरहरे होते हैं। धर्म-कर्म एवं ईश्वर में इनकी गहरी आस्था होती है। इनका हृदय काफी भावुक होता है, जहां तक हो सके इनकी यही कोशिश होती है कि इनके व्यवहार से किसी को कष्ट ना पहुंच सके। इस नक्षत्र में जन्म लेने वाले व्यक्ति पर शनि एवं मंगल का प्रभाव रहता है क्योंकि इसके दो चरण मकर और दो चरण कुंभ राशि में होते हैं। जबकि इसका स्वामी मंगल ग्रह होता है।

इसलिए शादी से पहले देखी जाती है लड़कियों की चाल

धनिष्ठा नक्षत्र में जन्म लेने वाले व्यक्ति की बुद्धि प्रखर होती है। इतिहास एवं विज्ञान विषयों में इनकी रुचि होती है। ऐसे व्यक्ति मन की बातों को जल्दी किसी पर जाहिर नहीं होने देते। स्वास्थ्य आमतौर पर सामान्य होता है। इन्हें कफ जनित रोग की संभावना रहती है। खान-पान में रक्त बढ़ाने वाले पदार्थ का सेवन करना इनके लिए फायदेमंद होता है। इस नक्षत्र में जन्म लेने वाले व्यक्ति का पारिवारिक जीवन सुखी होता है। जिन महिलाओं का जन्म इस नक्षत्र में होता है वह गुणवान और गृह कार्य में दक्ष होते हैं। अपने कुशल व्यवहार से परिवार में तालमेल बनाए रखती हैं।

BRIEF NEWS

राज्यपाल ने परमवीर चक्र विजेता अल्बर्ट एक्का को दी श्रद्धांजलि

RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को परमवीर चक्र विजेता शहीद लांस नायक अल्बर्ट एक्का की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की है। राज्यपाल ने अल्बर्ट एक्का चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

लापता छात्र का आठ दिनों बाद भी सुराग नहीं

RANCHI : नगड़ी थाना क्षेत्र के जीएमएस स्कूल के लापता छात्र रोहन कुमार (12) का आठ दिनों बाद भी पुलिस को सुराग नहीं मिल पाया है। इस संबंध में लापता छात्र के पिता शम्भू महतो ने रविवार को बताया कि 25 नवम्बर को उनका पुत्र स्कूल गया था। लेकिन स्कूल से वह वापस नहीं आया। इस संबंध में नगड़ी थाने में प्राथमिक की दर्ज कराई गई है। उन्होंने बताया कि उन्हें संदेह है कि किसी ने उनके बच्चे को फुसला कर कहीं लेकर फरार हो गया है। अनहोनी की आशंका से पूरे परिवार के लोग परेशान हैं। नगड़ी थाना प्रभारी रोहित सिंह ने बताया कि बच्चे का सीसीटीवी फुटेज मिला है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी पर देश की जनता को भरोसा : संजय सेठ

RANCHI : भाजपा के सांसद संजय सेठ ने तीन राज्यों के प्रचंड जीत पर बधाई दी है। सांसद सेठ ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा देश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर अपना विश्वास जताया है। सांसद ने इस जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और भाजपा के सभी कार्यकर्ता और तीनों राज्य की जनता का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कुशल नेतृत्व में भाजपा ने तीनों राज्य में प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की।

11 सूत्री मांगों को लेकर जुटेंगे सूबे के कर्मचारी, निकालेंगे विशाल जुलूस

RANCHI : 11 सूत्री मांग को लेकर सोमवार को मोरहाबादी मैदान में झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के बैनर तले हजारों कर्मी जुटेंगे। यहां से सभी कर्मचारी राजभवन के समीप डॉक्टर जाकिर हुसैन पार्क पहुंचेंगे। बता दें कि सभी जिले के उपायुक्तों के समक्ष एकदिवसीय धरना को सफल कर मांग पत्र समर्पित करने के बाद सभी कर्मी रांची पहुंचेंगे। संघ के संयुक्त मंत्री सुशांत कुमार साहू ने कहा कि हमारी मुख्य मांग है कि तृतीय वर्ग के सभी राज्य कर्मियों जैसे- लिपिक, पंचायत सचिव, राजस्व उप निरीक्षक व अन्य का न्यूनतम ग्रेड पे 2400 रुपया किया जाए। चतुर्थ वर्गीय कर्मियों को तृतीय वर्ग के रिक्त कुल पदों के 50% पद पर प्रोन्नति दी जाए। स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत सहिया, बीटीटी, एसटीटी, पारामेडिकल कर्मियों, एएनएम के लिए संवर्गीय नियमावली बनाई जाए। पद के अनुरूप वेतन, मानदेय में सम्मानजनक बढ़ोतरी करते हुए प्रोन्नति का मार्ग प्रशस्त किया जाए, साथ ही नियमित किया जाए।

झारखंड नेवी यूनिट एनसीसी ने मनाया नौसेना दिवस

RANCHI : राज्य की एकमात्र भारतीय नौसेना इकाई झारखंड नेवी यूनिट एनसीसी ने रविवार को भारतीय नौसेना दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह दस बजे मोरहाबादी मैदान से मोटर रैली को हरी झंडी दिखाने के साथ हुई। रैली में 70 बाइक, एक जिप्सी, दो बोलेरो, दो ट्रक और 240 नेवी एनसीसी कैडेट शामिल थे। रोड शो में नौसेना के रक्षा कर्मियों और सेवानिवृत्त नौसेना कर्मियों ने भी हिस्सा लिया।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

बाबूलाल ने चुनाव परिणामों पर जनता का किया आभार प्रकट, बोले-

चुनावों में भाजपा के नेता, नीति और नीयत की हुई जीत

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष सहित केंद्रीय एवं प्रदेशों के नेतृत्व को बधाई देते हुए चुनाव परिणामों पर मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान एवं तेलंगाना की जनता का आभार प्रकट किया।

उन्होंने कहा कि तीन राज्यों में भाजपा को मिला स्पष्ट और मजबूत जनादेश ने भारत की राजनीति को नई दिशा दी है। मरांडी ने कहा कि यह भाजपा के नेता, नीति और नीयत की जीत है। उन्होंने कहा कि यह जीत विकास के राजनीति की जीत है। यह सबका साथ,सबका विकास और सबका विश्वास की जीत है। यह जीत गरीब कल्याण की जीत है। महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और सनातन की जीत है। उन्होंने कहा कि जनता ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जनादेश दिया है। सनातन विरोधियों को सबक सिखाई है।

चुनाव परिणाम आने के बाद मिठाईयां बांटते व जश्न मनाते बाबूलाल मरांडी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि मोदी है तो मुमकिन है। उन्होंने कहा कि पार्टी के समर्पित और सेवाभावी करोड़ों कार्यकताओं ने पार्टी की नीतियों कार्यक्रमों को जनता के बीच ले जाने में अथक परिश्रम किया। मोदी की गारंटी को जन जन तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि जनता ने डबल इंजन की सरकार के लिए भरोसा जताया है। जनता तीसरी बार मोदी सरकार बनाने की दिशा में अपना संदेश दे दिया है।

जीत की बधाई देने वालों में सांसद दीपक प्रकाश, प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा, बालमुकुंद सहाय सहित प्रदेश पदाधिकारी शामिल रहे। प्रदेश कार्यालय में दिनभर उत्सव का माहौल रहा। बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में शाम को खुशियां मनाई गई। ढोल-बाजे पर खूब झूमे नेता-कार्यकर्ता, फोड़े पटाखे, एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाया, मिठाइयां बांटी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय मंत्री आशा लकड़ा, रविन्द्र राय, गंगोत्री कुजूर, सीपी सिंह, राकेश प्रसाद, सुबोध सिंह गुड्डू, काजल प्रधान, हेमन्त दास, सूरज चौरसिया, शिवपूजन पाठक, प्रेम मित्तल, अशोक बड़ाईक, तारिक इमरान, प्रदीप सिन्हा, प्रतुल शाहदेव, सरोज सिंह, अविनेश सिंह, आरती कुजूर, किसलय तिवारी, अनवर हयात, नीरज पासवान,अजय मारू, उमा शंकर केडिया, सीमा शर्मा, उषा पांडेय, संजय पोद्दार, सतीश सिन्हा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ट्रैफिक पुलिस ने चलाया ड्रंक एंड ड्राइव नशे की हालत में छह चालक धराये

ड्रंक एंड ड्राइव के दौरान चेकिंग करती पुलिस। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार देर रात ड्रंक एंड ड्राइव चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान चांदनी चौक, बिरसा चौक, मुंडा चौक और लालपुर चौक के पास ड्रिंक एंड ड्राइव का चेकिंग अभियान चलाया गया। शराब पीकर वाहन चलाते पकड़े गए छह वाहन चालकों के खिलाफ न्यायालय में अभियोजन समर्पित कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

ट्रैफिक एसपी कुमार गौरव ने रविवार को बताया कि ड्रिंक एंड ड्राइव चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान छह लोगों को शराब पीकर वाहन चलाते पकड़ा गया है। सभी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने सभी वाहन चालकों से अपील की है कि शराब पीकर वाहन नहीं चलायें। पकड़े जाने पर ट्रैफिक पुलिस वाहन जब्त करते हुए न्यायालय में अभियोजन समर्पित करेगी। साथ ही एमवी एक्ट की धारा 185 के तहत प्रथम अपराध पर 10 हजार रुपये जुमार्ना और छह माह का कारावास की सजा है। इसके बाद 15 हजार रुपये जुमार्ना और दो वर्ष का कारावास का प्रावधान है।

पुलिस को चकमा देकर चेन स्नैचर शाकिब फरार

अरगोड़ा चौक से हुआ था गिरफ्तार, रिम्स में था इलाजरत

PHOTON NEWS RANCHI : रिम्स में इलाज करा रहे कुख्यात चेन स्नैचर शाकिब उर्फ देबा पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। बीते दिनों अरगोड़ा थाना पुलिस ने अरगोड़ा चौक के पास से उसे गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के दौरान भागने के क्रम में उसका एक पैर टूट गया था। उसके बाद उसका इलाज रिम्स में चल रहा था। इसी दौरान रविवार की दोपहर पुलिस को चकमा देकर उसके साथी उसे भगा ले गया। क्योंकि देबा का पैर टूटने के काण वो चल नहीं सकता था। देवा के पैर में प्लास्टर लगा है और चल नहीं सकता है। बताया जा रहा है इसके साथ एक महिला है। महिला और अन्य की मदद से शाकिब फरार हो गया। पुलिस बदमाश की तलाश में छापेमारी कर रही है।

चेन स्नैचर शाकिब।

रिम्स के कैदी वार्ड की सुरक्षा में बार-बार लग रही सेंध

रिम्स के कैदी वार्ड की सुरक्षा में बार-बार सेंध लग रही है। 31 अक्टूबर की सुबह रिम्स के कैदी वार्ड से पुलिस को चकमा देकर सूरज मुंडा नामक कैदी फरार हो गया था। इससे पहले भी 12 सितंबर रिम्स अस्पताल में इलाजरत वशीर नाम का कैदी हथकड़ी सहित फरार हो गया था।

मटका खेलाने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, कई सामान बरामद

RANCHI : सुखदेव नगर थाना पुलिस ने मटका खेलाने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में अमरजीत डे और सुभाजित चटर्जी शामिल है। इनके पास से 128 पीस उजला रंग का रोल पेपर, पांच पीस एचपी कंपनी सीपीयू, दो पीस एचपी कंपनी का डेक्सटॉप, दो पीस चिराग कंपनी का डेक्सटॉप, चार पीस थर्मल प्रिंटर, पांच पीस यूएसबी टू पोर्टल, दो पीस ल्यूमिनस कंपनी का इंवटर, एक वीबो कंपनी का 5 जी फोन, एक पीस वाईफाई राउटर सहित अन्य बरामद किया गया है।

विश्व दिव्यांगता दिवस पर निकाली जागरुकता रैली

PHOTON NEWS RANCHI : हर साल तीन दिसंबर को विश्व दिव्यांगता दिवस मनाया जाता है। इसे अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के नाम से भी जाना जाता है। इस अवसर पर रांची के कोशिश स्पेशल स्कूल व वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर अरगोड़ा में आज रविवार को जागरुकता कार्यक्रम सह रैली का आयोजन किया गया। अरगोड़ा मैदान तक बच्चे पैदल मार्च करते गये। यहां पर सभी को विश्व दिव्यांगता दिवस को लेकर जागरूक किया गया। साथ ही जागरुकता कार्यक्रम में दिव्यांगों के अधिकारों और समाज में आगे बढ़कर मुख्य धारा से जोड़ने पर पर चर्चा की गयी। सभी दिव्यांग बच्चों और टीचर्स ने रैली के लिए कई तरह के पोस्टर बनाये थे।

जागरुकता रैली में शामिल लोग।

बच्चों ने कई स्लोगन किये प्रस्तुत : अरगोड़ा मैदान के आस-पास के लोगों ने भी रैली और जागरुकता कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान दिव्यांग बच्चों ने कई स्लोगन प्रस्तुत किये, जिससे समाज को जागरूक किया जा सके। कार्यक्रम में सुषमा सरण, दीपा चौधरी, नीता रॉय, समिता बोस, प्रियंका बास्के, टुम्पा मंडल, अजित कुमार के साथ-साथ स्कूल के विशेष शिक्षक अनंजय कुमार, गायत्री कुमारी,अनुज कुमार अमित आदि और कोशिश के सभी दिव्यांग बच्चे शामिल हुए।

उपायुक्त राहुल कुमार ने की चेशायर होम के दिव्यांगजनों से मतदान करने की अपील

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा रविवार को बारियातु रांची स्थित चेशायर होम पहुंचे। उपायुक्त ने विश्व विकलांग दिवसह्व पर वहां रहने वाले दिव्यांगजनों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आप सभी जीवन में आगे बढ़े, देश की तरक्की में आप सभी योगदान देने के काबिल बनें ,सब मिल कर आप सभी की सहभागिता से ही एक नए भारत का निर्माण होगा। आप सभी का योगदान भारत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आप सभी खूब तरक्की करें।

उपायुक्त ने वहां सभी को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एक-एक वोट भारत निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उपायुक्त ने सभी लोगों से पूछा कि आप सभी का नाम मतदाता सूची में दर्ज है, की नही जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज नही है, उनका नाम मतदाता सूची तुरंत दर्ज कराने के निर्देश सम्बंधित अधिकारी को दिया गया। उपायुक्त वहां रहने वालें दिव्यांगजनों से कहा की देश की तरक्की में आप सभी योगदान देने के काबिल बनें। सब मिल कर और आप सभी की सहभागिता से ही एक नए भारत का निर्माण होगा।

दिव्यांगजनों को मतदान के प्रेरित करते उपायुक्त। ● फोटोन न्यूज

उपायुक्त ने संबंधित सभी अधिकारी को विशेष रूप से निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी योग्य व्यक्ति मतदान करने से छूटे नहीं। इसके लिए उन सभी का नाम मतदाता सूची में आवश्यक रूप से दर्ज हो यह सभी सम्बंधित अधिकारी-पदाधिकारी सुनिश्चित करें। यह सबकी दृढ़ता है, जिसका पालन सभी को करना है।

झारखंड के 11 विश्वविद्यालयों में शिक्षक और कर्मियों की बड़ी संख्या में खाली हैं पद

जेपीएससी की ओर से 2404 असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति की हो रही तैयारी

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के विश्विविद्यालयों में शिक्षक और कर्मियों की घोर कमी है। इनमें असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति के लिए अभियान चलाया जा रहा है। झारखंड लोक सेवा आयोग की ओर से 2404 असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति की तैयारी की जा रही है। हालांकि, राजभवन इसको लेकर आपत्ति जता चुका है। जेपीएससी के माध्यम से सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति के लिए पिछले दिनों अभियान भी चलाया था इसके बाबजूद कई विभागों में आज भी प्रोफेसर से लेकर सहायक प्रोफेसर की भारी कमी है।

रांची विश्वविद्यालय में 1,032 स्वीकृत पदों में 688 शिक्षकों के पद खाली हैं। इसी तरह का हाल

हजारीबाग विनोबा भावे विश्वविद्यालय का है, जहां स्वीकृत 597 पदों में से 326 खाली हैं। कोल्हन विश्वविद्यालय में 994 स्वीकृत पद हैं, जिसमें करीब 675 खाली हैं। इसी तरह सभी विश्वविद्यालय में निचले स्तर के कर्मियों की भी भारी कमी है, जिस वजह से शैक्षणिक कार्यों पर असर पड़ रहा है।

इस संबंध में रांची विश्वविद्यालय के नागपुरी भाषा के पीजी विभाग के डॉ उमेश नंद तिवारी कहते हैं कि नागपुरी में चार रिक्तियां थी उसे जल्द ही भरने की प्रक्रिया शुरू की गई है लेकिन जनवरी में चार लोग सेवानिवृत्त भी होंगे। इस तरह से जब तक ये नवनियुक्त सेवा शुरू करेंगे उतनी रिक्तियां फिर से हो जायेंगी। इसी तरह से अन्य विभागों का भी हाल है।

एक तरफ जहां राज्य के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों की भारी कमी है, वहीं दूसरी ओर इन खाली पड़े पदों भरने के लिए कभी भी ईमानदारी से प्रयास नहीं किया गया है। शायद यही वजह है कि राज्य गठन के 23 वर्षों में सिर्फ एक बार झारखंड पात्रता परीक्षा यानी जेट का आयोजन हुआ है। राज्य में 15 अक्टूबर 2006 को पात्रता परीक्षा हुई थी उसके बाद से एक भी पात्रता परीक्षा आयोजित नहीं हो सकी है।

सहायक अध्यापकों की नियुक्ति में नेट की तरह जेट की भी मान्यता है। हालांकि, सरकार जेट परीक्षा आयोजित करने को लेकर नियमावली बनाने में जुटी है और संभावना व्यक्त की जा रही है कि आने वाले कुछ महीनों में सारी वैधानिक प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इन सबके बीच राज्य सरकार के द्वारा 2404 असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी की जा रही है। राजभवन के दबाव के बाद झारखंड लोक सेवा आयोग के द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति की जानी है, जिसके लिए प्रक्रिया शुरू होने वाला है।

राज्य के प्रमुख विश्वविद्यालय

रांची विश्वविद्यालय रांची, कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग, सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका, नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय पलामू, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी रांची, झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय रांची, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय रांची, नेशनल लॉ युनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ रांची, झारखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी रांची और बिनोद बिहारी महतो विश्वविद्यालय कोयलांचल।

खबरें राउरकेला की

गड्ढे में गिरा हाथी, रेस्क्यू की कोशिश जारी

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ के सान दमकुडा के सदर वन रेंज में भाद्रपड़ा के पास खेत में एक खोदे हुए गड्ढा में एक हाथी गिर गया है। हाथी के शनिवार रात से गड्ढा में फंसे होने की आशंका है। बताया जा रहा है कि खेत में फसल खाने के दौरान आर रहे हाथी गड्ढा में गिर गया है। स्थानीय लोगों की मदद से वन विभाग रेस्क्यू के प्रयास कर रहा है।

कोयल नदी में डूबे एक और छात्र का शव बरामद

ROURKELA : राउरकेला कोयल नदी में डूबे छात्र प्रियरंजन पाढ़ी का शव रविवार सुबह बरामद कर लिया गया। फायर टीम ने उसका शव नदी से निकाला। एक और डूबे हुए छात्र प्रियांशु भोल का शव शनिवार को बरामद किया गया था। दोनों छात्र डीएवी पब्लिक स्कूल में आठवीं श्रेणी के छात्र थे। इस घटना से लेबर टूनार्मेंट क्षेत्र में शोक का लहर छा गया जहां वे रहते थे। श्रम मंत्री एवं राउरकेला विधायक सारदा प्रसाद नायक मौके पर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। मंत्री सारदा नायक ने ओडीआरएएफ टीम के साथ घटना स्थल पहुंचने के बाद बचाव कार्य में तेजी आई और डूबे हुए छात्र को निकाला गया और पोस्टमार्टम के बाद शव को परिवार कौ सौपा गया।

शहरी क्षेत्र मे निगम करा रहा शौचालयों का निर्माण

ROURKELA : राउरकेला में लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए राउरकेला नगर निगम ने शहर के प्रमुख स्थानों पर शौचालयों का निर्माण कराया है। इसी क्रम में पानपोष मार्केट के पास एक 'एस्पिरेशनल टॉयलेट निर्माण किया गए' है। यहां पुरुषों, महिलाओं और दिव्यांगों के लिए विशेष सुविधाओं के साथ शौचालय उपलब्ध हैं।

इस्पात अधिकारियों के मजदूर विरोधी रुख के खिलाफ 12 दिसंबर को संयुक्त विरोध प्रदर्शन

ROURKELA : राज्य के स्वामित्व वाली स्टील एंटरप्राइजेज सेल और आरआईएनएल के कर्मचारियों को वेतन समझौता और वार्षिक बोनस प्रदान करने के लिए राउरकेला मजदूर सभा के शहरी कार्यालय में संयुक्त ट्रेड यूनियन काउंसिल की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को हुई। अधिकारियों के कर्मचारी विरोधी रवैये की कड़ी निंदा की गई। 12 दिसंबर को सुबह 7 बजे से 9 बजे तक स्थानीय मुख्यालय में दो घंटे की संयुक्त आमसभा कर इस्पात अधिकारियों द्वारा श्रमिकों के साथ की जा रही क्रूरता के विरोध में और आने वाले दिनों में जरूरत पड़ने पर बड़े पैमाने पर आंदोलन करने का आह्वान किया जाएगा। राउरकेला स्टील प्लांट में काम करने वाले सभी केंद्रीय और क्षेत्रीय श्रमिक संगठनों का प्रतिनिधित्व करते हुए यह निर्णय लिया गया है। बैठक में राउरकेला लेबर यूनियन के दीलिप कुमार महापात्र और निहार दास, राउरकेला स्टील फैक्ट्री वर्कर्स यूनियन के सुरेंद्र कंसारी और योगेन्द्र महंत, गांगपुर मजदूर मंच के गोपाल दास, सीटू के बसंत और नायक उपस्थित थे।

जिला स्थापना दिवस को लेकर तैयारी की हुई समीक्षा, निकेलगा जुलूस, आयोजित होगा मेला

SUNDARGARH : जिला स्थापना दिवस और जिला महोत्सव यात्रा की तैयारी को लेकर सद्भावना हाउस में जिला पाल डॉ. पराग गभली ने बैठक की। इस बार यह यात्रा 1 से 5 जनवरी तक चलने वाली है। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि समिति के सदस्य क्षेत्र का दौरा करेंगे और तीर्थयात्रा के लिए स्थान का निर्धारण करेंगे। इसी प्रकार यात्रा के लिए विभिन्न विभागीय अधिकारियों एवं स्थानीय कलाकारों एवं बुद्धिजीवियों की विभिन्न मितियों का गठन किया जाएगा तथा संबंधित समितियां आपस में समन्वय स्थापित कर अपनी-अपनी समितियों के कार्यों को सम्पादित करें। पूजा के बाद मशाल सांस्कृतिक जुलूस निकाला जायेगा। इस जुलूस में कलाकार, आम जनता, विभिन्न संस्थाएं, युवा समूह और अधिकारियों के शामिल होने का कार्यक्रम है। इसी प्रकार प्रतिदिन शाम को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे, जिसमें प्रमुख स्थानीय, राज्य एवं राष्ट्रीय कलाकार भाग लेंगे। इसके साथ ही ओरमास की ओर से मेला एवं पुस्तक मेला भी आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में अतिरिक्त जिलापाल (सामान्य) रवि नारायण साहू, अतिरिक्त जिलापाल (राजस्व) अभिमन्यु माझी, मुख्य विकास अधिकारी एवं कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद मनोज महाजन, सदर उप जिलापाल दाशरथी सराबू, जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी , आर एंड बी अधीक्षक नारायण पटेल, जिले के वरिष्ठ कलाकार, बुद्धिजीवी, विभिन्न संस्थाओं के कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे और अपने विचार रखे।

श्रम विभाग की योजनाओं की जानकारी के लिए निकाली गई जागरूकता यात्रा

ROURKELA : राउरकेला। क्षेत्रीय पुनर्वास और अनुसंधान केंद्र (आरआरआरसी) और आशादीप द्वारा जागरुकता शोभायात्रा निकाला गया। इस कार्यकर्म के मुख्य अतिथि श्रम मंत्री व राउरकेला विधायक सारदा नायक ने राज्य सरकार के द्वारा दिए जा रहे सुविधाओं के बारे में लोगो कों अवगत करवाया। विकलांग सर्टिफिकेट के लिए विकलांग व्यक्तियों को हो असुविधा को देखते हुए अब प्रत्येक गांव में विकलांगता कैंप करने के लिए अधिकारियों को निर्देश नामा जारी किए है। इससे विकलांग लोगों की परेशानी कुछ कम होने की आसार दिख रहा। इस कार्यकर्म में ट्राइसाइकिल और व्हीलचेयर के वितरण सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता जागरूकता दिवस का आयोजन किया है।

अपने हक अधिकार को जन-जन तक पहुंचना हमारी पहली प्राथमिकता : सुदेश

कांके में आजसू का कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन

मिलन समारोह में उपस्थित सुदेश महतो व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : आजसू पार्टी का कांके प्रखंड के रिंग रोड स्व. कैला महतो चौक में प्रखंड अध्यक्ष लाल अमन शाहदेव के अध्यक्षता में मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से योगेंद्र उरांव ने अपने सैकड़ों महिला एवं पुरूष समर्थकों के साथ आजसू पार्टी का दामन थामा। मिलन समारोह के मुख्य अतिथि पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेस कुमार महतो ने योगेंद्र उरांव, बंधन उरांव, बेनी लोहरा, राजू केरकेट्टा संजय मुंडा, वासदेव गंझू, बैजू गोप,कृष्ण नायक, रंजीत राज, कालीचरण महली, अनुज कुमार, गोबिंद करमाली, नंदू गोप, उर्मिला देवी सहित सैकड़ों लोगों को पार्टी का पट्टा देकर सम्मानित किया। साथ ही महतो ने अपने संबोधन में पार्टी के नीति सिद्धान्तों को गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा अपने हक अधिकार को जन-जन तक पहुंचना हमारी पहली प्राथमिकता है।

मिलन समारोह में मुख्य रूप से केंद्रीय प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, महासचिव राजेंद्र मेहता, उपाध्यक्ष हसन अंसारी केंद्रीय सदस्य रूपलाल महतो, रांची जिला अध्यक्ष संजय महतो, प्रखंड सचिव सुरेंद्र महतो, रूपश्री गाड़ी, मनोज महतो, शिवाजी पाटिल, छात्र प्रखंड अध्यक्ष लोकेश महतो, किशोर महतो, शत्रुघ्न महतो, मदन महतो, संदीप कुमार, राजू नायक, प्रत्यूष कुमार, विप्लव विस्वास, मुख्य रूप से उपस्थित थे।

एसडीओ बोले-असामाजिक लोगों ने आग लगाई

दानापुर में अतिक्रमण हटाने के दौरान सिलेंडर ब्लास्ट

पटनाः के दानापुर में अतिक्रमण हटाने के दौरान रसोई गैस सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। जिससे इलाके में दहशत है। भीषण आग लगी है। मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया है। एसडीओ प्रदीप कुमार ने बताया कि घर खाली करने के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा आग लगाई गई है। उन्हें चिन्हित किया जा रहा है। उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। आग लगने के बाद गैस सिलेंडर एक-एक कर फटने लगा। हमने सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। अतिक्रमणकारियों ने पुलिस बल पर रोड़ेबाजी भी की। इस दौरान पुलिस बल के साथ एक पत्रकार रंजीत कुमार घायल हो गया है। हाईकोर्ट के निर्देश पर पटना जिलाधिकारी ने सुनवाई करते हुए बाढ़ कटाव पीड़ित विस्थापित परिवारों को प्रखंड कार्यालय परिसर से हटाने का निर्देश दिया था। अनुमंडल पदाधिकारी के नेतृत्व में प्रशासन ने प्रखंड कार्यालय परिसर से अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई शुरू की थी। स्थानीय लोग अतिक्रमण हटाने का विरोध कर रहे थे। एसडीओ प्रदीप कुमार ने बताया कि प्रखंड-अंचल की जमीन पर कब्जा किया गया था। यहां अतिक्रमण के साथ-साथ गैरकानूनी गतिविधियां भी चलती है। कई बार पहले भी इन्हें नोटिस दिया गया। आज भी अतिक्रमण हटाने का विरोध किया गया। प्रखंड परिसर में

अतिक्रमण से यहां आने वाले लोगों को परेशानी होती है। भूमिहीनों को जमीन मुहैया कराई गई है। आवंटित जमीन पर लोगों से बसने की अपील की गई थी। प्रखंड और अंचल की जमीन खाली करा लिया जाएगा। अतिक्रमण हटाने के लिए दानापुर अनुमंडल के कई थानों समेत जिले से विशेष पुलिस बल को बुलाया गया था। अनुमंडल प्रशासन के नेतृत्व में बुलडोजर के साथ कार्यालय परिसर में घर बना बसे लोगों को हटाया गया। इस दौरान परिसर में बने 159 घरों को तीन बुलडोजर की मदद से ध्वस्त किया गया। इसके कारण 159 घरों में रहने वाले लगभग 600 से अधिक लोग बेघर हो गए। वही इस कारवाई के दौरान कुछ लोगो ने इसका विरोध किया तो पुलिस बल के द्वारा उनलोगों पर लाठी भी चटकाई गई। वहीं, प्रखंड कार्यालय परिसर में बसे महादलित परिवारों का कहना है कि सरकार सभी परिवारों को अभी तक जमीन आवंटित नहीं की है। वही जिनको जमीन आवंटन की है वह जमीन गढ्ढा है। जिसके कारण वहा रहना मुमकिन नही है। दानापुर सीओ अमृत राज बंधु ने बताया की प्रखंड कार्यालय में बसे 159 परिवारों में से 114 परिवार को जमीन मनेर थाना क्षेत्र के महिनावा में आवंटित कर दी गई है। 45 लोगों से नोटिस देकर कागजात की मांग की गई है। सभी को परिसर की जमीन खाली करने के लिए कई बार नोटिस दिया गया था।

लेकिन ये लोग खाली नहीं कर रहे थे। इसके बाद यह कार्रवाई की गई है। 2012 में दानापुर दियारा के पानापुर पंचायत के बाढ़ कटाव पीड़ित को दानापुर अनुमंडल कार्यालय में बसने के लिए अनुमति दी गई थी। तब से लेकर ये लोग यहीं बसे हुए हैं।

एमसीए छात्र ने की खुदकुशी

भागलपुर : के जीरोमाइल थाना क्षेत्र के बड़ी गोपालपुर में एक छात्र ने गले में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना देर रात की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक एमसीए के छात्र को जब परिजन खाना देने के लिए उनके कमरे में पहुंचे तो अंदर से दरवाजा लॉक था। काफी आवाज देने के बाद भी दरवाजा नहीं खोला, तो परिजनों ने दरवाजा तोड़कर कमरे में प्रवेश किए। जहां पर परिजनों ने देखा कि पंखे से गमछी के सहारे अमन लटक रहा है। इसके बाद परिजनों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। इधर, मौके पर पहुंचे पुलिस ने परिजनों के निगरानी में शव को फंदे से नीचे उतारा। और प्रारंभिक जांच के लिए मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मृतक युवक की पहचान बड़ी गोपालपुर निवासी प्रदीप यादव के पुत्र अमन यादव(23) के रूप में की गई है। परिजनों ने बताया कि दिल्ली में रहकर पढ़ाई करता था, हाल में ही उन्होंने एमसीए में एडमिशन लिया था। छठ पर्व में घर वापस लौटा था, मृतक मंगलवार को दिल्ली जाता। लेकिन इसी बीच घटना हो गई। मृतक एक भाई एक बहन है। इधर घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों ने बताया कि पढ़ाई को लेकर डिप्रेशन में था, जिसको लेकर उन्होंने यह कदम उठाया है, इधर, स्थानीय लोगों का कहना है कि हाल में ही अमन को परिजनों ने किश्त पर एक बाइक दिलाई थी, जिसका किस्त रविवार को देना था। हालांकि आत्महत्या किस वजह से किया है यह पता नहीं। इधर, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है मामले की जांच की जा रही है।

बच्चे को बचाने के दौरान हुआ हादसा

भागलपुरः के बबरगंज थाना क्षेत्र के भागलपुर- जगदीशपुर मुख्य मार्ग हुसैनाबाद पेट्रोल पंप के समीप बच्चे को बचाने के क्रम में एक बाइक सवार युवक गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक के सिर में गंभीर चोट लगी है। घायल को इलाज के लिए 112 की टीम और बबरगंज थाने की पुलिस के सहयोग से सदर अस्पताल में भर्ती कराया। घायल युवक की पहचान हुसैनाबाद निवासी शंभु मंडल (35) के रूप में की गई है, घायल बिजली विभाग के कर्मी है। बताया जा रहा है कि हुसैनाबाद निवासी बाइक सवार शंभू मंडल (35) भागलपुर की और से आ रहा था, तभी हुसैनाबाद इंडियन पेट्रोल पंप के पास बच्चे को बचाने के क्रम में अनियंत्रित हो गया और वह सड़क पर गिर गए। घटना में शंभू मंडल के सिर में गंभीर चोट लगी है। इधर घटना की जानकारी 112 की टीम द्वारा परिजनों को दी जानकारी मिलते ही परिजन सदर अस्पताल पहुंचे, फिलहाल घायल का स्थिति नाजुक बनी हुई है। इधर घटना के बाद भागलपुर-जगदीशपुर मुख्य मार्ग आधे घंटे तक बाधित रहा। बबरगंज थाना प्रभारी मोहम्मद महताब खान ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत गस्ती पदाधिकारी को भेजा गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि भागलपुर से घर वापस लौट रहे थे, तभी बच्चे को बचाने के क्रम में बाइक अनियंत्रित हो गया और गिर गया। सिर में गंभीर चोट लगी है। घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 112 की टीम घायल का इलाज सदर अस्पताल में करवा रहे हैं।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी भीषण आग

गयाः जिले के कोंच थाना क्षेत्र अंतर्गत खजुरी पंचायत के नोहोरा गांव में देर रात एक घर में भीषण आग लग गई। घर में सभी लोग सोए थे। हालांकि आग घर के दूसरे कमरे में लगी थी। आग लगा देख घर के लोग जागे और शोर करते हुए घर के बाहर निकल गए। इसके बाद गांव के ग्रामीणों के मदद से आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सब कुछ पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था। घर में रखा सारा सामान जल चुका था। जिसमें लाखों की क्षति हुई है।कोंच थाना क्षेत्र के ग्राम नोहोरा निवासी बुदूल दास के बेटे प्रवीण दास ने बताया। शनिवार की रात हम सभी परिवार के सदस्य खाना-पीना खाकर अपने घर में सोए हुए थे। तभी शनिवार और रविवार की रात अचानक आग लग गई। इस दौरान नींद टूटी और शोरगुल किया। ग्रामीणों के अथक प्रयास से मोटर के पानी के सहारे आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घर में रखे कपड़े,पलंग,बर्तन, बक्सा,एटैची समेत किचेन में रखा राशन समेत सभी समान जलकर राख हो गया। जिससे लाखों की क्षति हुई है।बताया आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। प्रवीण दास के घर में भीषण आग लगने के बाद स्थानीय वार्ड सदस्य मो.महफूज अंसारी और समाजसेवी प्रमोद यादव पहुंचे थे। उन्होंने ने पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग अंचल कार्यालय से की है। कहा इनके पास अब न तो खाने को राशन है, ना पहनने को कपड़े, नहीं सर पर छत है।

दलितों की श्रेणी में डॉक्टर को रखते हैं मंत्री-विधायक

बेगूसरायः के मटिहानी से जेडीयू विधायक राजकुमार सिंह और सदर अस्पताल के डॉक्टर चंदन कुमार का विवाद तूल पकड़ने लगा है। पूरे मामले को लेकर राज्य के डॉक्टर गोलबंद हो गए हैं। बेगूसराय में शहर के अंदर आक्रोश मार्च निकालकर डॉक्टरों नगर थाने में विधायक के खिलाफ लिखित शिकायत दी है। वहीं, क्टअ भी इस घटना के बाद डॉक्टर चंदन के साथ खड़ा है। आईएमए के पदाधिकारी आगे की रणनीति पर विचार विमर्श कर रहे हैं। आईएमए के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉक्टर सचिदानंद सिंह ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि बिहार में डॉक्टरों की स्थिति दलितों वाली है। जिस तरह से लोग दलितों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। उसी तरह से बिहार के विधायक और मंत्री डॉक्टरों को दलितों की श्रेणी में रखते हैं। कभी भी तू-तड़ाक करने लगते हैं। कोई भी डॉक्टर केवल

पैसे के लिए काम नहीं करता है, उसे सम्मान भी चाहिए होता है। अगर ऐसे ही चलता रहा तो बिहार में एक भी डॉक्टर नहीं रुकेगा। सब बाहर जाकर नौकरी करने लगेंगे। हम इस घटना की घोर निंदा करते हैं, भर्त्सना करते हैं। आगे की प्लानिंग को लेकर डॉक्टरों के बीच चर्चा हो रही है। कार्रवाई नहीं होती है, तो आगे बड़ा कदम उठाया जाएगा। हीं, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की बिहार इकाई ने इस घटना की घोर निंदा की है। प्रदेश अध्यक्ष श्याम नारायण प्रसाद ने कहा है कि आईएमए बेगूसराय के डॉक्टरों के साथ खड़ा है। अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

विधिसम्मत तुरंत कार्रवाई की जाए। हम डॉक्टरों के साथ खड़ा हैं, जो भी उनका फैसला होगा, उसके साथ हैं। दरअसल, बेगूसराय सदर अस्पताल में खञ्ञ विधायक राजकुमार सिंह और डॉक्टर चंदन कुमार के बीच दो दिन पहले जमकर बहस हुई थी। इसका एक वीडियो भी सामने आया था। जिसमें मटिहानी विधायक उंगली दिखाकर डॉक्टर चंदन कुमार को धमकाते नजर आ रहे हैं। उन्होंने डॉक्टर को गुंडा बताया।

कहा कि तुम खुद बीमार हो, तुम्हारा इलाज करवाते हैं। तुम्हारी नौकरी खत्म कर दूंगा, इस पर डॉक्टर ने जवाब दिया कि कोई दिक्कत नहीं है। विधायक राजकुमार सिंह डॉक्टर चंदन कुमार के बात करने के तरीके से नाराज दिखे, वहीं डॉक्टर बार-बार बोलते नजर आ रहे हैं कि बर्न वार्ड में उनकी ड्यूटी नहीं है, उनकी ड्यूटी इमरजेंसी में है। मंगलवार को बेगूसराय के नावकोठी थाना क्षेत्र के पहसारा गांव में एक खंडहरनुमा घर में रखे बम के ब्लास्ट होने से बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनका इलाज सदर अस्पताल सहित अन्य जगहों पर चल रहा है। राजकुमार सिंह घायल बच्चों से मिलने सदर अस्पताल पहुंचे थे।

शराबबंदी कानून के नए फरमान से भय का माहौल

किशनगंज (बिहार): भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई ने शनिवार को शहर के केलेक्स चौक पर सीएम नीतीश कुमार का पुतला फूंका एवं खिलाफ में जमकर नारेबाजी की। जिला अध्यक्ष भाजपा सुशांत गोप की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में सभी मंडल मोर्चा के कार्यकर्ता शामिल हुए।जिलाध्यक्ष ने कहा कि सरकार की शराबबंदी नीति पूरी तरह फेल है।राज्य के हर गली कस्बे में शराब खुलेआम बिक रही है।

इसपर अंकुश लगाने में विफल सरकार का एक और तुगलकी फरमान से समाज मे भय का माहौल है। सरकार ने फरमान जारी किया है कि शादी विवाह या किसी समारोह में कोई अगर शराब के साथ प्रवेश करता है तो प्रशासन घुसकर जांच करेगी। अगर शराब बरामद हुए तो स्थल को सील कर दिया जाएगा। साथ ही समारोह संचालक को भी गिरफ्तार किया जाएगा।भाजपा ने प्रतिकार करते हुए कहा कि जिस घर मे शादी विवाह होगी। उसके घर वाले रस्म अदायगी में रहेंगे की शराब पर नजर रखेंगे। उन्होंने कहा कि सीमांचल का यह जिला नेपाल बंगाल एवं बांग्लादेश बॉर्डर पर है। यहां शराबबंदी तो फेल है ही।अब युवा वर्ग स्मैक की लत से ओतप्रोत हैं।

पड़ोसी ने कुल्हाड़ी से हमला कर पांच को किया

जमुई : चरका पत्थर थाना क्षेत्र के लाली लेवार गांव में रविवार की सुबह पुरानी रंजिश को लेकर दबंग पड़ोसी ने पिता-पुत्री सहित एक ही परिवार के पांच लोगों को कुल्हाड़ी से मार कर घायल कर दिया। सभी घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया जहां दो की हालत गंभीर बनी हुई है। घायल की पहचान लाली लेवार गांव निवासी भीम ठाकुर, उसकी बेटी कंचन देवी, अंशु कुमारी, पत्नी विमली देवी, विनीता देवी के रूप में की गई है। बताया जाता है कि भीम ठाकुर रविवार की सुबह अपने काम के सिलसिले में चरका पत्थर की ओर जा रहा थे। तभी उसके दबंग पड़ोसी मिंटू ठाकुर, अमित ठाकुर, चिंटु ठाकुर सहित अन्य लोगों ने मारपीट शुरू कर दिया। तभी एक ने कुल्हाड़ी से भीम ठाकुर के सिर पर

हमला कर दिया, जिसमें वह घायल हो गया। वहीं पिता को बचाने पहुंची बेटी को भी हमला कर दिया जिसमें पिता-पुत्री घायल हो गए। जबकि उसकी दूसरी बेटी अंशु कुमारी, पत्नी विमली देवी व बिनीता देवी पहुंची तो उसे भी लाठी-डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया। घटना के बाद सभी घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जहां पिता पुत्री की हालत गंभीर होने पर इलाज कर रहे चिकित्सक डॉक्टर अभिषेक गौरव ने बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच पटना जाने की सलाह दिया गया। चरका पत्थर थानाध्यक्ष अभिनंदन कुमार ने बताया कि पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट की घटना की बात सामने आई है। अभी तक पीड़ित द्वारा कोई लिखित आवेदन नहीं दिया गया है। यदि आवेदन दिया जाता है तो उसके आधार पर मामले की जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त डायरी

चाचा ने भतीजे-भाभी समेत 6 लोगों पर किया हमला

समस्तीपुरः में चाचा ने जमीन विवाद में भतीजे-भाभी समेत आधा दर्जन लोगों पर धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। मामला जिले के खानपुर थाना क्षेत्र के बछौली गांव का है। घायलों में शामिल राजेश मालाकार, रोशन मालाकार, रीता देवी, कोमल देवी, धर्मेंद्र मालाकार और मुकेश मालाकार को ग्रामीणों के सहयोग से सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जख्मी लोगों में कोमल देवी की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं सदर अस्पताल प्रशासन द्वारा घटना की जानकारी नगर पुलिस को दी गई है। पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई है। घटना के संबंध में राजेश मालाकार ने बताया कि उसके चाचा जय नारायण मालाकार के घर के पास एक कट्ठा जमीन जो उनके हिस्से में है उसमें पेठा का पेड़ लगा हुआ था। दोपहर वह पेड़ मजदूर से कटवा रहे थे इसी बात को लेकर उसके चाचा जय नारायण मालाकार गलौज करने लगे जब उसने गाली गलौज करने से मना किया तो उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। हल्ला होने पर जब उसका भाई रोशन ,भाभी रीता मां कोमल देवी चाचा धर्मेंद्र और मुकेश बीच बचाव करने पहुंचे तो उक्त लोगों ने उन सभी के साथ मारपीट कर उसे जख्मी कर दिया। हल्ला होने पर गांव के लोग जुटे तो बीच बचाव कर सभी को खानपुर पीएचसी में भर्ती कराया जहां से सभी को सदर अस्पताल भेजा गया है। नगर थाना अध्यक्ष विक्रम आचार्य ने बताया कि सदर अस्पताल प्रशासन द्वारा घायलों के बारे में जानकारी दी गई है। पुलिस पदाधिकारी को बयान के लिए भेजा गया है। पुलिस लोगों का बयान प्राथमिकी के लिए खानपुर थाना को भेजा जाएगा। इस मामले में आगे की कार्रवाई खानपुर पुलिस करेगी।

सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने के आरोप में गया जेल

आदापुर : आदापुर पुलिस ने शुक्रवार की शाम श्यामपुर रेलवे ढाला के समीप से कांड संख्या 260/22 के अभियुक्त भूलेन्द्र यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष चन्द्रिका प्रसाद ने बताया कि स्थानीय बीडीओ सुनील कुमार के द्वारा 1 सितंबर 22 को प्राथमिकी दर्ज कराया गई थी। जिसमें स्थानीय कनूनिया कटगेनवा गांव निवासी सह तत्कालीन प्रखंड अध्यक्ष जन अधिकार पार्टी भूलेंद यादव पर करीब छह दर्जन लोगों को उकसाकर बिना अनुमति प्रखंड परिसर में हंगामा कर सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए बीडीओ का पुतला दहन करने का आरोप लगा है। जिसको लेकर एफ आई आर दर्ज हुआ था। उक्त आलोक में उसके विरुद्ध कोर्ट से वारंट भी निर्गत था। बताया जाता है कि पूर्व में भी आदापुर रेलवे स्टेशन पर हंगामा करने के आरोप में काण्ड संख्या 19 /22 भी हुआ है, जिसमे वो जेल जा चुका है ।

साइकिल दुकान में लगी आग, पांच लाख की संपत्ति राख

मोतिहारीः के मेन रोड स्थित एक दुकान के तीसरे मंजिल पर आग लग गई। आग लगने के पीछे बारात में पटाखा छोड़े जाने को बताया जा रहा है। उसी के चिंगारी से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। दुकान के उपर रखे सामान में आग काफी तेजी से फैल गया। जिससे दुकान में रखे करीब पांच लाख की संपत्ति जलकर राख हो गया। आसपास के लोग घटना की सूचना नगर थाना और फायर ब्रिगेड को दी। जिसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया। घटना नगर थाना क्षेत्र के पानी टंकी के पास ममता साइकिल स्टोर की है । पटाखे की चिंगाड़ी से आग लगने की आशंका घटना के संबंध में स्टोर के मालिक मनीष कुमार ने बताया कि उस कमरे में मजदूर काम करते और रहते भी है। लेकिन जिस वक्त आग लगी उस वक्त दुकान कोई नहीं था। ज्ञानबाबू चौक से मीना बाजार के तरफ एक बारात जा रही थी। इसी बारात में कुछ बच्चे पटाखा जला रहे थे। उसकी का चिंगारी कमरे में चला गया और आग लग गई। दुकान में प्लास्टिक के समान रखा हुआ था, जिसमें काफी तेजी आग पकड़ लिया। फायर ब्रिगेड की टीम और स्थानीय लोगों ने मिलकर आग पर काबू पा लिया। जिसके कारण आग आसपास के घरों में नहीं फैली। नहीं तो स्थिति और भयावह हो जाता।

विश्व प्रसिद्ध पंचकोशी यात्रा अपने दूसरे पड़ाव में

बक्सरः पंचकोशी परिक्रमा के दूसरे दिन रविवार को साधु-संतों का जत्था नदांव स्थित नारदेश्वर आश्रम पहुंचा। वहां संतों के सान्निध्य में श्रद्धालु नारदेश्वर मंदिर में दर्शन-पूजन किए। इसके साथ ही खिचड़ी बनाकर प्रसाद के रूप में ग्रहण किया गया। वहीं कई मठों द्वारा खिचड़ी का प्रसाद भी वितरण किया गया। हालांकि इस बार जनप्रतिनिधियों को उदासीनता के कारण नारद सरोवर में पानी नहीं होने के कारण श्रद्धालुओं के जत्था को इधर-उधर स्नान कर मंदिर में दीपक जलाकर नारदेश्वर शिव का पूजन-अर्चन किया गया। इसके बाद खिचड़ी बनाकर खुद खाए और सगे-संबंधियों को भी खिलाए। मेले में आसपास के ग्रामीणों के साथ ही दूर-दराज से महिला श्रद्धालु काफी तादाद में पहुंची थी। जहां विभिन्न प्रकार के व्यंजन और खिलौने के साथ कई तरह के घरेलू उपयोग में आने वाली वस्तुओं की भी दुकानें सजी थी। जहां श्रद्धालु खरीदारी करते नजर आए। वहीं

मेले में बच्चों के लिए कई प्रकार के झूले भी लगाए गए हैं। मौके पर मौजूद भाजपा नेता मनोज मिश्रा द्वारा कहा गया कि इस पंचकोशी परिक्रमा का जो महत्व है वह पूरे देश में जगजाहिर है। लोग दूर-दूर से आते हैं साथ में प्रसाद बनाते हैं खाते हैं। एक ही जगह पर साथ में मार्केटिंग भी कर लेते हैं। एक समान और सद्भावना बनाता है और भेद भाव को दूर होता है। इस तरह मेले का आयोजन हर जगह जरूरी है। पंचकोशी परिक्रमा का तीसरा पड़ाव सोमवार को भभुअर में रहेगा। मान्यता के अनुसार त्रेतायुग में महर्षि भार्गव का आश्रम भभुअर में था। वह वहां निवास कर जप-तप कर रहे थे। सिद्धाश्रम पंचकोशी परिक्रमा के क्रम में प्रभु श्रीराम भार्गव ऋषि का कुशल-क्षेम जानने के लिए उनके आश्रम में पहुंचे थे। चूड़ा-दही खाकर रात्रि विश्राम किए थे, जो आज लोगों के लिए धाम बन गया है। जहां दूर-दराज से पहुंचने वाले श्रद्धालु भी प्रभु राम के जहां पांव पड़े वहां पहुंच जो खाए उसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करते है।

विश्व की सबसे बड़ी अयोध्या की श्रीरामलीला ने की तैयारी

आयोध्या, । 22 जनवरी 2024 को भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विश्व की सबसे बड़ी अयोध्या की श्रीरामलीला ने रामलीला मंचन की तैयारी की है। 17 से 22 जनवरी 2024 तक होने वाले इस आयोजन में 14 से अधिक देशों के विदेशी कलाकार शिराकत करेंगे। ये विदेशी कलाकार अयोध्या में होने वाले भगवान श्रीराम और उनके परिवार की प्राण प्रतिष्ठा समारोह साक्षी बनेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेशी मेहमानों की मौजूदगी में 22 जनवरी 2024 को अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इसे समारोह पूर्वक

मनाये जाने की तैयारी है। लेकिन विश्व की सबसे बड़ी अयोध्या की रामलीला ने अब इसे और विशेष बनाने की तैयारी है। भगवानश्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को और खास बनाने के लिए विदेशी धरती पर जन्मे और उसी संस्कृति में पले-बढ़े 14 से अधिक देशों के कलाकार उनकी लीला का मंचन करने आ रहे हैं। ये अपने अभिनय से भारतीय संस्कृति को पुष्ट करेंगे। विदेशी धरती पर, भगवान श्रीराम के आदर्शों का प्रचार प्रसार करने का रास्ता भी साफ करेंगे।

इन देशों के आएंगे कलाकार- श्रीरामलीला मंचन में हिस्सा लेने के लिए लंदन, दुबई, रूस, मलेशिया, अमेरिका, इजरायल, अफगानिस्तान, जापान, चीन, जर्मनी, थाईलैंड, बांग्लादेश, पाकिस्तान और इंडोनेशिया जैसे देशों के कलाकार अयोध्या आने वाले हैं। इन विदेशी कलाकारों के ठहरने का इंतजाम लखनऊ में रहेगा। आयोध्या की श्रीरामलीला में करेंगे अभिनय सुभाष मालिक ने बताया कि इन देशों के कलाकार अयोध्या की श्रीरामलीला में अभिनय करेंगे। ऐसा पहली बार हो रहा है कि किसी भी श्रीरामलीला में इतनी बड़ी संख्या में विदेशी कलाकार अभिनय करने आ रहे हैं। बता दें कि अयोध्या की श्रीरामलीला विश्व की सबसे बड़ी श्रीरामलीला है। इसको कोरोना काल में शुरू किया गया था। वर्ष 2020 से ही भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में इनके द्वारा हर वर्ष श्रीरामलीला का मंचन किया जाता है।

यूपीडेस्को के वेब पोर्टल का होगा मेकओवर, ट्रेनिंग सर्टिफिकेट आवंटन सुविधा से होगा लैस

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कई विभागों के वेब पोर्टल्स को उन्नत व नई सुविधाओं से युक्त बनाया जा रहा है। इसके अलावा कुछ विभागों में जनरल वर्किंग प्रॉसेस को और सक्षम बनाने के लिए अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर के विकास पर भी कार्य चल रहा है। इसी क्रम में अब उत्तर प्रदेश डेवलपमेंट सिस्टम्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीडेस्को) ने भी अपने वेब पोर्टल के एनुअल मेंटिनेंस प्रक्रिया की शुरूआत कर दी है। वेब पोर्टल को नई सुविधाओं से लैस करने के साथ ही खासतौर पर ट्रेनिंग सर्टिफिकेट इश्यूएंस व मैनेजमेंट सुविधा से लैस करने की तैयारी हो रही है। इस एनुअल मेंटिनेंस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए यूपीडेस्को द्वारा वार्षिक अनुबंध के आधार पर एजेंसी का चयन कर निर्धारित कार्य आवंटित किया जाएगा। खास बात यह है कि इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए यूपीडेस्को में ए, बी, सी व स्टार्टअप केटेगरी के तहत इंपैनल्ड सॉफ्टवेयर कंपनियों में से ही सर्विस प्रोवाइडर एजेंसी का चयन किया जाएगा। विभाग के अधिकारी ने बताया कि यूपीडेस्को वेब पोर्टल के मेंटिनेंस की प्रक्रिया सर्विस प्रोवाइडर एजेंसी द्वारा पूर्ण की जाएगी तथा कई सुविधआओं से लैस भी करेगी। मेंटिनेंस प्रक्रिया पूरी होने पर सिंगल लॉगिन पैनल के रूप में वेब पोर्टल रोल बेस्ड एक्सेस सिस्टम के तौर पर कार्य करने में सक्षम होगा। इससे यूपीडेस्को से जुड़े इंस्टीट्यूशंस में ट्रेनिंग प्राप्त कर रहे ट्रेनियों के रजिस्ट्रेशन व सर्टिफिकेट डिस्ट्रीब्यूशन की प्रक्रिया को पेपरलेस बनाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, वेब पोर्टल के आंकड़ों को मैनेज करने में भी मदद मिलेगी। मेंटिनेंस प्रक्रिया पूर्ण होने पर वेब पोर्टल के ऑनलाइन डेटा अवेलेबिलिटी को सुनिश्चित करने व फंक्शनिंग प्रॉसेस को मैनेज करना आसान हो जाएगा। कार्य विवरण के अनुसार, वेब पोर्टल को जिन नए फीचर्स से लैस किया जाएगा जिससे उसे एंड टू एंड मैनेजमेंट युक्त रियलटाइम अपडेट फॉर्मैट पर लाने में मदद मिलेगी। इसके अतिरिक्त, क्लाउड बेस्ड वेब पोर्टल के तौर पर भी यूपीडेस्को के वेब पोर्टल का विकास किया जाएगा जो डैशबोर्ड युक्त भी होगा। इन सभी कार्यों को पूर्ण करने के लिए यूपीडेस्को जिस सर्विस प्रोवाइडर एजेंसी को आबद्ध करेगी वह उचित जनशक्ति को भी आबद्ध करने के लिए पात्र होगा। उन्होंने बताया कि उद्योग निदेशालय (श्रम विभाग) कानपुर के लिए यूपीडेस्को द्वारा यूपी एमएसएमई पोर्टल के सिक्योरिटी ऑडिट की प्रक्रिया भी प्रस्तावित है जिसको लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस क्रम में, यूपीडेस्को द्वारा ए, बी, सी व स्टार्टअप केटेगरी के तहत इंपैनल्ड सॉफ्टवेयर कंपनियों में से ही सर्विस प्रोवाइडर एजेंसी का चयन किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट को सर्विस प्रोवाइडर एजेंसी द्वारा कायार्वंटन के बाद 60 दिन की अवधि में पूर्ण करना होगा। यह केवाईसी इंफ्रास्ट्रक्चर के सभी पहलुओं को कवर करने वाली तकनीकी व गैर-तकनीकी ऑडिट का एक संयोजन होगा जो कि रिक्वेस्टिंग ऐंटिटी कॉम्प्लाएंस चेकलिस्ट वी-3.0 पर आधारित होगा।

तेंदुए के हमले में 14 वर्षीय किशोर की मौत

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में गुरुवार शाम को हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र के सब्दलपुर रेहरा गांव में 14 साल के एक लड़के पर तेंदुए ने हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। लड़का गांव के बाहरी इलाके में अपने दोस्तों के साथ खेल रहा था, तभी तेंदुए ने उस पर झपट्टा मारा और जंगल में घसीटकर ले जाने की कोशिश की। अलफेज ने शोर मचाया, इसके बाद ग्रामीण डंडे लेकर मौक पर पहुंच गए। तेंदुए पर लाठियां बरसाईं। तेंदुआ गंभीर रूप से घायल लड़के को छोड़कर भाग गया। परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। वन विभाग क्षेत्राधिकारी चांदपुर दुष्यंत कुमार ने शुक्रवार को बताया कि हीमपुर दीपा थाना के सब्दलपुर रेहरा गांव में गुरुवार शाम नाना के घर आया 14 वर्षीय अलफेज अपने साथी बच्चों के साथ गांव के बाहर अमरूद के पेड़ से अमरूद तोड़ रहा था। तभी तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया। इससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। अधिकारी ने कहा कि तेंदुआ फिर से गांव में आ सकता है। इसलिए वन विभाग की एक टीम पेट्रोलिंग के लिए मौके पर पहुंच गई है। हम भविष्य में किसी भी मानव हताहत को रोकने के लिए कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के ग्रामीणों को समूहों में बाहर निकलने की सलाह दी जा रही है। उन्होंने ने कहा कि तेंदुए को पकड़ने के लिए घटनास्थल पर ट्रैप कैमरा और पिंजरा लगाया गया हैं। उन्होने बताया कि पीड़ित के परिवार को मुआवजे के लिए विभागीय प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

मेरठ से लखनऊ, प्रयागराज तक चलेगी नई ट्रेन

संवाददाता

मेरठ। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को कहा कि मेरठ से लखनऊ और प्रयागराज तक नई ट्रेन चलेगी। हस्तिनापुर से बिजनौर तक नई रेल लाइन शुरू करने का लक्ष्य है। मेरठ सिटी रेलवे स्टेशन को विश्व स्तरीय बनाया जाएगा रेलमंत्री वैष्णव विकसित भारत संकल्प यात्रा में भाग लेने के लिए मेरठ पहुंचे। सांसद राजेंद्र अग्रवाल के चाणक्यपुरी स्थित आवास पर केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया गया। रेलमंत्री ने मेरठ सिटी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। रेल मंत्री ने पत्रकारों से कहा कि

2024 में मेरठ से लखनऊ और प्रयागराज तक नई ट्रेन शुरू होगी। हस्तिनापुर हमारे इतिहास और संस्कृति का अंग है। हस्तिनापुर से होकर बिजनौर तक नई रेल लाइन बिछाई जाएगी। इसकी डीपीआर बनाई जा रही है। मेरठ सिटी रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाने का संकल्प लिया गया है। रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करते हुए उन्होंने अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। रेलमंत्री ने जिमखाना मैदान में आयोजित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण का सजीव प्रसारण किया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को आवासों की चाबी प्रदान की।

केंद्रीय मंत्री ने भाजपा के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक की। इस अवसर पर सांसद अग्रवाल, महापौर हरिकांत अहलूवालिया, विधायक अमित अग्रवाल, एमएलसी डॉ. सरोजिनी अग्रवाल, भाजपा महानगर अध्यक्ष सुरेश जैन रितुराज, जिलाध्यक्ष शिवकुमार राणा, मंडलायुक्त सेल्वा कुमारी जे., जिलाधिकारी दीपक मीणा आदि उपस्थित रहे।

मेरठ में पिटबुल के हमले में 11 वर्षीय लड़की बुरी तरह घायल

मेरठ। यूपी के मेरठ जिले में पिटबुल कुत्ते के हमले में 11 साल की एक नाबालिग लड़की गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना मेरठ के सदर बाजार थाना क्षेत्र स्थित रजबन मोहल्ला कैंट की है।पीड़ित की पहचान यशिका के रूप में हुई है, जो घटना के समय घर के बाहर खेल रही थी। कुत्ते के हमले के दौरान लड़की जमीन पर गिर पड़ी। इसके बाद कुत्ते ने उसे नोंचकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। स्थानीय लोगों ने घायल लड़की को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया। परिजनों ने पुलिस में शिकायत कर पिटबुल के मालिक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सदर बाजार थाना प्रभारी शंशाक द्विवेदी ने कहा कि पिटबुल के हमले में घायल बच्ची के पिता ने शिकायत दी है। मामले की जांच की जा रही है। कैंट बोर्ड से कुत्ता पालने से जुड़ी नियमावली की जानकारी ली जा रही है। उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वर्ष 2014 से पहले चेहरा देखकर बनायी जाती थीं सरकारी योजनाएं : मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि 2014 से पहले देश में चेहरा देखकर योजनाएं बनायी जाती थीं। उन्होंने कहा कि केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद भारत के प्रति दुनिया की धारणा बदल गयी है। मुख्यमंत्री ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के आगमन पर राजधानी के निशातगंज स्थित वाल्मीकिनगर में आयोजित कार्यक्रम में यह दावा किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिये देश के विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद भी किया। आदित्यनाथ ने अपने सम्बोधन में कहा, वर्ष 2014 से पहले देश में चेहरा देखकर योजनाएं बनाई जाती थीं। उसमें भी जमकर बंदरबांट का खेल होता

था। उनके (पिछली सरकारों के) एजेंडे में गरीब, सामान्य नागरिक, महिलाएं और नौजवान शामिल नहीं होते थे। आज देश में गरीबों और जरूरतमंदों को प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, गरीबों के घर में निःशुल्क शौचालय, जनधन खाता योजना, आयुष्मान भारत योजना, पीएम सम्मान निधि और पीएम स्वनिधि जैसी तमाम लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। ये योजनाएं पहले क्यों नहीं चलायी गईं, जबकि देश भी वही है और सरकार के आय के स्रोत भी वही हैं। उन्होंने कहा, देश 1947 में आजाद हुआ था। उसके बाद कई सरकारें बनीं। उन्होंने काम भी किया होगा और देश का पैसा भी खर्च किया होगा, लेकिन दुनिया में 2014 से पहले भारत की छवि एवं यहां के लोगों के बारे में क्या धारणा थी और आज क्या छवि है, यह हम सब देख रहे हैं। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को दशार्ता है। आदित्यनाथ ने किसी का नाम लिये बगैर कहा, कुछ लोग देश का विकास नहीं चाहते हैं। वे परिवारवाद, जातिवाद, मत और मजहब के आधार पर समाज को बांटने का कुत्सित प्रयास कर विकास के एजेंडे को पीछे धकेलना चाहते हैं।

इससे हम सभी को बाहर आना होगा, तभी गरीब के चेहरे पर उसके सपनों की खुशहाली लाई जा सकेगी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साढ़े नौ वर्षों में अपने महत्वपूर्ण निर्णयों, दूरदर्शी सोच एवं योजनाओं से देश भर में जो माहौल बनाया है, वह किसी भारतीय से छिपा नहीं है। विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आने वाले कुछ वर्षों में विकसित भारत की संकल्पना को स्थापित करेगी। इसमें सबका योगदान जरूरी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, प्रमाण पत्र, आवास की चाबी और आयुष्मान कार्ड सौंपे।

संक्षिप्त डायरी

गर्म रोटी नहीं मिली तो बारातियों ने हलवाई पर उड़ेला खौलता तेल

संवाददाता

बदायूं । बदायूं जिले के मूसाझाग क्षेत्र के एक गांव में बारात के दौरान गर्म रोटी न मिलने से नाराज बारातियों ने हलवाई पर कथित तौर पर खौलता हुआ तेल उड़ेल दिया। गम्भीर रूप से झुलसे हलवाई को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार को बताया कि मूसाझाग थाना क्षेत्र निवासी पन्नालाल की बेटी की 29 नवंबर को शादी थी। बारात कासगंज जिले के थाना सोरों क्षेत्र के लहरा गांव से आई थी एवं देर रात दूल्हे के चाचा इंद्रपाल पाली समेत कुछ लोग खाना खाने बैठे। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने रोटी गर्म मांगी लेकिन चूंकि देर हो जाने की वजह से तंदूर बुझ चुका था इसलिये वेटर ने गर्म रोटी नहीं होने की बात कही। इस पर इंद्रपाल समेत और उसके तीन दोस्त भड़क गए और गालीगलौज करते हुए हलवाई को बुलाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हलवाई राजेश उस समय दुल्हन की विदा के वक्त बारातियों को नाश्ता आदि बनाने की तैयारी कर रहा था। ऐसे में उसने आने से इंकार कर दिया। इस पर तैश में आये इंद्रपाल और उसके दोस्तों ने मौके पर पहुंचकर राजेश पर कढ़ाही में खौल रहा तेल उड़ेल दिया। घटना के बाद आरोपी वहां से फरार हो गये। सूत्रों ने बताया कि हलवाइयों के ठेकेदार तरुण ने पुलिस को सूचना देने के साथ ही राजेश को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी हालत नाजुक बतायी जाती है। मूसाझाग थाना के थानाध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आरोपी बारातियों की गिरफ्तारी जल्द की जाएगी।

साढ़े नौ साल में नई सोच और ऊर्जा से बदला देश: अश्विनी वैष्णव

संवाददाता

मेरठ। केंद्रीय रेल, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आज देश में एक्सप्रेस-वे, वंदे भारत ट्रेन, रैपिड रेल, 5जी की सुविधा, मोबाइल फोन बनाने की फैक्ट्रियां खुल रही हैं। यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साकार हो रहा है। पिछले साढ़े नौ वर्ष में नई सोच और ऊर्जा से देश बदला है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव गुरुवार को मेरठ के जिमखाना मैदान में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने कहा कि जो चीजें पहले दुनिया के विकसित देशों में दिखाई देती थी, वे अब भारत में भी दिखाई दे रही है। पहले ये सब भारत में सोची नहीं जाती थी, लेकिन यह सब उस सोच के साथ संभव हुआ है, जिसने सोचा कि भारत को विकसित बनाना है। आजादी के बाद के 70 साल की यात्रा में देश ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। कई प्रकार की चुनौतियों को संभाला है। पिछले साढ़े नौ साल में जो ऊर्जा और नई सोच नजर आई है, उसी ने यह मंजिल दिखाई है। वह चाहे तकनीक हो, गरीबों की सेवा हो, किसानों के लिए नई सुविधा हो या फिर युवाओं के लिए नए अवसर हों, सबमें एक नई सोच आई है। इसके पीछे जो अनुभव रहा है, वह सबके साथ साझा करने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा निकल रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबका साथ, सबका विकास की नई सोच के साथ कार्य किया है। इसका पूरे देश में धरातल पर असर दिखाई दे रहा है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री का भाजपा कार्यकताओं ने फूलमालाओं के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर सांसद राजेंद्र अग्रवाल, सांसद कांता कर्दम, महापौर हरिकांत अहलूवालिया, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरव चौधरी, जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन विमल शर्मा, महानगर अध्यक्ष सुरेश जैन रितुराज, जिलाध्यक्ष शिवकुमार राणा, कमलदत्त शर्मा, अरुण वशिष्ठ, विवेक रस्तोगी, संजय त्रिपाठी, चरण सिंह लिसाड़ी, हर्ष गोयल, नवीन अरोड़ा, सुनील अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

शून्य शुल्क प्रवेश प्रणाली बहाल करने के मुद्दे पर सपा सदस्यों ने किया विधानसभा से बहिर्गमन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा में समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों ने बृहस्पतिवार को सरकार पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए उच्च कक्षाओं में शून्य शुल्क प्रवेश प्रणाली के प्रावधान को खत्म कर उनके हितों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाते हुए सदन से बहिर्गमन किया। शून्यकाल में कार्य स्थगन की सूचना के माध्यम से उठे इस मुद्दे पर समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने आरोप लगाया कि सरकार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों को उच्च शिक्षा से वंचित कर रही है जिससे उन्हें और उनकी आने वाली पीढ़ियों को भी नुकसान होगा। समाज कल्याण एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने अपने जवाब में कहा कि एक नई व्यवस्था लाई गई है। इसके तहत छात्रों को उस

संस्थान की पहचान करनी होगी जहां वे प्रवेश लेना चाहते हैं और पोर्टल के माध्यम से अपने और संस्थान के विवरण का उल्लेख करते हुए आवेदन करना होगा। उन्हें एक फ्रीशिप कार्ड मिलेगा जिसके साथ वे प्रवेश लेने के लिए संस्थान में जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था को सबसे पहले सरकारी और सहायता प्राप्त संस्थानों में लागू किया गया है। इससे जो अनुभव मिलेगा उसके आधार पर तय किया जाएगा कि क्या इसे अगले साल से निजी संस्थानों में भी ले जाया जा सकता है या नहीं। मंत्री ने कहा कि मुख्य चिंता यह संतुलन बनाने की है कि उच्च शिक्षा पाने के इच्छुक सभी लोग इसे प्राप्त कर सकें और ध्यान रखा जाए कि इसमें कोई अनियमितता न हो। सपा सदस्य लालजी वर्मा ने कहा कि पहले यह व्यवस्था थी कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों को भी शून्य प्रवेश शुल्क के माध्यम से उच्च शिक्षा मिले। मौजूदा समय में इस पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि जहां पहले अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के 25 प्रतिशत छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त कर पाते थे, वहीं अब यह संख्या घटकर 10 से नौ प्रतिशत रह गई है। ज्यादा शुल्क होने के कारण वे तकनीकी संस्थानों में प्रवेश नहीं ले पाते हैं। इसी वजह से उनका अनुपात कम हो गया है। इसे बड़े पैमाने पर कायम रखने के लिए शून्य शुल्क प्रवेश व्यवस्था बहाल करने की जरूरत है। वर्मा ने सुझाव दिया कि कोई अनियमितता न हो इसके लिये इस योजना को भी आयुष्मान कार्ड की तर्ज पर चलाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इन छात्रों को शिक्षा देना हमारा संवैधानिक दायित्व है क्योंकि उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की संख्या 23 प्रतिशत है। मगर शिक्षण संस्थानों में आबादी के मुताबिक उनकी भागीदारी नहीं है। उन्होंने इस मुद्दे पर सदन में दो घंटे की चर्चा कराने की मांग की। सपा सदस्य रागिनी सोनकर ने कहा कि हालांकि भाजपा सरकार सबका साथ-सबका विकास की बात करती है लेकिन यह जमीन पर नजर नहीं आती। मंत्री के जवाब पर असंतोष व्यक्त करते हुए सपा सदस्यों ने कहा कि शून्य प्रवेश शुल्क प्रणाली के बिना इन वर्गों के छात्रों के हित और अधिकार सुनिश्चित नहीं किये जा सकते। इसके बाद वे सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सदन से बाहर चले गये।

इकॉनमी की रफ्तार

मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई से सितंबर) में जीडीपी ग्रोथ की बढ़ी हुई रफ्तार ने सबको चौंका दिया। किसी ने नहीं सोचा था कि इकॉनमी इस अवधि में 7.6 फीसदी की रफ्तार हासिल करेगी। रिजर्व बैंक का भी अनुमान 6.5 फीसदी की बढ़ोतरी का था। इस आंकड़े से जुड़े कुछ खास पहलू ध्यान देने लायक हैं। पहला, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर 13.9 फीसदी बढ़कर 7.15 लाख करोड़ रुपये तक जा पहुंचा है। दूसरा, कंस्ट्रक्शन क्षेत्र 13 फीसदी इजाफे के साथ 3.04 लाख करोड़ का हो गया है। तीसरा, निवेश में 11 फीसदी की बढ़त हुई है, जिसके बाद यह 14.71 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। हालांकि इन चमकते बिंदुओं के साथ ही ग्रोथ के आंकड़ों से जुड़े कुछ ऐसे भी पहलू हैं, जो राह में आगे खड़ी चुनौतियों की ओर संकेत करते हैं। एक बात तो यही है कि प्राइवेट खपत में बढ़ोतरी की रफ्तार काफी धीमी रही है। इस दौरान इसमें महज 3.1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो आमदनी के वितरण के लिहाज से अच्छी खबर नहीं कही जा सकती। यह बड़ी बात है क्योंकि देश के जीडीपी में खपत की भागीदारी 60 फीसदी है। इसके अलावा एक अहम मसला है कृषि क्षेत्र का कमजोर प्रदर्शन। पहली तिमाही में 3.5 फीसदी की रफ्तार दिखाने वाला कृषि क्षेत्र दूसरी तिमाही में 1.2 फीसदी की बढ़ोतरी ही दर्ज करा सका। सबसे बड़ी बात यह है कि साल के अगले हिस्से में भी इस क्षेत्र में बढ़ोतरी की अच्छी संभावना नहीं दिख रही, जिसका असर ग्रामीण क्षेत्र की मांग पर पड़ सकता है। मगर इन चुनौतियों के बावजूद देश की इकॉनमी पूरी दुनिया की उम्मीद का आधार बनी हुई है। उसके पीछे एक बडा फैक्टर है टैक्स कलेक्शन के मजबूत आंकड़े। ध्यान देने की बात यह भी है कि पिछले तीन वर्षों में भारत सरकार ने वित्त घाटे में राजस्व घाटे का हिस्सा कम कर लिया है। सीधे शब्दों में इसका मतलब यह है कि कर्ज का बड़ा हिस्सा निवेश में लग रहा है। इसके अलावा घरेलू बचत के स्वरूप में भी बदलाव देखा जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में म्युचुअल फंड में निवेश तेजी से बढ़ा है। खासकर 2021-22 में इसमें ढाई गुना बढ़ोतरी देखी गई और उसके अगले साल यानी 2022-23 में 12 फीसदी की वृद्धि हुई। साफ है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अगर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई इकॉनमी है और इसे वैश्विक तौर पर ब्राइट स्पॉट माना जा रहा है तो यह स्थिति तुरंत बदलने वाली नहीं है। रिजर्व बैंक सालाना [illegible] के अनुमान में बदलाव लाता है या नहीं, यह देखना होगा। लेकिन कई स्वतंत्र विश्लेषक ऐसे संशोधित अनुमान पेश कर चुके हैं। मसलन, बार्कलेज ने इसे 6.3 से बदलकर 6.7 कर दिया है। मगर 6.3 फीसदी की अनुमानित विकास दर के साथ भी भारत [illegible] के अक्टूबर में जारी वर्ल्ड इकॉनमिक आउटलुक प्रोजेक्शन में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में शामिल था। जाहिर है, कोई अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव नहीं हुआ तो भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की उम्मीद बनी रहेगी।

भारत ने चुना सही रास्ता

अमेरिका की एक अदालत में वहां अधिकारियों ने यह आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया है कि एक भारतीय व्यक्ति ने किसी अज्ञात भारतीय अधिकारी के कहने पर उसके नागरिक की हत्या की साजिश रची। वाइट हाउस का कहना है कि इस मामले को शीर्ष स्तर पर भारत के सामने उठाया गया है। हालांकि भारत ने अमेरिका के ऐसे किसी सार्वजनिक आग्रह के काफी पहले ही इसकी जांच के लिए हाई लेवल कमिटी गठित कर दी थी। इस नागरिक को प्रेरित करने के पीछे अमेरिका किसी अज्ञात भारतीय अधिकारी का रोल बता रहा है। लेकिन वह अधिकारी कौन है, इस बारे में मुकदमे में किसी का नाम नहीं है। यूं तो अमेरिकी नागरिक का भी नाम नहीं दिया गया है, लेकिन यह संकेत मिला है कि इशारा खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर है। पन्नू भारत में घोषित आतंकवादी है और वह लगातार भारत विरोधी बयान देता आया है। इस मामले में भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका ने जो आरोप लगाया है, वह भारत की नीति नहीं है। मगर जिस तरह से यह मामला सामने आया है, वह अपने आप में कई सवाल खड़े करता है। अपने आरोपों में अमेरिका ने भी माना है कि यह साजिश उन लोगों के खिलाफ रची गई थी, जो खालिस्तान समर्थक हैं। ऐसे में अमेरिका को यह समझना चाहिए कि भारत विरोधी इन तत्वों को संरक्षण देना ठीक नहीं है। वह भारत को स्वाभाविक सहयोगी मानता है। हाल के वर्षों में चीन के उभार को रोकने के लिए दोनों देश और करीब आए हैं। अमेरिका दुनिया का सबसे ताकतवर लोकतंत्र है तो भारत सबसे बड़ा। अगर कोई शख्स खालिस्तान का समर्थन कर रहा है तो वह भारतीय लोकतंत्र के खिलाफ है। दूसरी बात यह है कि दूसरे देशों के नागरिकों की हत्या हो या तख्तापलट, इस मामले में अमेरिका का अपना रेकॉर्ड अच्छा नहीं है। उसने खालिस्तानी निज्जर के मामले में जिस तरह से कनाडा की तरफदारी की थी, वह भी मुनासिब नहीं थी। खासतौर पर यह देखते हुए कि भारत विरोधी तत्वों को वहां संरक्षण मिल रहा था। खैर, अमेरिका और भारत ताजा मामले में जिस तरह से सहयोग कर रहे हैं, वह परिपक्वता का सबूत है। वहीं, भारत ने इस मामले की जांच शुरू कर अच्छा कदम उठाया है। बेहतर होगा कि यह जांच जल्द पूरी की जाए ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए। सवाल यह भी उठता है कि कहीं यह सब भारत और अमेरिका के संबंधों में दरार डालने की साजिश तो नहीं है। उम्मीद है कि जांच से इस मामले के सारे पहलू सामने आएंगे और किसी भी गलतफहमी की गुंजाइश नहीं बचेगी।

'महिला अग्निवीरों' से और सशक्त हुई भारतीय नौसेना

ANALYSIS

डॉ. रमेश ठाकुर

आज 'नौसेना दिवस' है। इस बार ये दिन इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें अब महिलाओं की भी सहभागिता सुनिश्चित हो गई है। नौसेना में पहली मर्तबा 'नौसैनिक पोत' पर महिला कमांडिंग अधिकारी को नियुक्त किया गया। सरकार का ये कदम निश्चित रूप से अकल्पनीय और सराहनीय है। महिला सशक्तिकरण में भारत ने एक और कदम आगे बढ़ा दिया है। बहरहाल, आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण और जलीय निगरानी तंत्र में स्वदेशी जहाज, पनडुब्बी, आईएनएस विक्रांत, जलीय विमान, यूएवी यानी मानव रहित हवाई वाहन, हमारी नौसेना की ताकत हैं। उनकी सुरक्षा अभेद है। पलक झपकते ही दुश्मन को पानी में डुबोने की हिम्मत रखती है। नौसेना के इतिहास और आज के खास दिवस की बात करें, तो उसका एक सुनहरा युग हमने व्यतीत किया है। सन 1971 के इंडो-पाकिस्तान युद्ध के दौरान 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' के शुरू होने कीं याद में हमारी सेना प्रत्येक वर्ष 4 दिसंबर को 'नौसेना दिवस' का पर्व मनाती है। इंडियन नेवी की पूर्ण स्थापना की जहां तक बात है तो श्रीगणेश 1612 में हुआ। जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने 'रायल इंडियन नेवी' नाम से अपनी सेना बनाई थी। उस वक्त ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने कमर्शियल शिपों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर इस सैन्य का गठन किया था।

नौसेना बल की उपलब्धियां और राष्ट्र में उनके योगदान का वर्णन जितना किया जाए, उतना कम होगा। आज भारत में ही नहीं, पूरे वर्ल्ड में हमारी नौसेना की वाहवाही होती है, क्योंकि वह दिनों दिन अपने नए-नए प्रयोगों से नित नई ऊंचाइयां छू रही है। इस कड़ी में अब एक और नया अध्याय जुड़ गया है। नौसेना में आधी आबादी ने दस्तक दे दी है। इसी सीजन में एक हजार 'अग्निवीर महिला सैनिक' नौसेना में शामिल हुई हैं जिससे इस टुकड़ी की न सिर्फ ताकत बढ़ी, बल्कि उनके अनुशासन कार्यान्वयन में भी क्रांतिकारी परिवर्तन आना शुरू हुआ। आज 'नौसेना दिवस' है। इस बार ये दिन इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें अब महिलाओं की भी सहभागिता सुनिश्चित हो गई है। नौसेना में पहली मर्तबा 'नौसेनिक पोत' पर महिला कमांडिंग अधिकारी को नियुक्त किया गया। सरकार का ये कदम निश्चित रूप से अकल्पनीय और सराहनीय है। महिला सशक्तिकरण में भारत ने एक और कदम आगे बढ़ा दिया है। बहरहाल, आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण और जलीय निगरानी तंत्र में स्वदेशी जहाज, पनडुब्बी, आईएनएस विक्रांत, जलीय विमान, यूएवी यानी मानव रहित हवाई वाहन, हमारी नौसेना की ताकत हैं। उनकी सुरक्षा अभेद है। पलक झपकते ही दुश्मन को पानी में डुबोने की हिम्मत रखती है। नौसेना के इतिहास और आज के खास दिवस की बात करें, तो उसका एक सुनहरा युग हमने व्यतीत किया है। सन 1971 के इंडो-पाकिस्तान युद्ध के दौरान 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' के शुरू होने कीं याद में हमारी सेना प्रत्येक वर्ष 4 दिसंबर को

'नौसेना दिवस' का पर्व मनाती है। इंडियन नेवी की पूर्ण स्थापना की जहां तक बात है तो श्रीगणेश 1612 में हुआ। जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने 'रायल इंडियन नेवी' नाम से अपनी सेना बनाई थी। उस वक्त ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने कमर्शियल शिपों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर इस सैन्य का गठन किया था। पर, आजादी मिलने के बाद स्वतंत्र व्यवस्था ने 1950 में भारतीय नौसेना के रूप में पुनर्गठित कर दिया। नेवी डे समुद्री सीमाओं को सुरक्षित सहजने और जलीय ऑपरेशन व मिशनों को मुकम्मल करने के तौर पर भी याद किया जाता है। बंदरगाह की यात्राओं, विभिन्न देशों की नौसेनाओं के साथ संयुक्त अभ्यास, परोपकारी मिशनों, समुद्री किनारों को सुरक्षा देना और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को बनाए रखने की जिम्मेदारी भी इन्हीं कंधों पर होती है। नौसेना की अकल्पनीय भूमिका पर तो चचाएं होती ही है, उनकी देश भक्त निष्ठा जनमानस को सेना के प्रति आदर-सम्मान करना भी सिखाती है। देश का कोई ऐसा शख्स नहीं जिसे अपनी सेना पर गर्व न होता हो। नौसेना भारतीय सशस्त्र बलों की समुद्री प्रभाग है, जिसमें राष्ट्रपति कमांडर-इन-चीफ के रूप में कार्य करता है। बहरहाल, नौसेना के समझ इस वक्त कुछ चुनौतियां खड़ी हुई है। वो चुनौती चीन दे रहा है। दरअसल, चीन हमारे समुद्री क्षेत्र में घुसपैठ करने की फिराक में कई समय से घात लगाए बैठा हुआ है। ये सच है कि सेना से वास्ता रखने वाली ज्यादातर सूचनाएं सार्वजनिक नहीं की जाती, इसलिए कि इंटरनल सुरक्षा का ख्याल रखा जाता है। फिर भी अगर कोई सूचना सेना द्वारा देशवासियों को दी जाए, तो समझ लेना चाहिए, मामला गंभीर है। नौसेना को सूचना मिली है कि हिंद प्रशांत में चीन कभी भी कोई बड़ी गड़बड़ी कर सकता है। ये बात पिछले ही सप्ताह खुद नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने बताई। मसला वास्तव में गंभीर है, हल्के में नहीं लिया जा सकता। चीन हिंद महासागर में अपनी सैन्य शक्तियों के माध्यम से भारतीय जलीय परिक्षेत्र में आक्रमण करने के मूड में है। हालांकि, कुछ एशिया देशों ने तो घुटने टेक भी दिए हैं। पाकिस्तान के जल क्षेत्र में वो खुलकर मनमानी कर रहा है। लेकिन उसकी भारतीय क्षेत्र में हिम्मत नहीं हो रही। उनको पता है भारतीय नौसेना उनका बुरा हाल कर देगी। भारतीय नौसेना दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी नौसेना मानी जाती है। इसलिए चाइना इंडियन नौसेना की ताकत को अच्छे से जानता-समझता है। जलीय महासागरों का इस्तेमाल किसी भी राष्ट्र की वैध आर्थिक आकांक्षाओं के लिए होता है। इस लिहाज से देखें तो चीन के पास आर्थिक गतिविधियों के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में मौजूद रहने का एक वैध कारण है। पर, हिंद महासागर क्षेत्र में क्षेत्रीय नौसैनिक शक्ति के रूप में, वहां क्या हो रहा है, इस पर भारतीय नौसेना अगर नजर रखती है तो चीन चिड़ता है। वो चाहता, उसकी कोई पहरेदारी न करे, समुद्री संपदा पर दंबगई से राज करता रहे। पाकिस्तान, ताइबान, नेपाल आदि मुल्क शांत रहते हैं, वैसी ही उम्मीद चीन भारत से करता है। लेकिन, भारतीय नौसैनिक हमेशा चौकन्नी रहती है। चीन भी जानता है कि उनकी छोटी सी भूल पर ही भारतीय सैनिक उनको नेस्तनाबूद कर देंगे। इसलिए चीन फूंक-फूंक कर कदम रखता है। भारतीय नौसेनिकों को 'जल प्रहरी' भी कहा जाता है, क्योंकि वो जल मार्ग की सुरक्षा में हमेशा मुस्तैद रहते हैं। वैसे, आज नौसेना दिवस पर चीन की निगाहें हमारी नौसेनिक प्रदर्शन पर गड़ी रहेगी। भारतीय नौसेना अपनी पश्चिमी कमान से लबरेज विभिन्न किस्म के जहाजों और नाविकों को इकट्ठा करके सामूहिक जश्न मनाएगी। उत्सव के दौरान, नौसेना दिवस की गतिविधियों का समन्वय पूर्वी नौसेना कमान, विशाखापत्तनम द्वारा होगा। युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह के अलावा, नौसेना के उप-जहाज, विमान और अन्य बल एक व्यावहारिक प्रदर्शन में अपने कौशल और ऊर्जा का प्रदर्शन करेंगे। आज के दिन नौसेना अपने युद्धपोतों व विमानों को एनार्कुलम में प्रदर्शनी महोत्सव आयोजित करके आम जनों को भी दिखाने का सुअवसर देती है जिसमें नेवी बॉल्स, नेवी क्वींस और अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित होती हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

लगातार बढ़ रही है भारतीय नौसेना की ताकत

प्रतिवर्ष 04 दिसंबर को भारतीय नौसेना के जांबाजों को याद करते हुए भारतीय नौसेना दिवस मनाया जाता है। यह दिवस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय नौसेना की शानदार जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है। दरअसल 03 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान की सेना ने हमारे हवाई और सीमावर्ती क्षेत्र में हमला कर दिया था। दुष्ट पाकिस्तान को उस हमले का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पाकिस्तान की नौसेना के कराची स्थित मुख्यालय को निशाने पर लेकर “ऑपरेशन ट्राइडेंट” चलाया गया था और भारतीय नौसेना की मिसाइल नाव तथा दो युद्धपोतों के आक्रमणकारी समूह ने कराची के तट पर जहाजों के समूह पर हमला कर दिया था। हमले में पाकिस्तान के कई जहाज और ऑयल टैंकर तबाह कर दिए गए थे। भारतीय नौसेना का वह हमला इतना आक्रामक था कि कराची बंदरगाह पूरी तरह बर्बाद हो गया था और कराची तेल डिपो पूरे सात दिनों तक धू-धूकर जलता रहा था। तेल टैंकरों में लगी आग की लपटों को 60 किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। उस हमले में कराची हार्बर फ्यूल स्टोरेज तबाह होने के कारण पाकिस्तानी नौसेना की कमर टूट गई थी। भारतीय नौसेना द्वारा किए गए हमले में तीन विद्युत क्लास मिसाइल बोट, दो एंटी-सबमरीन और एक टैंकर शामिल थे और युद्ध में भारतीय नौसेना ने पहली बार जहाज पर मार करने वाली एंटी शिप मिसाइल से हमला किया था। ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध में जीत हासिल करने वाली भारतीय नौसेना की शक्ति और बहादुरी को सलाम करने के लिए 4 दिसंबर को भारतीय नौसेना दिवस मनाने की शुरूआत हुई। नौसेना दिवस हर साल एक खास थीम के साथ मनाया जाता है और 2023 के नौसेना दिवस का विषय है “समुद्री क्षेत्र में परिचालन दक्षता, तत्परता और मिशन उपलब्धि”, जो समुद्री क्षेत्र में परिचालन दक्षता, तैयारियों और मिशन की उपलब्धि को बनाए रखने, देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने और समुद्री खतरों के खिलाफ सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय नौसेना के समर्पण पर प्रकाश डालता है। नौसेना दिवस समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना विशाखापट्टनम स्थित भारतीय नौसेना कमान द्वारा तैयार की जाती है। समारोह की शुरूआत युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित करके की जाती है, उसके बाद नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है। नौसेना के मुंबई स्थित मुख्यालय में इस अवसर पर नौसैनिक अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं और गेटवे ऑफ इंडिया बीटिंग रीट्रिट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। भारतीय नौसेना मुख्य रूप से तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड का कोच्चि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी को संभालती है जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है। केरल स्थित एझिमाला नौसेना अकादमी एशिया की सबसे बड़ी नौसेना अकादमी है। राष्ट्रपति भारतीय नौसेना के सुप्रीम कमांडर हैं। वॉइस एडमिरल राम दास कटारी 22 अप्रैल 1958 को भारतीय वायुसेना के पहले भारतीय चीफ बने थे। भारतीय नौसेना का नीति वाक्य है “शं नो वरूणः” अर्थात जल के देवता वरुण हमारे लिए मंगलकारी रहें। भारतीय नौसेना का कार्य भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना है और इसके गठन का इतिहास ब्रिटिश काल से जुड़ा है। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारतीय नौसेना की स्थापना वर्ष 1612 में ब्रिटिश व्यापारियों के जहाजों की सुरक्षा के लिए “ईस्ट इंडिया कम्पनी मरीन” के रूप में की थी। वर्ष 1686 तक ब्रिटिश व्यापार पूरी तरह से बॉम्बे में स्थानांतरित हो जाने के बाद इस दस्ते का नाम “ईस्ट इंडिया मरीन” से बदलकर “बॉम्बे मरीन” कर दिया गया, जिसने मराठा, सिंधी युद्ध के साथ-साथ वर्ष 1824 में बर्मा युद्ध में भी हिस्सा लिया था। वर्ष 1892 में इसका नाम “रॉयल इंडियन नेवी” रखा गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1950 में नौसेना का गठन फिर से किया गया और 26 जनवरी 1950 को भारत के लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के बाद इसका नाम रॉयल इंडियन नेवी से बदलकर इंडियन नेवी (भारतीय नौसेना) कर दिया गया। भारतीय नौसेना वर्तमान में विशालकाय और एडवांस फीचर से लैस अपने युद्धक पोतों, सबमरीन्स इत्यादि के बलबूते दुनियाभर में चौथे स्थान पर है। मौजूदा समय में भारतीय नौसेना की ताकत पर नजर डालें तो भारतीय नौसेना के बेड़े में दो विशाल विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य तथा आईएनएस विक्रांत के अलावा अनेक अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट, वॉरफेयर शिप, सबबमरीन तथा अन्य सैन्य साजो-सामान हैं, जो इसे दुनिया में चौथी सबसे मजबूत नौसेना बनाते हैं। बहरहाल, यह गर्व की बात है कि हिंद महासागर में ड्रैगन के कब्जे की रणनीति को नाकाम करने के लिए भारत अपनी समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए लगातार विध्वंसक युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण में लगा है। इसी कड़ी में आईएनस कलवरी, खंडेरी और आईएनएस करंज के बाद स्वदेशी पनडुब्बी आईएनएस वेला को नौसेना में शामिल किया जा चुका है, जो अत्याधुनिक मशीनरी और टेक्नोलॉजी के साथ-साथ घातक हथियारों से भी लैस है। इस सबमरीन को “साइलेंट किलर” कहा जाता है, जो दुश्मन को उसकी मौत की भनक तक नहीं लगने देती। कुल मिलाकर, भारतीय नौसेना की ताकत दिनों-दिन बढ़ रही है और वर्तमान में इसकी ताकत के आगे पाकिस्तान की नौसैना कहीं नहीं ठहरती तथा चीन की चुनौतियों का भी हमारी नौसेना डटकर मुकाबला कर रही है।

Social Media Corner

सच के हक में...

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणाम बता रहे हैं कि भारत की जनता का भरोसा सिर्फ और सिर्फ सुशासन और विकास की राजनीति में है, उनका भरोसा बीजेपी में है। भाजपा पर अपना स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद बरसाने के लिए मैं इन सभी राज्यों के परिवारजनों का, विशेषकर माताओं-बहनों-बेटियों का, हमारे युवा वोटर्स का हृदय से धन्यवाद करता हूं। मैं उन्हें भरोसा देता हूं कि आपके कल्याण के लिए हम निरंतर अथक परिश्रम करते रहेंगे।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

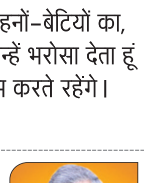

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में प्रचंड बहुमत से सिद्ध होता है कि देश में एक ही गारंटी चलती है... 'मोदी की गारंटी'

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

कोयला झारखण्ड से निकाला जाता है। कोयला का 1 लाख 36 हजार करोड़ केंद्र सरकार के पास बकाया है। जब बकाया राशि मांगा गया तो वे टालमटोल करते हैं। जिन्होंने 20 वर्ष तक इस राज्य में शासन किया, उन्होंने कभी इस राशि को, राज्य के अधिकार को हमारे साथ नहीं मांगा। यह पैसा झारखण्डवासियों का है।

(मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

जरूर पढ़ें आलोचक वालमार्ट की रिपोर्ट

किसी भी देश का मैन्युफैक्चरिंग हब बनने का बड़ा रोचक इतिहास रहा है। एशिया में सबसे पहले जापान के अन्दर दुनिया भर के इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण आकर असेम्बल हुआ करते थे। लोगों को काम मिला, जीवनस्तर सुधरा तो उनकी कंपनियों से अपेक्षा बढ़ने लगी। अब उन्हें कार चाहिए थी, घर चाहिए था और भी सुविधाएं चाहिए थीं। लिहाजा श्रम-लागत महंगी हो चली। इसका तोड़ सोनी जैसी कंपनियों ने साउथ कोरिया में खोजा और इस देश ने अब मैन्युफैक्चरिंग हब का स्थान ले लिया। और वह दुनिया का निर्यातक बन गया। और जब यहां भी मध्यमवर्गीय लोग समृद्ध हुए तो जापान की तरह स्थित बदली और उसके स्थान पर चीन आ खड़ा हुआ। एक समय ऐसा आया, जब दुनिया भर की कंपनियां चीन में मौजूद नजर आईं। उनके संपर्क में आने से चीन की अपनी कंपनियां विकसित होने लगीं। लेकिन यहां भी सख्ती से लागू वन चाइल्ड नॉर्म के चलते धीरे-धीरे श्रम शक्ति महंगी होने लगी, और जब बुजुर्ग हो चले कुशल श्रमिकों ने पेंशन आदि सामाजिक-सुरक्षा की मांग करना शुरू की तो कंपनियां धीरे-धीरे इस निष्कर्ष पर पहुंची की कि अब यहां से भी धंधा समेट लेने का वक्त आ गया है। और अब नए ठिकाने के रूप में भारत सहित वियतनाम आदि देश उनकी नजरों में आ बसे। फिर मोदी सरकार ने पहले से ही उनके लिए तमाम सुविधाओं से युक्त ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के अंतर्गत असेम्बल“इंडिया, मेक इन-इंडिया और 14 पीएलआई स्कीम शुरू कर रखी हैं। इसी का ही परिणाम है कि डेल, एचपी, आईफोन, माइक्रोन और हाल ही में वेदांता से बात न बनने के बाद ताइवान के फोक्सकॉन ने अकेले अपने ही स्तर पर भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण को लेकर 1.6 बिलियन डॉलर निवेश करने का फैसला किया है। चीन की कीमत पर होने वाले अर्थ-जगत में यह परिवर्तन स्वयं चीन और देश के अंदर और बाहर सक्रिय उसके हित-पोषक तत्वों को कैसे चैन से रहने दे सकता है। इसलिए अब भारत उनके निशाने पर है और अडानी भी। विश्व-व्यापार को सुगम बनाने वाले आयामों (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) में शिपिंग की अहम भूमिका होती है। श्रीलंका में चीन के ऋण पर निर्मित हमबनतोता बंदरगाह अब 90 वर्ष के लिए लीज पर चीन के ही पास आ चुका है, क्योंकि श्रीलंका ऋण चुका पाने की स्थिति में नहीं था। इस पूरे घटनाक्रम का असर तमाम देशों पर हुआ पर भारत पर ज्यादा। इसलिए अडानी ने श्रीलंका में एक पोर्ट का निर्माण करना शुरू किया। इसमें अमेरिका भी निवेश करेगा। इस पूरे परिदृश्य ने अडानी को इस उप महाद्वीप का सबसे बड़ा निवेशक बना दिया है। अडानी भारत के लिए इजराइल के हायफा तट पर पोर्ट तैयार कर रहे हैं शिपिंग में अभी चीन का इस क्षेत्र में दबदबा है। इजराइल में भी उसका अपना पोर्ट है। देश में अब अडानी की कंपनी ने तिरुवंतपुरम के निकट विनझिनझाम इलाके में अति आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक बंदरगाह हाल ही में निर्मित किया है। अब हमारे इस समुद्र तट पर ज्यादा वजन के सामान से लदे जहाज आ सकेंगे, क्योंकि देश के बाकी तटों की तुलना में तिरुवंतपुरम के इस तट की गहराई 20 मीटर से अधिक है। इंटरनेशनल शिपिंग लाइन से मात्र 10 मील स्थित देश के इस पहले ट्रांसशिपमेंट पोर्ट से सीधे सुदूर पूर्व और पश्चिम में स्थित सिंगापुर, श्रीलंका और दुबई में भारी सामान (मेगा गुड्स) भेजना आसान हो गया है। जबकि पहले काफी लंबा चक्कर लगा कर इन स्थानों पर पहुंचा जाता था। आज अडानी, अंबानी, टाटा जैसे बड़े बिजनेस हाउस के आलोचक उन्हें खलनायकों की तरह प्रस्तुत करने में बड़े तत्पर दिखते हैं, लेकिन 1990-1991 वर्ष का आर्थिक संकट और उससे जन्मे उदारीकारण, निजीकरण, वैश्वीकरण आधारित आर्थिक सुधार (एलपीजी रिफार्म) को लोग भूले नहीं हैं। ईरान-इराक युद्ध और घरेलू कारणों से देश के समक्ष भुगतान संतुलन का गंभीर संकट खड़ा हो गया था। पेट्रोल महंगा हुआ और खाड़ी-देशों से भारत में सर्वाधिक आने वाला फॉरेन रेमिटेंस (विदेश प्रेषित धन) भी बुरी तरह प्रभावित हुआ सो अलग। परिणाम स्वरूप इतनी पूंजी रह गई कि केवल 2-3 हफ्ते का ही आयात किया जा सकता था।

धरती की फिक्र

पृथ्वी की पर्यावरण चिंताओं पर विचार और समस्याओं के समाधान के लिए दुबई में आयोजित हो रहा कॉप-28 इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्लोबल वॉर्मिंग का असर हमारे जीवन पर साफ-साफ दिखने लगा है। 2021 में हुए पेरिस समझौते में दुनिया का तापमान जिस 1.5 डिग्री सेल्सियस पर ही रोकने की बात की गई थी, इस साल 38 से भी अधिक दिन ऐसे रहे हैं जिनमें तापमान औसत से डेढ़ डिग्री ज्यादा रहा था। महासागर तेजी से गर्म हो रहे हैं। अल नीनो की वजह से इस साल उनका भी तापमान सामान्य से 1 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रेकॉर्ड किया गया। धरती का रेफ्रिजरेटर माने जाने वाले अंटार्कटिका से इस साल साढ़े सत्रह लाख वर्ग किलोमीटर बर्फ गल गई है। पिछले हफ्ते अंटार्कटिका में 4 हजार स्क्वेयर किलोमीटर से भी बड़ा हिमखंड टूट गया। कहीं बाढ़, कहीं सूखा तो कहीं बेमौसम बरसात के चलते 2023 को दुनिया भर के मौसम वैज्ञानिक एक ऐसा वर्ष मान रहे हैं, जहां से पृथ्वी का पर्यावरण एक अज्ञात क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है। जाहिर है कि कॉप-28 में सिर्फ जुबानी जमाखर्च से काम नहीं चलने वाला, जैसा कि अभी इसमें शामिल 198 देश और उनके नुमाइंदे करते आए हैं।कॉप की बैठकें भले ही अच्छे भविष्य की रूपरेखा बनाने के लिए आयोजित होती रही हों, लेकिन एक पेरिस समझौते को छोड़ दें तो अभी तक इसमें काबिल-ए-जिक्र बहुत काम नहीं हो पाया है। न तो विकसित देश अपना कार्बन उत्सर्जन तेजी से कम कर रहे हैं और ना ही ग्रीन एनर्जी में प्रगति जिक्र करने लायक है। इसीलिए कॉप-28 में पिछली सारी बैठकों में हुए वादों, इरादों और उन पर हुए काम का लेखा-जोखा होने जा रहा है। पिछले साल इजिप्ट में हुए कॉप-27 में मौसम से होने वाले नुकसान से निपटने के लिए फंड बनाने पर सहमति बनी थी, जो अभी तक लगभग खाली ही है। कॉप-28 में भी अगर इस पर कुछ नहीं होता तो साफ हो जाएगा कि विकसित देश क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों से निपटने को लेकर कितने गंभीर हैं। दुनिया को क्लाइमेट चेंज की चुनौती को गंभीरता से लेना होगा और इसके दुष्प्रभाव को कम करने के लिए कदम उठाने होंगे। अभी तक अपने स्वार्थ की वजह से दुनिया के कई देश इस दिशा में तेजी से कदम नहीं उठाते, खासतौर पर अमीर देश।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

बीते सप्ताह तेल तिलहनों में गिरावट रही

- केवल मूंगफली तेल-तिलहन के दाम मजबूती पर बंद हुए

नई दिल्ली ।

बैंकों का ऋण साखपत्र बरकरार रखने के लिए आयातित तेलों का कारोबार मुनाफे के बगैर भी जारी रखने से बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में मूंगफली को छोड़कर बाकी खाद्य तेल तिलहनों में गिरावट रही। पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 20 रुपये घटकर 5,640-5,680 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 25 रुपये घटकर 10,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये का नुकसान दिखाते हुए क्रमशः 1,775-1,870 रुपये और 1,775-1,885 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 120-120 रुपये की हानि के साथ क्रमशः 5,140-5,190 रुपये प्रति क्विंटल और 4,940-4,990 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल का भाव क्रमशः 50 रुपये, 50 रुपये और 75 रुपये के नुकसान के साथ क्रमशः 10,350 रुपये और 10,150 रुपये और 8,775 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में केवल मूंगफली तेल-तिलहन के दाम मजबूती पर बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन, मूंगफली गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल के भाव क्रमशः 150 रुपये, 300 रुपये और 45 रुपये के लाभ के साथ क्रमशः 6,750-6,825 रुपये क्विंटल, 15,700 रुपये क्विंटल और 2,335-2,610 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए। गिरावट के आम रुझानों के अनुरूप

समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चा पाम तेल (सीपीओ) 50 रुपये के नुकसान के साथ 8,200 रुपये, पामोलीन दिल्ली का भाव 75 रुपये के नुकसान के साथ 9,075 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 30 रुपये के नुकसान के साथ 8,370 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल का भाव भी 25 रुपये गिरकर 8,925 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सरकार ने ई-कॉमर्स मंच पर डार्क पैटर्न पर प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली ।

सरकार ने उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने के लिए ई-कॉमर्स मंचों पर डार्क पैटर्न के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। कंपनियां या कारोबारी डार्क पैटर्न के जरिए ग्राहकों को धोखा देने या उनके व्यवहार अथवा पसंद को प्रभावित करने की कोशिश करते है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने 30 नवंबर को इस संबंध में डार्क पैटर्न रोकथाम एवं विनियमन दिशानिर्देश के लिए गजट अधिसूचना जारी की। यह अधिसूचना भारत में वस्तुओं और सेवाओं की पेशकश करने वाले सभी मंचों और विज्ञापनदाताओं तथा विक्रेताओं पर भी लागू है। नए दिशानिर्देशों के मुताबिक डार्क पैटर्न का सहारा लेना उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन होगा। इसे भ्रामक विज्ञापन या अनुचित व्यापार व्यवहार माना जाएगा। ऐसा करने पर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार जुर्माना लगाया जाएगा। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि ई-कॉमर्स बढ़ने के साथ ही उपभोक्ताओं को उनकी खरीदारी के विकल्पों और व्यवहार में हेरफेर करके गुमराह करने के लिए मंचों द्वारा डार्क पैटर्न का तेजी से इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अधिसूचित दिशानिर्देश सभी हितधारकों, खरीदारों, विक्रेताओं, बाजारों और नियामकों के लिए स्पष्टता लाएंगे कि अनुचित व्यापार गतिविधियों के रूप में क्या स्वीकार्य नहीं है। इनका उल्लंघन करने वाला उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उत्तरदायी होगा।

देशभर के गांवों में सर्वश्रेष्ठ पर्यटन और होमस्टे के लिए मुकाबला

नई दिल्ली।

पर्यटन मंत्रालय देशभर के गांवों के बीच सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम व सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण होमस्टे प्रतियोगिता शुरू की गई है। गांवों के बीच यह प्रतियोगिता ग्रामीण पर्यटन के प्रचार और विकास को बल प्रदान करने के लिए है। भारत में ग्रामीण पर्यटन को प्रोत्साहन देने के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति द्वारा ग्रामीण होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने व्यापक राष्ट्रीय रणनीति और रोडमैप शुरू किया है। पर्यटन मंत्रालय के मुताबिक उन्होंने भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान के सहयोग से राष्ट्रीय कार्यनीतियों के कार्यान्वयन की शुरुआत की है। पर्यटन मंत्रालय का कहना है कि ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे को प्रोत्साहन देने के लिए विशिष्ट पहलों में से एक राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम और राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण होमस्टे प्रतियोगिता का आयोजन करना है। सहयोग को बढ़ावा देने और ग्रामीण पर्यटन की संवृद्धि के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने हेतु, मंत्रालय ने इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से सरकारों, उद्योग हितधारकों, गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) और स्थानीय समुदायों को सक्रिय रूप से कार्यबद्ध किया है। पर्यटन मंत्रालय के मुताबिक यह बहु-हितधारक पद्धति ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को बल प्रदान करने के प्रयासों में तालमेल बनाती है। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य ग्रामीण पर्यटन में उत्कृष्ट योगदान की पहचान करने और उन्हें पुरस्कृत करने के लिए ग्रामों और ग्रामीण होमस्टे के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को विकसित करना है, जिससे समुदायों और व्यक्तियों को सतत विकास लक्ष्यों में सक्रिय योगदान के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

पर्यटन मंत्रालय का कहना है कि इन प्रतियोगिताओं से न केवल अन्वेक्षित क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, तथापि सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने, सांस्कृतिक प्रामाणिकता को संरक्षित करने और पर्यटन क्षेत्र में दीर्घकालिक और उत्तरदायी अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए एक तरंगित प्रभाव भी पैदा होगा।

पर्यटन मंत्रालय ने प्रभावी कार्यान्वयन के लिए केंद्रीय नोडल एजेंसी, ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे (सीएनए आरटी और आरएच) की स्थापना भी की है। यह ग्रामीण स्तर पर प्रतियोगिताओं के प्रचार-प्रसार हेतु मास्टर ट्रेनर तैयार करने के लिए राज्यों के लिए क्षमता निर्माण सत्र आयोजित कर रहा है।

आटा और दाल की बढ़ सकती है कीमतें

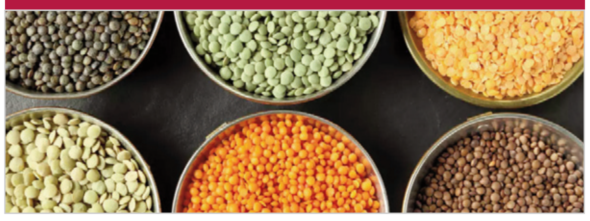

नई दिल्ली ।

जहां एक ओर वैश्विक बाजार में चावल की कीमतें 15 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं। वहीं दूसरी ओर लोकल लेवल पर आम लोगों पर आटा और दाल पर महंगाई की मार पड़ सकती है। इसका प्रमुख कारण गेहूं और दालों का उत्पादन कम होना है। सूत्रों के मुताबिक अब तक गेहूं की बुवाई में 5 फीसदी से ज्यादा कमी देखने को मिली है। वहीं दूसरी ओर दालों की बुवाई में 8 फीसदी तक की कमी देखने को मिली है। वैसे सरकार को उम्मीद है कि बारिश होने के बाद इस कमी को पूरा किया जा सकता है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो देश में आटा और दाल की कीमतों में इजाफा होगा, जिससे देश में महंगाई के घाव और ज्यादा गहरे होते चले जाएंगे। सूत्रों के अनुसार देश में गेहूं और दाल की बुवाई में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। वास्तव में बारिश में कमी की वजह से बुवाई पर असर पड़ा है। जानकारी के अनुसार देश में गेहूं की बुवाई में 5 फीसदी की कमी आई है।

इस साल अब तक गेहूं की बुवाई 141 लाख हेक्टेयर में हुई है जबकि पिछले साल समान अवधि में गेहूं की बुवाई 149 लाख हेक्टेयर हो चुकी थी। आंकड़ों के अनुसार इस साल दालों की बुवाई में 8 फीसदी की कमी देखने को मिल रही है। अब देश में 940 लाख हेक्टेयर में दालों की बुवाई हो चुकी है जबकि पिछले साल समान अवधि में ये बुवाई 103 लाख हेक्टेयर में हुई थी। इसका मतलब है कि इस साल दालों के उत्पादन में काफी गिरावट देखने को मिल सकती है जिससे पहले देश में महंगाई बढ़ने की संभावना है। अभी तक दोनों फसलों के लिए पर्याप्त बारिश नहीं हुई है। सरकार को उम्मीद है कि बारिश होते ही कमी की पूर्ति हो जाएगी लेकिन जानकारों की मानें तो इसकी उम्मीदें कम ही है। अगर बुवाई नहीं बढ़ी तो देश में आटा और दाल का भाव बढ़ सकता है। जिससे देश में महंगाई दर में इजाफा देखने को मिल सकता है।

एथर एनर्जी अपने चार्जिंग कनेक्टर को मुफ्त में साझा करने को तैयार

नई दिल्ली । इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माता एथर एनर्जी मानक के रूप में स्वीकृत अपने चार्जिंग कनेक्टर को इस उद्योग की कंपनियों को मुफ्त में अपनाने की सुविधा देने के लिए तैयार है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने यह जानकारी दी। इस साल अक्टूबर में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने एथर एनर्जी के स्वदेशी तौर पर विकसित एसी और डीसी संयुक्त चार्जिंग कनेक्टर को मंजूरी दी थी। इसे हल्के इलेक्ट्रिक वाहनों (एलईवी) इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों के साथ-साथ माइक्रो कारों के लिए मानक दर्जा मिला है। कंपनी मार्च, 2024 तक अपने चार्जिंग नेटवर्क को मौजूदा 1,600 से बढ़ाकर 2,500 करने पर भी काम कर रही है। इसके साथ ही कंपनी अपने चार्जिंग कनेक्टर को अपनाने के लिए अन्य विनिर्माताओं के साथ भी बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस चार्जिंग कनेक्टर पर हमें एक बौद्धिक संपदा (आईपी) अधिकार मिला हुआ है। हम कई मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) से बात कर रहे हैं और उनसे कहा है कि यदि वे इसे अपनाना चाहते हैं, तो हम उनकी मदद करेंगे। एथर एनर्जी अपने चार्जिंग कनेक्टर की विशेषज्ञता को अन्य ईवी कंपनियों के साथ साझा करने को तैयार है।

विज्ञापनदाता बना रहे दूरी, एलन मस्क के नेतृत्व में एक्स पर मंडरा रहा दिवालियापन का खतरा

लंदन।

एलन मस्क ने ट्विटर (जिसे अब एक्स कहा जाता है) को खरीदने के लिए लगभग 13 बिलियन डॉलर का ऋण लिया था और सोशल मीडिया कंपनी को हर साल ब्याज भुगतान में लगभग 1.2 बिलियन डॉलर का भुगतान करना पड़ता है।बीबीसी ने रविवार को बताया कि चूंकि बड़े विज्ञापनदाताओं ने प्लेटफॉर्म छोड़ दिया और एक्स अपने ऋण पर ब्याज का भुगतान नहीं कर सकता या कर्मचारियों को भुगतान नहीं कर सकता, तो यह वास्तव में दिवालिया हो सकता है। लेकिन, यह एक चरम परिदृश्य होगा जिससे मस्क निश्चित रूप से बचना चाहेंगे। हालांकि, जिस कंपनी को उन्होंने 44 बिलियन डॉलर में खरीदा था, उसके लिए दिवालियापन अकल्पनीय लग सकता है, लेकिन यह संभव है। डिज़्नी और एप्पल अब एक्स पर विज्ञापन नहीं दे रहे हैं। खुदरा दिग्गज वॉलमार्ट ने पुष्टि की है कि वह एक्स पर विज्ञापन नहीं दे रहा है। रिपोर्ट में वॉलमार्ट के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया है, हम एक्स पर विज्ञापन नहीं कर रहे हैं, क्योंकि हमने अपने ग्राहकों तक बेहतर पहुंच के लिए अन्य प्लेटफॉर्म ढूंढ लिए हैं। पिछले महीने मस्क द्वारा यहूदी विरोधी पोस्ट का समर्थन करने के बाद वॉलमार्ट के जाने से एक्स छोड़ने वाली कंपनियों की सूची में इजाफा हुआ। एप्पल, डिज्नी, आईबीएम, कॉमकास्ट और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी उन कंपनियों में से हैं जो अब एक्स पर विज्ञापन नहीं दे रही हैं। पिछले साल, एक्स का लगभग 90 प्रतिशत राजस्व विज्ञापन से आया था। मस्क ने चेतावनी दी है कि बड़े विज्ञापनदाताओं का नुकसान एक्स के अंत का कारण बनेगा। यदि कंपनी विफल हो जाती है, तो यह विज्ञापनदाताओं के बहिष्कार के कारण विफल हो जाएगी और यही कंपनी को दिवालिया बना देगी। 2022 में ट्विटर का विज्ञापन राजस्व लगभग 4 बिलियन डॉलर था। इनसाइडर इंटेलिजेंस का अनुमान है कि इस साल यह घटकर 1.9 बिलियन डॉलर रह जाएगा। बड़े विज्ञापनदाताओं के खिलाफ मस्क की नाराजगी के बाद, एक्स कथित तौर पर बड़ी कंपनियों से विज्ञापन घाटे की भरपाई के लिए छोटे और मध्यम व्यवसायों (एसएमबी) को टैप करने का लक्ष्य बना रहा है। द फाइनेंशियल टाइम्स की एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मस्क द्वारा यहूदी विरोधी सामग्री का समर्थन करके बड़े ब्रांडों को नाराज करने के बाद एक्स अब राजस्व बढ़ाने के लिए एसएमबी की ओर रुख करेगा।

नवंबर में एफपीआई ने इक्विटी में 9,000 करोड़ डाले

नई दिल्ली । दो महीनों तक शुद्ध बिकवाल रहने के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर में फिर भारतीय शेयर बाजारों का रुख किया और करीब 9,000 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसके साथ ही डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि एफपीआई ने पिछले महीने ऋण बाजार में 14,860 करोड़ रुपये का निवेश किया जो छह साल का उच्चतम स्तर है। बाजार के जानकारों के मुतो बिक आगे चलकर एफपीआई का रुख काफी हद तक घरेलू बाजार के रुझान से तय होगा। घरेलू बाजार पर पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों का असर पड़ने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इन राज्यों में नतीजे सत्तारूढ़ सरकार के लिए अनुकूल होने पर बाजार में तेजी आएगी। ऐसी स्थिति में विदेशी निवेशक भी उस तेजी का लाभ उठाने से नहीं चूकना चाहेंगे। आंकड़ों के मुताबिक नवंबर में एफपीआई ने भारतीय शेयरों में कुल 9,000 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसके पहले एफपीआई ने अक्टूबर में 24,548 करोड़ रुपये और सितंबर में 14,767 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। हालांकि एफपीआई ने मार्च से अगस्त तक लगातार भारतीय इक्विटी में खरीदारी की और इन छह महीनों में 1.74 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया था। भारतीय बाजार में एफपीआई के फिर से पैदा हुए आकर्षण की वजह अमेरिकी बॉन्ड के प्रतिफल में गिरावट और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव को माना जा सकता है।पिछले महीने बाजार में दो कंपनियों इरेडा और टाटा टेक्नोलॉजीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निवेशकों का तगड़ा समर्थन भी मिला।

भारत में अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा मामले में पैठ कमः सीएपीए

मुंबई । विमानन सलाहकार कंपनी सीएपीए इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि भारत घरेलू हवाई यातायात के मामले में तीसरा सबसे बड़ा बाजार बन गया है लेकिन अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा के मामले में उसकी पैठ कम बनी हुई है। उन्होंने नियामक सुधारों की वकालत करते हुए कहा कि यदि सुधारात्मक उपाय नहीं किए गए तो निर्माणाधीन क्षमता और कम हो जाएगी। कौल ने हाल ही में यहां जेआरडी टाटा की 119वीं जयंती के अवसर पर जेआरडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक समारोह में कहा कि घरेलू यातायात के मामले में हम तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय यातायात के मामले में हम 18वें स्थान पर हैं। तीसरा सबसे बड़ा घरेलू बाजार होने के बावजूद, अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा में हमारी पैठ काफी कम है। उन्होंने कहा कि वृद्धि के लिए दीर्घकालिक बुनियाद बहुत मजबूत हैं। कौल ने लगभग दो साल पहले हुए एयर इंडिया के निजीकरण को एक ऐतिहासिक सुधार बताया और कहा कि भारतीय विमानन उद्योग सबसे आशाजनक दशक की दहलीज पर खड़ा है।

एयर इंडिया के पायलट संगठन उड़ान सेवा, आराम अवधि योजना पर चिंतित

मुंबई । एयर इंडिया के पायलट संगठनों आईपीजी और आईसीपीए ने टाटा समूह की एयरलाइन की नई उड़ान सेवा और आराम अवधि योजना पर गहरी चिंता जताई। इन संगठनों ने आरोप लगाया कि कंपनी डीजीसीए के मानदंडों से हट रही है। दो यूनियनों इंडियन पायलट्स गिल्ड (आईपीजी) और इंडियन कमर्शियल पायलट्स एसोसिएशन (आईसीपीए) ने नागर विमानन महानिदेशालय को संयुक्त रूप से लिखे एक पत्र में यह आरोप लगाया। पत्र में कहा गया है कि एयर इंडिया ने उड़ान सेवा अवधि सीमा (एफडीटीएल) के साथ एक अतिरिक्त नीति की शुरुआत की है, जो डीजीसीए अधिकार और उद्देश्य को कमजोर करते हुए प्रतीत होते हैं। पायलट यूनियनों ने डीजीसीए से इस मुद्दे की समीक्षा और मूल्यांकन की भी मांग की है। इस मामले के समाधान के लिए उचित कदम उठाने का अनुरोध भी किया गया है। पायलटों और चालक दल के सदस्यों की उड़ान सेवा अवधि विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए नियंत्रित करता है।

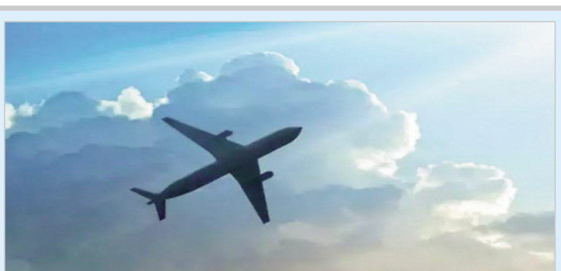

गुवाहाटी और बैंकॉक के बीच सीधी उड़ान शुरू

गुवाहाटी। गुवाहाटी और बैंकॉक के बीच एक त्रि-साप्ताहिक सीधी उड़ान (डायरेक्ट फ्लाइट) शुरू की गई है जो थाई एयर एशिया द्वारा बुधवार, शुक्रवार और रविवार को बैंकॉक-गुवाहाटी मार्ग पर संचालित की जाएगी।पहली फ्लाइट कुल 56 यात्रियों के साथ शुक्रवार रात गुवाहाटी हवाई अड्डे पर उतरी और आधे घंटे बाद 97 यात्रियों के साथ बैंकॉक के लिए रवाना हो गई। फ्लाइट ने शुक्रवार रात 11.40 बजे गुवाहाटी से उड़ान भरी और थाईलैंड में भारतीय समयानुसार सुबह करीब 2.15 बजे लैंड किया। गुवाहाटी के मुख्य हवाई अड्डा अधिकारी उत्पल बरुआ ने शनिवार को कहा, उम्मीद है कि इस नई फ्लाइट से गुवाहाटी हवाई अड्डे को दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के लिए हवाई कनेक्टिविटी का केंद्र बनाने में काफी मदद मिलेगी। इससे पूर्वोत्तर में व्यापार और पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। भविष्य में थाई एयर एशिया एयरलाइन सिंगापुर, वियतनाम, मलेशिया और इंडोनेशिया के लिए आगे कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। उन्होंने आगे कहा, हमारा हवाई अड्डा इस नए कनेक्शन के साथ इस हवाई अड्डा को दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का हब बनाने की दिशा में आगे बढ़ा है। हम सभी को हवाई अड्डे, एयरलाइन, सरकार और अन्य हितधारकों को इस मार्ग को टिकाऊ बनाने के लिए संयुक्त रूप से काम करना चाहिए।

आरबीआई के मौद्रिक नीति के फैसले पर रहेगी शेयर बाजार की नजर

- भारत, अमेरिका और चीन के सेवा पीएमआई आंकड़ों पर भी नजर रहेगी

मुंबई ।

वैश्विक बाजार के मजबूत रुख के बीच स्थानीय स्तर पर चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के मजबूत आंकड़ों की बदौलत बीते सप्ताह करीब ढाई प्रतिशत की तेजी में रहे घरेलू शेयर बाजार की इस सप्ताह रिजर्व बैंक (आरबीआई) की होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा के निर्णय के साथ भारत, अमेरिका और चीन के सेवा पीएमआई आंकड़ों पर नजर रहेगी। विश्लेषकों के अनुसार महंगाई में कमी आने से यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के दर वृद्धि चक्र को समाप्त करने की उम्मीद में वैश्विक बाजारों में तेजी का रुख देखा गया। घरेलू बाजार को वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में जीडीपी के मजबूत आंकड़ों और विनिर्माण गतिविधि में उल्लेखनीय उछाल से पर्याप्त बढ़ावा मिला। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार ने अपनी जीवंतता बनाए रखी, जिसे टाटा टेक्नोलॉजी की शानदार लिस्टिंग ने उजागर किया। इससे जोखिम भरी संपत्तियों में निवेशकों का विश्वास बढ़ा। पिछले सपताह मिडकैप और स्मॉलकैप ने लचीला रुख दिखाया। निवेशक सरकारी खर्च और बढ़ी हुई खपत के बारे में आशावान बने हुए हैं। मुद्रास्फीति में कमी से चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद बढ़ी है। ओपेक प्लस के आपूर्ति में कटौती करने के बावजूद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रही। साथ ही बाजार की तेजी बनाए रखने में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल ने भी सकारात्मक योगदान दिया। इससे मौजूदा केंद्र सरकार के प्रति निवेशकों की भावनाएं मजबूत रही। बाजार के जानकारों के मुतो बिक इस सप्ताह निवेशकों की नजर अमेरिका, भारत और चीन में जारी होने वाले सेवा क्षेत्र के पीएमआई आंकड़ों पर रहेगी। साथ ही अगले सप्ताह 06 से 08 दिसंबर को आरबीआई की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक होने वाली है। इसमें नीतिगत दरों को यथावत रखने की संभावना है।

इससे विकास परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव हो सकता है। इसके अलावा नवंबर में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की वापसी बाजार में सकारात्मक गति जारी रहने का संकेत देती है। एफआईआई ने इस वर्ष पिछले लगातार तीन महीने अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में जबरदस्त बिकवाली के बाद नवंबर में 5,795.05 करोड़ रुपये की शुद्ध लिवाली की है। एफआईआई अगस्त में 20,620.65 करोड़ रुपये, सितंबर में 26,692.16 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 29,056.61 करोड़ रुपये के बिकवाल रहे।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से नौ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.30 लाख करोड़ बढ़ा

- प्रमुख 10 कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख 10 मूल्यवान कंपनियों में से नौ का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) पिछले सप्ताह घरेलू बाजार में तेजी के बीच 1,30,391.96 करोड़ रुपये बढ़ गया, जिसमें भारती एयरटेल और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में सर्वाधिक बढ़त रही। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज को छोड़कर देश की अन्य नौ प्रमुख कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में वृद्धि देखी गई। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल का मूल्यांकन 23,746.04 करोड़ रुपये बढ़कर 5,70,466.88 करोड़ रुपये हो गया। वहीं सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 19,027.07 करोड़ रुपये बढ़कर 12,84,180.67 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन इस अवधि में 17,881.88 करोड़ रुपये बढ़कर 11,80,588.59 करोड़ रुपये हो गया। आईटीसी का मूल्यांकन 15,159.02 करोड़ रुपये बढ़कर 5,61,159.09 करोड़ रुपये और बजाज फाइनेंस का पूंजीकरण 14,480.29 करोड़ रुपये बढ़कर 4,48,446.82 करोड़ रुपये हो गया। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 12,085.42 करोड़ रुपये बढ़कर 6,63,370.71 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) का मूल्यांकन 11,348.53 करोड़ रुपये बढ़कर 6,02,258.98 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार मूल्यांकन 10,307.92 करोड़ रुपये बढ़कर 5,10,353.93 करोड़ रुपये और इन्फोसिस का मूल्यांकन 6,355.79 करोड़ रुपये बढ़कर 6,02,747.01 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 574.95 करोड़ रुपये घटकर 16,19,332.44 करोड़ रुपये रह गया। इसके बावजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। शीर्ष 10 कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर है और उसके बाद टीसीएस का नाम आता है। इनके बाद एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एचयूएल, भारती एयरटेल, आईटीसी, एसबीआई और बजाज फाइनेंस मौजूद हैं।

भारत में एफडीआई में चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली । केमन आइलैंड्स और साइप्रस से भारत में आने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान तगड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल-सितंबर 2023 की अवधि में केमन आइलैंड्स से भारत में एफडीआई 75 प्रतिशत घटकर 14.5 करोड़ डॉलर रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 58.2 करोड़ डॉलर था। इसी तरह इस अवधि में साइप्रस से आने वाला निवेश भी 95 प्रतिशत से अधिक घटकर 3.5 करोड़ डॉलर पर आ गया जबकि पिछले साल की समान छमाही में यह 76.4 करोड़ डॉलर था। कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, दूरसंचार, वाहन और औषधि क्षेत्रों में कम विदेशी निवेश आने से आलोच्य अवधि में भारत में एफडीआई 24 प्रतिशत घटकर 20.48 अरब डॉलर रह गया। विशेषज्ञों ने साइप्रस और केमन से एफडीआई में तेज गिरावट के लिए आवेदनों की गहन जांच को जिम्मेदार ठहराया है। नांगिया एंडरसन इंडिया में साझेदार (नियामकीय) अंजलि मल्होत्रा ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में कर बचत के लिहाज से बेहद आकर्षक माने जाने वाले सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देशों से आने वाले एफडीआई प्रवाह में भी गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि इन सभी देशों से विदेशी निवेश में आई गिरावट पहली छमाही के दौरान भारत में कुल एफडीआई में आई गिरावट के ही अनुरूप है।

अब दर्द से राहत दिलाएगा पैच

अगर आप काफी लंबे अरसे से अपने क्रॉनिक पेन से परेशान हैं, तो आपके लिए अच्छी खबर है। पिछले दिनों भारत में इस तरह के पेन से राहत पाने के लिए एक नई तकनीक फेंटानिल ट्रांस्डर्मल पैच लॉन्च की गई है। अभी तक यह तकनीक विदेशों में खासी पॉप्युलर थी, लेकिन अब इसे इंडिया में भी लॉन्च किया गया है।

जब पेन किलर हो बेअसर

अक्सर देखने में आता है कि ऑर्थराइटिस, कैंसर, शोल्डर पेन, कमर, गर्दन और कंधे के दर्द से परेशान लोग दर्द कम करने के लिए दिन भर एक के बाद एक पेन किलर लेते रहते हैं, बावजूद इसके दर्द से राहत नहीं मिलती है। दरअसल, बॉडी को धीरे- धीरे इन दवाइयों की आदत पड़ जाती है और एक समय के बाद इनका असर होना बंद हो जाता है। फिर चाहे आप कितना भी इलाज कराएं, लेकिन दर्द से छुटकारा नहीं मिल पाता।

लगाते ही असर

ऐसे पेशेंट के लिए फेंटानिल ट्रांस्डर्मल पैच बेहद उपयोगी साबित होता है। मुंह से ली जाने वाली दवाइयां असर करने में दो से तीन घंटा लेती हैं। उसके बाद जाकर पेन रुकता है। बावजूद इसके ब्लड में इनकी लगातार एक जैसी क्वॉन्टिटी न बने रहने की वजह से दर्द कम-ज्यादा होता रहता है। जबकि फेंटानिल ट्रांस्डर्मल पैच लगाते ही असर करता है। इसे बॉडी के किसी भी पार्ट में लगाया जा सकता है और एक दिन लगाने के बाद इसका असर तीन दिनों तक बना रहता है।

ऐसे करता है काम

इस पैच को बॉडी के उस हिस्से की स्किन पर चिपका दिया जाता है, जहां पर पेशंट को दर्द होता है। स्किन पर चिपकने के साथ ही यह क्रॉनिक पेन को कंट्रोल कर लेता है। ट्रांस्डर्मल पैच को पहली बार यूएसएफडीए द्वारा 1979 में मान्यता मिली थी। तब से लेकर अब तक इसे काफी सक्सेस मिली है। इसलिए अब इसे भारत में लाया गया है।

जरूरत के मुताबिक डोज

पैच स्ट्रिप्स दवाइयों की तीन क्वॉन्टिटी 25, 50 और 100 माइक्रोग्राम में आती हैं। इनमें इतनी दवा ही जाती है, जितनी पेशेंट को जरूरत होती है। दरअसल, यह पेन की फीलिंग को ब्लॉक कर देती है। डॉ. प्रीति कहती हैं कि यह बेहद सस्ती प्रोसेस है। एक स्ट्रिप का खर्चा तकरीबन 200 रुपये होता है। इसलिए किसी के लिए भी इसे अफोर्ड करना मुश्किल नहीं है। यह पैच खासकर दर्द से तड़पते मरीजों के लिए फायदेमंद होता है, जिनके लिए बार-बार टैब्लेट व गोलियां खाना मुश्किल होता है।

सेफ है यह

फेंटानिल ट्रांस्डर्मल पैच द्वारा बिना सर्जरी के दवा को ब्लड में पहुंचाया जाता है। यह पैच एक विशेष झिल्ली की मदद से स्किन से होकर ब्लड में दवा पहुंचाने की स्पीड को कंट्रोल करता हैं। इससे सही क्वॉन्टिटी में दवा बॉडी के भीतर जाती है और ज्यादा डोज भीतर जाने का खतरा नहीं रहता। यही वजह है कि इसे काफी हद तक सेफ माना जाता है। यह दवाई प्रति घंटा 12.5 से 100 माइक्रोग्राम की स्पीड से बॉडी में पहुंचती है।

हाई हील्स सेहत के लिए खतरा

हाई हील्स से भले ही चाल अच्छी लगे परन्तु आपकी सेहत के लिए हानिकारक है। इससे शरीर और दिमाग दोनों पर बुरा असर पड़ता है। दरअसल, पैरों का सीधा संबंध हमारे दिमाग से होता है। पैर में जरा भी चोट लग जाए तो सीधे दिमाग पर असर होता है। इसलिए हाई हील्स पैरों में दर्द और चुभन का अहसास कराती है।

रीढ़ की हड्डी पर बुरा असर

फैशन के चलते कम उम्र की लड़कियां हाई हील की सैंडिल्स पहनना शुरूकर देती हैं। इसके कारण बॉडी पोश्चर तो बदलता ही है, पीठ में भी दर्द शुरूहो जाता है जिससे रीढ़ की हड्डी पर बुरा असर पड़ता है। डॉक्टर्स के अनुसार जब हम हील्स का उपयोग करते हैं, तो हमारे पैरों की कॉफ मसल एड़ी से दब जाती है, जिससे पैरों से लेकर कमर तक दर्द शुरूहो जाता है। कुछ समय बाद पैरों का आकार भी बिगड़ जाता है और कमर के आसपास ग्रोथ बढ़ जाती है, जिसे पंप बंप कहते हैं. इस ग्रोथ के कारण रीढ़ की हड्डी पर भी असर होता है, जिससे अन्य कई बीमारियां भी दस्तक देने लगती हैं. इन्हीं मुश्किलों को देखकर डॉक्टर भी सलाह देते हैं कि ऊंची एड़ी के फुटवियर का कम से कम प्रयोग करना चाहिए।

गर्भवती महिलाएं हाई हील्स न पहनें

गर्भवती महिलाओं को हाई हील्स का उपयोग बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए क्योंकि इसमें गिरने का डर रहता है। आप इन हील्स को पहनने के बाद जरा सा भी भागने, दौड़ने और तेज चलने की कोशिश ना करें. फुटवियर हमेशा वही पहनना चाहिए, जो पैरों को आराम दे। ऐसे जूते चप्पल और सैंडिल्स का उपयोग करें, जिसकी सोल मुलायम हो और एड़ियो पर जरा भी जोर ना पड़े। आजकल बाजार में ऊंची हील्स में ही नहीं बल्कि फ्लैट यानी सपाट सैंडिल्स भी मनमोहक डिजाइन्स में उपलब्ध हैं, जिन्हें पहनकर आप अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती हैं। फ्लैट सैंडल आपकी एड़ी ही नहीं बल्कि संपूर्ण शरीर को आराम देती है। साथ ही चलने में भी काफी आरामदायक होती है। ये हर मौसम के अनुरूप लुक को पूर्णता प्रदान करती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 3023

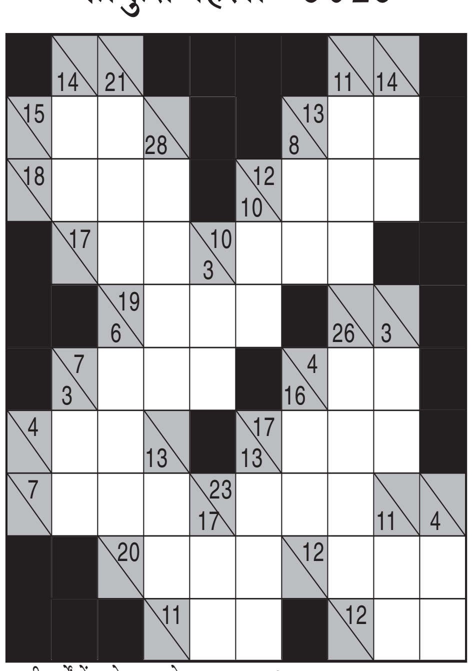

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

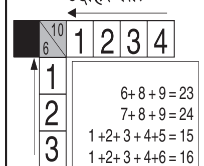

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3022 का हल

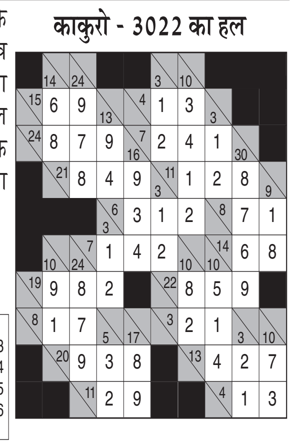

हंसी के फूव्वारें

शक्ल-सूरत से एकदम भोली दिखती एक जवान लड़की डॉक्टर के सामने बैठी हुयी थी. डॉक्टर ने उसका शारीरिक परीक्षण करने के बाद कहा,'मेरा ख्याल है कि तुम्हारे बच्चा होने वाला है.'क्षण भर रुककर वह बोला,'और यह संभव है कि तुम्हारे जुड़वां बच्चे हों.'

'लेकिन डॉक्टर साहब यह कैसे हो सकता है?' लड़की ने चकित स्वर में कहा,'मैं अपने जीवन में एक बार में कभी दो से नहीं मिली हूं.'

□ □ □

घरवाली ने जरा खीझते हुए आदमी से बोली,'घर में जवान बेटी बैठी है और तुम्हें कोई चिंता नहीं,हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हो.कुछ भाग-दौड़ करो...'

आदमी ने एक गहरी सांस लेते हुए कहा,'भागवान, कोई सही-सा लड़का मिले तो बात आगे...'

तड़-से घरवाली बीच में ही बात काटते हुए हाथ घुमाकर बोली,'सोचो, अगर मेरे पिताजी भी सही लड़के की खोज करते,तो फिर तुम्हारा क्या होता?'

□ □ □

पति ने चिड़चिड़े लहजे में कहा,'इस वक्त मुझे तंग मत करो, मेरे दिमाग में आग लगी है...'

'ओह !' पत्नी बोली, 'तभी तो मैं सोच रही थी कि चमड़ा जलने की बदबू कहां से आ रही है !'

फिल्म वर्ग पहेली - 3023

बायें से दायें:-

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा मखना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म-३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या हैं?-२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१२. देवआनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मैं ने तुझसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म-४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, रीनाराय, आशा की फिल्म-२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म-३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म-३
२८. 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी-२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म-२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका-२
३. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, सायरा की फिल्म-३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोड़दे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म-४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-१,२
१२. नसीरूद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म-२
१३.'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया की फिल्म-२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२०.फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी?-३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था-२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'मझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो और बिपाशा की फिल्म-२
२४. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, वहीदा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म-३
२८.'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3022

सूडोकु -3023

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3022 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली -3023

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली -3022 का हल

पेरिस ओलंपिक के बाद एलीट खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय शिविर बंद करेगा एएफआई

अमृतसर (एजेंसी)। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने रविवार को फैसला किया कि वह पेरिस ओलंपिक के बाद एलीट खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय शिविर का आयोजन नहीं करेगा और शीर्ष खिलाड़ियों की देखरेख के लिए सार्वजनिक और निजी इकाइयों के लिए दरवाजे खोलेगा।

एएफआई अध्यक्ष आदिले सुमारिवाला ने यहां महासंघ की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के अंतिम दिन कहा, 'हमने पेरिस (अगले साल) के बाद सीनियर राष्ट्रीय ट्रेनिंग शिविर खत्म करने का फैसला किया है। हमने खेल मंत्रालय को भी इसकी सूचना दे दी है जिसने हमारे कदम की सराहना की है।' उन्होंने कहा, 'साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) के एनसीओई (राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों) में इतनी सारी अच्छी सुविधाएं हैं। रिलायंस, जेएसडब्ल्यू, टाटा और अन्य निजी इकाइयों में भी अच्छी सुविधाएं हैं। उन्होंने भारी भरकम निवेश किया है और विदेशी कोच को नियुक्त किया है।'

सुमारिवाला ने कहा, 'वे अपनी सुविधाओं पर खिलाड़ियों को ट्रेनिंग दे सकते हैं। निजी इकाइयां ही नहीं बल्कि सेना खेल संस्थान, रेलवे, वायुसेना, नौसेना, ओएनजीसी, सार्वजनिक क्षेत्र की अन्य इकाइयां और यहां तक कि राज्य सरकारें भी अपने खिलाड़ियों को ट्रेनिंग दे सकती हैं।' उन्होंने कहा, 'हमारे पास पांच से 10 साइ केंद्र हैं लेकिन हमारे पास ऐसे 200 केंद्र हो सकते हैं (सार्वजनिक और निजी इकाइयों की मदद से ट्रेनिंग के लिए)। खिलाड़ी ट्रेनिंग के लिए शिविर की जगह अपने घरों में रह सकते हैं।'

एएफआई के इस कदम का मतलब है कि नीरज चोपड़ा, मुरली श्रीशंकर और अविनाश साबले जैसे शीर्ष खिलाड़ी पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद उसके तत्वावधान में ट्रेनिंग नहीं करेंगे लेकिन महासंघ उनकी प्रगति की निगरानी करता रहेगा। खिलाड़ी अब सीधे तौर पर सार्वजनिक और निजी इकाइयों के अंतर्गत आएंगे जिसमें ओडिशा, मध्य प्रदेश और गुजरात जैसी राज्य सरकारें भी शामिल हैं। एएफआई हालांकि कोच की टीम बनाएगा और खिलाड़ियों पर नजर रखेगा। एएफआई अभी लगभग 130 से 150 एलीट खिलाड़ियों के लिए 50 से 60 सहयोगी स्टाफ के मार्गदर्शन में केंद्रीयकृत राष्ट्रीय ट्रेनिंग शिविर का आयोजन करता है।

इसका आयोजन मुख्य रूप से एनआईएस पटियाला, बेंगलुरू के साइ केंद्र और तिरूवनंतपुरम में एलएनसीपीई में होता है। चोपड़ा अधिकतर भारत के बाहर ट्रेनिंग करते हैं जबकि श्रीशंकर को उनके पिता एस मुरली केरल में ट्रेनिंग देते हैं। दोनों को जेएसडब्ल्यू समर्थन देता है। सुमारिवाला ने कहा कि इसके पीछे का विचार शिविरों का विकेंद्रीकरण करना और इन्हें पूरे देश में फैलाना है जिससे कि खिलाड़ी अपने घर के करीब ट्रेनिंग ले सकें। हालांकि जूनियर राष्ट्रीय ट्रेनिंग शिविर महासंघ के सहयोग से एनसीओई में ही होंगे।

एएफआई ने साथ ही कहा कि वह पुरुष चार गुणा 400 मीटर, महिला चार गुणा 400 मीटर और मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले टीम की ट्रेनिंग अपने अंतर्गत जारी रखेगा। एएफआई के नीति आयोग के अध्यक्ष ललित भनोट ने कहा, ''तीन रिले टीम एएफआई के सीधे निरीक्षण में होंगी क्योंकि रिले टीम के सदस्य अलग अलग ट्रेनिंग नहीं कर सकते और उन्हें आपसी समन्वय की जरूरत होती है। हम प्रतियोगिताओं का आयोजन भी जारी रखेंगे।'

एएफआई ने कहा कि वह विदेशी अनुभव दौरों के दौरान भी खिलाड़ियों की जिम्मेदारी लेगा। महासंघ के राष्ट्रीय शिविर का आयोजन नहीं करने का मतलब है कि खिलाड़ियों के डोप परीक्षण पर नियंत्रण कम होगा। एएफआई ने इसे स्वीकार करते हुए कहा कि इस फैसले के विपक्ष की तुलना में पक्ष में चीजें अधिक हैं। सार्वजनिक और निजी इकाइयों के ट्रेनिंग की जिम्मेदारी लेने से खिलाड़ियों के पूल में भी इजाफा होगा जो अभी 100 से 150 खिलाड़ियों के बीच है।

पूर्व दिग्गज खिलाड़ी और एएफआई की वरिष्ठ उपाध्यक्ष अंजू बॉबी जॉर्ज ने कहा कि एएफआई का यह फैसला सही दिशा में उठाया गया कदम है। विश्व चैंपियनशिप 2003 की कांस्य पदक विजेता पूर्व लंबी कूद खिलाड़ी अंजू ने यहां एजीएम के इतर कहा, ''खिलाड़ियों की पढ़ाई बड़ी चिंता की बात है। अगर कोई खिलाड़ी एनआईएस या बेंगलुरू और तिरूवनंतपुरम में साल में 11 महीने ट्रेनिंग करता है तो उसके लिए पढ़ाई करना बेहद मुश्किल हो जाता है। अब वे अपने घर के करीब ट्रेनिंग कर सकते हैं और पढ़ाई भी जारी रख सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों ही नहीं बल्कि कोच को भी अपने परिवार से दूर आना पड़ता है और वे साल में 11 महीने राष्ट्रीय शिविर में रहते हैं। वे भी अपने घर के करीब ट्रेनिंग शिविर से जुड़ सकते हैं।' अंजू ने स्वीकार किया कि शुरुआती महीनों में कुछ समस्याएं आ सकती हैं लेकिन यह फैसला भारतीय एथलेटिक्स को आगे ले जाएगा।

मेदजेदोविच ने फिल्स को हराकर नेक्स्ट जेन फाइनल्स चैंपियनशिप जीती

जेद्दा (सऊदी अरब) (एजेंसी)। हेमाद मेदजेदोविच ने शीर्ष वरीय आर्थर फिल्स को हराकर उलटफेर करते हुए नेक्स्ट जेन फाइनल्स टेनिस चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया। मेदजेदोविच ने दो घंटे और 11 मिनट चले फाइनल में फिल्स को पांच सेट में 3-4 (6), 4-1, 4-2, 3-4 (9), 4-1 से हराया।

टूर्नामेंट के छह सत्र में यह पहला मौका है जब फाइनल में पांच सेट खेले गए। इक्कीस साल या इससे कम उम्र के शीर्ष आठ खिलाड़ियों के बीच होने वाले इस टूर्नामेंट में खिताबी जीत के दौरान 20 साल के मेदजेदोविच ने एक भी मुकाबला नहीं गंवाया और इस टूर्नामेंट के जीतने वाले सर्बिया के पहले खिलाड़ी बने।

वर्ष 2017 में पहले टूर्नामेंट से ही इसका आयोजन मिलान में हो रहा था जबकि इस साल पहली बार यह टूर्नामेंट सऊदी अरब में खेला गया। इससे पहले स्टेफानोस सितसिपास, यानिक सिनर और कार्लोस अल्बारेज जैसे खिलाड़ी नेक्स्ट जेन फाइनल्स जीत चुके हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज के लिए रेणुका सिंह की टीम में वापसी

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम में आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले मुकाबलों के लिए तेज गेंदबाज रेणुका सिंह की वापसी हुई है। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ टी20 और टेस्ट सीरीज खेलने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टेस्ट खेलेगी। इन 2 टेस्ट मैचों के दौरान रेणुका, इशाक के साथ-साथ जेमिमाह रॉड्रिग्स भी टेस्ट डेब्यू कर सकती हैं। यह 2014 के बाद भारतीय पिच पर पहला महिला टेस्ट होगा। बता दें कि मिताली राज और झूलन गोस्वामी के संन्यास लेने के बाद भी भारत के लिए यह पहला टेस्ट है और हरमनप्रीत कौर पहली बार टेस्ट टीम की अगुवाई करेंगी। गौरतलब है कि श्रेयांका डब्ल्यूपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से जुड़ी थीं। वह सीपीएल में खेलने वाली पहली भारतीय महिला थीं और उन्होंने टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लिए। फिलहाल वह इंग्लैंड ए के खिलाफ इंडिया ए के लिए टी20 सीरीज खेल रही हैं। बाएं हाथ की स्पिनर इशाक डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस का हिस्सा थीं और 15 विकेट लेकर वह टूर्नामेंट की दूसरी सबसे सफल गेंदबाज बनीं।

इशाक और श्रेयांका के टी20 टीम में आने से राजेश्वरी गायकवाड़ और देविका वैद्य की जगह नहीं बन पाई है।

जानकारी के अनुसार अंडर-19 विश्व कप का हिस्सा रहीं बाएं हाथ की स्पिनर मन्नत कश्यप को भी टी20 टीम में जगह मिली है, वहीं कनिका आहूजा को टी20 टीम में बरकरार रखा गया है। टेस्ट मैचों में अनुभवी शिखा पांडे को जगह नहीं मिली है तो रेणुका ही 4 सदस्यीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगी। उनके साथ तितास साधु, मेघना सिंह और ऑलराउंडर पूजा वस्त्रकर को टीम में जगह मिली है। स्नेह राणा टेस्ट टीम में वापसी करती हुई नजर आएंगी। यह प्रमुख कोच अमोल मजूमदार का पहला कोचिंग असाइनमेंट भी होगा।

महिला प्रीमियर लीग की नीलामी 9 को, गुजरात 5.95 करोड़ में 10 खिलाड़ी खरीदेगी

मुंबई (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग की 9 दिसंबर को नीलामी होने वाली है। इसमें कुल 165 खिलाड़ी शामिल होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार डब्ल्यूपीएल का दूसरा संस्करण अगले साल फरवरी मार्च में आयोजित किया जाएगा। सभी 5 टीमों में अधिकतम 30 स्थान खाली हैं जिनमें से 9 स्थान विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं। सभी 5 टीमों में दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस, गुजरात जायंट्स, यूपी वारियर्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने कुल 60 खिलाड़ियों को रिटेन किया है जिनमें 21 विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं। नीलामी के लिए सूचीबद्ध प्रमुख कैप्ड भारतीय खिलाड़ियों में वेदा कृष्णमूर्ति एस मेघना, मेघना सिंह और देविका वैद्य शामिल हैं। हालांकि एसोसिएट देशों की 15 खिलाड़ी का नाम ऑक्शन पूल में है। इसमें यूएसए की तारा नॉरिस का नाम भी शामिल है। श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने भी अपना बेस प्राइस 30 लाख रुपए रखा है। 165 खिलाड़ियों में 104 खिलाड़ी भारत की हैं और 61 खिलाड़ी विदेशों की हैं। विदेशी खिलाड़ियों में 15 खिलाड़ी एसोसिएट देशों की हैं। कुल 56 खिलाड़ी ऐसी भी हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला है। जबकि 109 खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का अनुभव नहीं है।

महिला खिलाड़ी की 50 लाख बेस प्राइस में डिएंड्रा डॉटिन, विंडीज ऑलराउंडर तथा किम गार्थ, ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज शामिल हैं। वहीं 40 लाख बेस प्राइस में एनाबेल सदरलैंड, ऑलराउंडर, जॉर्जिया वेयरहैम, ऑलराउंडर, एमी जोन्स, विकेटकीपर तथा शबनीम इस्माइल, तेज गेंदबाज शामिल हैं। फ्रेंचाइजी वाइज खिलाड़ी की संख्या देखें तो दिल्ली के पास 15 खिलाड़ी हैं जिनमें 5 विदेशी हैं। अब तक 11.25 करोड़ खर्च हो चुके हैं जबकि 2.25 करोड़ शेष राशि हैं, जिसे 3 स्लाट में खर्च करना है। इसी तरह गुजरात के पास 8 खिलाड़ी हैं जिनमें 3 विदेशी हैं। अब तक 7.55 करोड़ खर्च हो चुके हैं जबकि 5.95 करोड़ शेष राशि हैं, जिसे 10 स्लाट में खर्च करना है। मुंबई के पास 13 खिलाड़ी हैं जिनमें 5 विदेशी हैं। अब तक 11.4 करोड़ खर्च हो चुके हैं जबकि 2.1 करोड़ शेष राशि हैं, जिसे 5 स्लाट में खर्च करना है। बैंगलोर के पास 11 खिलाड़ी हैं जिनमें 3 विदेशी हैं। अब तक 10.15 खर्च हो चुके हैं जबकि करोड़ 3.35 करोड़ शेष राशि हैं, जिसे 7 स्लाट में खर्च करना है। यूपी के पास 13 खिलाड़ी हैं जिनमें 5 विदेशी हैं। अब तक 9.5 करोड़ खर्च हो चुके हैं जबकि 4 करोड़ शेष राशि हैं, जिसे 5 स्लाट में खर्च करना है।

पाकिस्तान से भिड़ने, पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

सिडनी । पाकिस्तान से लोहा लेने पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित कर दी गई है । जानकारी के अनुसार डेविड वार्नर को ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया गया है । बताया जा रहा है कि सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में संभावित विदाई का मौका मिल सकता है । रविवार को घोषित टीम में 37 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वार्नर को भी जगह मिली है । यह टीम हालांकि पर्थ में 14 से 19 दिसंबर तक होने वाले पहले टेस्ट के लिए ही है । यदि वह मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए टीम में जगह बरकरार रखते हैं तो फिर उन्हें तीन से सात जनवरी तक अपने घरेलू मैदान एससीजी में होने वाले तीसरे और अंतिम टेस्ट में स्वप्निल विदाई का मौका मिल सकता है । गौरतलब है कि वार्नर का हाल में टेस्ट क्रिकेट में फॉर्म मिश्रित रहा है और 2019 में एडीलेड में पाकिस्तान के खिलाफ तिहरा शतक जड़ने के बाद से उनका औसत 28 का रहा है । उन्होंने सीमित ओवरों के प्रारूप में खेलना जारी रखने और सिडनी में टेस्ट करियर को अलविदा कहने की अपनी इच्छा स्पष्ट कर दी है । बता दें कि वार्नर पहले टेस्ट में उस्मान ख्वाजा के साथ पारी का आगाज करेंगे जबकि सलामी बल्लेबाज कैमरन बेनक्राफ्ट, मैट रेनशॉ और मार्कस हैरिस के पास प्रधानमंत्री एकादश की ओर से खेलते हुए टीम में जगह बनाने का दावा मजबूत करने का मौका होगा । प्रधानमंत्री एकादश की टीम छह से नौ दिसंबर तक कैनबरा में पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी । पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिशेल मार्श, लांस मॉरिस, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क और डेविड वार्नर शामिल हैं ।

टी20 विश्व कप पर आशीष नेहरा का दावा, रिंकू सिंह करेंगे चुनौतियों का सामना

नई दिल्ली । भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने कहा है कि रिंकू सिंह टी20 विश्व कप की दावेदारी जरुर कर रहे हैं, लेकिन उन्हें अन्य खिलाडियों से चुनौती का सामना करना पड़ेगा । बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह भारत की टी20 विश्व कप टीम में 'फिनिशर स्थान के लिए दावेदार हो रही है। बता दें कि टी20 विश्व कप अगले साल जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जायेगा। रिंकू आस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में शानदार फॉर्म में हैं। शुक्रवार को चौथे मैच में उन्होंने 29 गेंद में 46 रन की पारी खेली और भारत की 20 रन की जीत में अहम भूमिका अदा की और इससे टीम श्रृंखला 3-1 से अपने नाम करने में सफल रही। नेहरा ने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि रिंकू भारत की टी20 विश्व कप टीम में शामिल होने के दावेदार हैं। लेकिन विश्व कप अभी काफी दूर है और जिस स्थान के लिए वह दावेदार है, उसके लिए कई और खिलाड़ी उन्हें चुनौती पेश करेंगे। रिंकू ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में कुछ अच्छी पारियां खेलीं जिसमें तिरूवनंतपुरम में दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उनकी नौ गेंद में नाबाद 31 रन की पारी ने भारत की 44 रन की जीत में बड़ी भूमिका अदा की थी । इधर इस पर भी संशय बना हुआ है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली टी20 विश्व कप के लिए भारत की योजना का हिस्सा होंगे या नहीं । अभी इस पर भी कोई स्पष्टता नहीं है तो टीम में कई बड़े बदलाव हो सकते हैं और रिंकू 'स्लॉग ओवर के लिए प्रबल दावेदार हो सकते हैं । क्रिकेटर से कमेंटेटर बने इस पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ने कहा कि आप जितेश शर्मा और तिलक वर्मा को भी देख सकते हो । इसलिये चर्चा करनी होगी कि श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या किन स्थानों पर खेलेंगे । नेहरा ने कहा कि हमें देखना होगा कि 15 सदस्यीय टीम में कितने स्थान उपलब्ध हैं ।

12 भारतीय मुक्केबाजों ने जूनियर वर्ल्ड बॉक्सिंग फाइनल में जगह बनाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के 12 जूनियर मुक्केबाजों ने जूनियर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में जगह बना ली है। उन्होंने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और येरेवन, आर्मेनिया में शानदार प्रदर्शन के बाद फाइनल में प्रवेश किया। इनमें अमीषा (54 किग्रा) और पायल (48 किग्रा) ने रोमानिया की ट्रिगोस बुकुर रोशियो और कजाकिस्तान की बिबोलसिंकीज़ी सिला के खिलाफ टीम इंडिया के लिए दिन की विजयी शुरुआत की। दोनों ने सर्वसम्मति से 5-0 से मुकाबला जीता। प्राची टोकस (80+किग्रा) ने रूस की ओसिपोवा मारिया पर प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिससे रेफरी को जीत हासिल करने के लिए पहले दौर में ही मुकाबला रोकना पड़ा। दूसरी ओर, मेघा (80 किग्रा) ने ताकत और शक्ति का समान प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे की त्सेंग एन ची के खिलाफ जीत हासिल की। रेफरी ने तीसरे राउंड में मुकाबला रोक दिया। विनी (57 किग्रा) आकांशा (70 किग्रा) और सृष्टि (63 किग्रा) ने अपने विरोधियों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 5-0 से सर्वसम्मत निर्णय से जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि विनी का मुकाबला ग्रीस की कांतजारी ओरियाना से था, जबकि आकांशा और सृष्टि का मुकाबला क्रमशः आयरलैंड की मैकडोनाग मैरी और कजाकिस्तान की के अलीना से था। निशा (52 किग्रा) ने पहले दौर में शुरुआती प्रभुत्व के बाद संघर्ष किया, लेकिन जल्द ही रूस की सिक्सटस डायना पर 4-1 से प्रभावशाली जीत दर्ज की। लड़कों ने दमदार प्रदर्शन किया और पांच में से चार मुक्केबाजों ने जीत हासिल की। दो दिग्गज हार्दिक पंवार (80 किग्रा) और हेमंत सांगवान (80+ किग्रा) ने बेलारूस के आर आंद्रेई और आर्मेनिया के के तिगरान के खिलाफ 5-0 की सर्वसम्मत निर्णय से आसान जीत के साथ फाइनल में प्रवेश किया। जतिन (54 किग्रा) का मुकाबला रूस केके पावेल से हुआ जो एक पल के लिए अधिक प्रभावशाली मुक्केबाज लग रहे थे लेकिन जतिन ने 4-1 से जीत अपने पक्ष में कर ली।

वर्ल्ड कप फाइनल गंवाने का गम भुलाने में मदद करेगी टी20 की जीत

-ऋतुराज गायकवाड़ नतीजों से हुए खुश, हर खिलाड़ी को ?दिया जीत का श्रेय

नई दिल्ली (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ ने कहा कि टी20 की जीत से वर्ल्ड कप फाइनल गंवाने का गम भुलाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि टी20 की जीत के लिए हर खिलाड़ी ने अपना बेहतर दिया है, इसलिए सभी को इसका श्रेय दिया जाना चाहिए। गौरतलब है कि आक्रामक और निर्भीक रवैये की बदौलत भारतीय टीम आस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में जीत दर्ज करने में सफल रही। उन्होंने साथ ही उम्मीद जताई कि वनडे विश्व कप फाइनल में मिली निराशाजनक हार के बाद खेल प्रेमियों के लिए यह खुशी का मौका होगा। बता दें कि भारत ने शुक्रवार को चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में आस्ट्रेलिया को 20 रन से हराकर 5 मैचों की श्रृंखला में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। भारत ने नौ विकेट पर 174 रन का स्कोर बनाया था जिसमें गायकवाड़ ने 28 गेंद में 32 रन की पारी खेली। गायकवाड़ ने कहा कि मुझे लगता है कि हम सभी के लिए खुद को अभिव्यक्त करना और खेल का लुत्फ उठाना महत्वपूर्ण था। प्रत्येक खिलाड़ी ने प्रत्येक चरण में अपनी जिम्मेदारी निभाई। इसलिए हम नतीजे से खुश हैं लेकिन अभी एक मैच और बचा है। विश्व कप की निराशा को लेकर गायकवाड़ ने कहा कि चर्चा का लब्बोलुवाब यही था कि बस निर्भीक और आक्रामक खेलो। विश्व कप टीम के 2-3 सदस्य हमारे साथ थे। उन्होंने कहा कि टीम में सकारात्मक माहौल था क्योंकि हम घरेलू टूर्नामेंट खेलकर आ रहे हैं और हर खिलाड़ी ने इसमें अच्छा प्रदर्शन किया था। हर खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरा था। गायकवाड़ ने यह भी कहा कि उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के साथ खेलते हुए महान क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में टी20 क्रिकेट की बारीकियां सीखीं। उन्होंने कहा कि मैंने सीएसके के लिए खेलते हुए इस प्रारूप के बारे में काफी कुछ सीखा। माही भाई (एमएस धोनी) हमेशा हालात पढ़ने और खेल को समझने के लिए तत्पर रहते हैं। उनका संदेश होता था कि आप टीम का स्कोर देखकर तय करो कि टीम की जरूरत क्या है, भले ही मैच की परिस्थितियां किसी भी तरह की हों। उन्होंने कहा कि टी20 में आपको मानसिक रूप से खेल में हमेशा आगे रहना होता है और मैं इसे काफी अहमियत देता हूं। मैच से पहले मैंने सोचा कि मैच के दौरान किस तरह के हालात हो सकते हैं और पिच कैसे बर्ताव कर सकती है। गायकवाड़ ने कहा कि माही भाई हमेशा जोर देते हैं कि हमें मैच के दौरान मन को ज्यादा भटकाना नहीं चाहिए क्योंकि एक सलामी बल्लेबाज के लिए टी20 मैच में भी खेलने के लिए काफी समय होता है। गायकवाड़ ने यशस्वी जायसवाल के साथ दूसरे और चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में क्रमशः 77 और 50 रन की साझेदारी निभाई।

न्यूकासल ने मैनचेस्टर यूनाईटेड को हराया, आर्सेनल को चार अंक की बढ़त

लंदन । खिलाड़ियों की चोटों से जूझने के बावजूद न्यूकासल यूनाईटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में शनिवार को यहां मैनेचस्टर यूनाईटेड को 1-0 से हरा दिया । न्यूकासल के मैनेजर एडी होवे को लगातार तीसरे मैच में समान एकादश के साथ शुरुआत करने को मजबूर होना पड़ा लेकिन उनके खिलाड़ी उम्मीद पर खरे उतरते हुए जीत दर्ज करने में सफल रहे । मैच का एकमात्र गोल 55वें मिनट में एंथोनी गोर्डन ने किया जो न्यूकासल को जीत दिलाने के लिए काफी था । इस बीच आर्सेनल ने वोल्वरहैम्पटन को 2-1 से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर अपनी बढ़त बरकरार रखी है । आर्सेनल की ओर से बुकायो साका और मार्टिन ओडेगार्ड ने गोल दागे । आर्सेनल की टीम 14 मैच में 33 अंक के साथ शीर्ष पर है । मैनचेस्टर सिटी 29 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है लेकिन उसने आर्सेनल से एक मैच कम खेला है । न्यूकासल की टीम आर्सेनल से सात अंक पीछे पांचवें पायदान पर है जबकि मैनचेस्टर यूनाईटेड सातवें नंबर पर है । अन्य मुकाबलों में बर्नले ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे शेफील्ड यूनाईटेड को 5-0 से हराया जबकि एवर्टन ने नॉटिंघम फॉरेस्ट को 1-0 से शिकस्त दी । बर्नले के जे रोड्रिग्ज ने इस दौरान 16 सेकेंड के भीतर गोल दागा ।

लीग वन मैच के दौरान हिंसा से जुड़े मामले में नैनटेस समर्थक की मौत

नैनटेस (फ्रांस) । फ्रांस में घरेलू फुटबॉल के मौजूदा सत्र में हिंसा की नवीनतम घटना में नीस पर 1-0 से जीत से पहले हुई हिंसा में नैनटेस के एक समर्थक की शनिवार को मौत हो गई । लीग वन (देश की शीर्ष फुटबॉल लीग) की टीम नैनटेस ने रात में एक बयान में कहा कि क्लब स्टेडियम के करीब यह प्रशंसक हमले में 'गंभीर रूप से घायल' हो गया था । क्लब ने कहा, 'हिंसा का यह मामला न्यायिक जांच का विषय है। इस 31 साल के प्रशंसक की पीठ में गंभीर चोट लगी थी। आपातकालीन सेवाओं की मदद के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका।' नैनटेस ने कहा कि सरकारी अभियोजक के कार्यालय ने हत्या की जांच शुरू कर दी है । नैनटेस ने हालांकि नीस के खिलाफ इस मैच को 1-0 से जीता । मौजूदा सत्र में 14 मैचों में नीस की पहली हार है । फ्रांस की खेल मंत्री अमेली औडेया-कैस्टेरा ने 'एक्स' पर इसे 'बहुत दुखद' करार देते हुए लिखा, 'मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, उनके परिजनों और स्टेडियम में मौजूद उनके दोस्तों के साथ हैं ।' फ्रांस में पिछले दो सत्र के दौरान स्टेडियम में हिंसा की घटनाएं बढ़ीं है । इस से पहले अक्टूबर में मोंटपेलियर में प्रशंसक ने मैदान में पटाखा फेंक दिया जिसके कारण मैच को बीच में रोकना पड़ा । यह पटाखा क्लेरमोट के गोलकीपर मोरी डियाव के करीब फूटा जिसके बाद उन्हें स्ट्रेचर की मदद से बाहर ले जाया गया । वह हालांकि गंभीर रूप से चोटिल नहीं हुए थे । इस घटना के कुछ सप्ताह के बाद मार्सिले में प्रशंसकों ने लियोन के खिलाड़ियों को ले जा रही बस पर पत्थर से हमला किया । इस घटना में लियोन के कोच फाबियो ग्रोसो का चेहरा लहूलुहान हो गया था ।

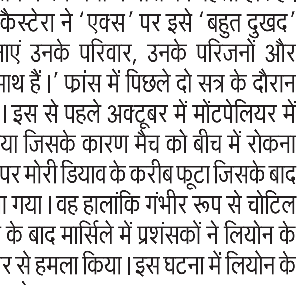

विश्वकप में मिली शौहरत पर रचिन ने कहा, मैं आज भी जमीन पर

मुंबई (एजेंसी)। वर्ल्डकप 2023 में न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र ने एक गुमनाम से प्लेयर के तौर पर आए थे, लेकिन टूर्नामेंट में जबर्दस्त प्रदर्शन के बाद हर कहीं उनके नाम की चर्चा है। रचिन ने टूर्नामेंट के 10 मैचों में 64.22 के औसत से 578 रन बनाए जिसमें तीन शतक शामिल रहे। बल्ले से प्रदर्शन के अलावा खेल के प्रति अपनी अप्रोच और तकनीक से भी 24 साल के रचिन रवींद्र ने सभी को प्रभावित किया।

हालांकि वर्ल्डकप में मिले नाम और शोहरत के बावजूद रचिन ने अपने 'पैर' जमीन पर ही रखे हैं। उन्होंने कहा, मैं अभी भी वहीं रचिन हूं। अपनी टीम के साथियों और परिवार के साथ समय बिताता हूं। उम्मीद है कि इससे मेरी जिंदगी में कुछ भी बदलाव नहीं आएगा।

रचिन ने कहा, हांज्यह जरूर है कि मुझे लोगों का कुछ ज्यादा अटेंशन मिलता है। वे फोटो और ऑटोग्राफ के लिए कहते हैं। मुझे लगता है कि जब आप कुछ मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए तब ऐसा होना स्वाभाविक है। रचिन ने स्वीकार किया कि पिता की क्रिकेट में रुचि होने के कारण वे इस खेल से जुड़े। उन्होंने कहा, 'मेरे पिता क्लब क्रिकेट खेले, वे क्रिकेट देखना काफी पसंद करते थे। घर के आसपास इसका माहौल था, मैंने उन्हीं से क्रिकेट को पैशन बना लिया। हालांकि उन्हें कभी भी मुझे क्रिकेट खेलने का दबाव नहीं डाला लेकिन स्वाभाविक रूप से मैं इससे जुड़ गया।

सफलता मिलने पर पिता की प्रतिक्रिया के बारे में रचिन ने कहा, 'मेरे करीबी अन्य सभी लोगों की तरह वे भी बेहद खुश थे और गर्व महसूस कर रहे थे लेकिन वे इसे (अपने इमोशंस को) काफी हद तक सीने में ही रखते हैं। मेरी मां भी बहुत खुश थी। मेरे दोस्तों का ग्रुप ने हर मैच को देखा, वे ग्रुप चेट में इस बारे में बात भी करते थे। रचिन ने वर्ल्डकप के कुछ मैचों में नंबर तीन पर बैटिंग की, जिस पर सामान्यतः टीम के कप्तान केन विलियमसन करते थे। इस बारे में रचिन ने विलियमसन की प्रशंसा की और अच्छा लीडर बताया। रचिन ने कहा कि केन जो कहते हैं, वह करते हैं। चोटिल होने के कारण जब वे नहीं खेल रहे थे तब भी उनका रोल और लीडरशिप अहम थी।

रचिन ने बताया, 'इंग्लैंड के खिलाफ टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच के एक दिन पहले, मुझे ट्रेनिंग के दौरान पता चला कि मैं इस मैच में खेल रहा हूं और मुझे नंबर तीन पर बैटिंग करनी है। अपने पहले वर्ल्डकप मैच में डेव (डेवोन कान्वे) के साथ बैटिंग करना अच्छा रहा। वे मेरे आदर्श हैं और मैं उनके काफी करीब हूं। डेव के साथ 200 से अधिक रनों की पार्टनरशिप करना अच्छा रहा।

हज के लिए फार्म भरने की शुरूआत 10 दिसंबर से

फिरोजाबाद । हज 2024 की पालिसी का ऐलान हो गया है। इस्लामिक सेंटर ने इसे लेकर मुस्लिम लोगों के लिए जानकारी दी है। इस्लामिक सेन्टर के सचिव हज कमेटी के मास्टर ट्रेनर मौलाना आलम मुस्तफा याकूबी ने कहा कि हज के लिए फार्म भरने की शुरूआत 10 दिसम्बर से हो सकती है। उन्होंने बताया कि हज पर जाने के लिए हज पॉलिसी की जानकारी जारी की है। हज आवेदन बिल्कुल फ्री होगा। इसके लिये ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे। हज की यात्रा 30 से 45 दिन की होगी। हज की यात्रा के लिए 25 एयरपोर्ट होंगे। हज में बिना मेहरम के भी महिलाएं जा सकेंगी। 45 साल से अधिक उम्र की महिला अब अकेले हज पर जाने को आवेदन कर सकती हैं। वर्ष 2016 से पहले हज पर जाने के लिए मेहरम का होना अनिवार्य था। इस बार चार महिलाओं का समूह एक साथ हज के लिए जा सकेगा।

फर्जी ऑफर और डिस्काउंट से लोगों को बचाने सरकार ने डार्क पैटर्न पर लगाया बैन

नई दिल्ली । सरकार ने फर्जी ऑफर व जाली डिस्काउंट से लोगों को बचाने कड़े कदम उठाए हैं। मिली जानकारी के अनुसार सरकार ने उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने के लिए ई-कॉमर्स मंचों पर 'डार्क पैटर्न' के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। बताया जा रहा है कि कंपनियां या कारोबारी 'डार्क पैटर्न' के जरिए ग्राहकों को धोखा देने या उनके व्यवहार अथवा पसंद को प्रभावित करने की कोशिश करते है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने 30 नवंबर को इस संबंध में 'डार्क पैटर्न रोकथाम एवं विनियमन दिशानिर्देश' के लिए गजट अधिसूचना जारी की। यह अधिसूचना भारत में वस्तुओं और सेवाओं की पेशकश करने वाले सभी मंचों और विज्ञापनदाताओं तथा विक्रेताओं पर भी लागू है। जारी किए गए नए दिशानिर्देशों के मुताबिक डार्क पैटर्न का सहारा लेना उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन होगा। इसे भ्रामक विज्ञापन या अनुचित व्यापार व्यवहार माना जाएगा। ऐसा करने पर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार जुर्माना लगाया जाएगा। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि ई-कॉमर्स बढ़ने के साथ ही उपभोक्ताओं को उनकी खरीदारी के विकल्पों और व्यवहार में हेरफेर करके गुमराह करने के लिए मंचों द्वारा डार्क पैटर्न का तेजी से इस्तेमाल किया जा रहा है। सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि अधिसूचित दिशानिर्देश सभी हितधारकों- खरीदारों, विक्रेताओं, बाजारों और नियामकों के लिए स्पष्टता लाएंगे कि अनुचित व्यापार गतिविधियों के रूप में क्या स्वीकार्य नहीं है। इनका उल्लंघन करने वाला उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उत्तरदायी होगा। ग्राहकों को लुभाने के लिए ई-कॉमर्स कंपनियां कई तरीके अपनाती हैं, जैसे कई बार ग्राहकों के शॉपिंग कार्ट में कोई प्रोडक्ट खुद-ब-खुद जुड़ जाता है। कई बार लोगों को ऑर्डर करने से पहले प्रोडक्ट से जुड़े अन्य फीस या खर्चों के बारे में नहीं बताया जाता। कई बार लोगों को ललचाने के लिए उनके वॉलेट में पैसे एड किए जाने का मैसेज भेजा जाता है। कई बार किसी खास प्रोडक्ट पर डिस्काउंट के लिए 'सिर्फ एक घंटे का समय बचा है' लिखा होता है। इस तरह के शोषण से बचाने के लिए यह कदम सरकार ने उठाया है।

अतीक हत्याकांड के छह आरोपी अभी भी नहीं पकड़ाए, कई एजेंसियां कर रही काम

लखनऊ। कई इजेंसियों के काम करने के बावजूद भी अतीक हत्याकांड के छह आरोपी पुलिस की गिरफ्त से दूर बने हुए हैं। गौरतलब है कि वकील उमेश पाल, गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद और उनके भाई अशरफ की हत्याएं इस साल उत्तर प्रदेश के सबसे चर्चित अपराध मामलों में से एक रही हैं। फरवरी में प्रयागराज में उमेश पाल की हत्या हुई थी, जबकि अप्रैल में उसी शहर में अतीक और अशरफ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। कई एजेंसियों द्वारा मामलों की छानबीन करने के बावजूद छह मुख्य आरोपी अभी भी पुलिस की पहुंच से बाहर हैं। छह वांछित व्यक्तियों में शूटर साबिर, गुड्डू मुस्लिम, अरमान और तीन महिलाएं शाइस्ता परवीन, जैनब और आयशा नूरी शामिल हैं, सभी पर साजिश रचने का मामला दर्ज किया गया है। जहां गुड्डू मुस्लिम, अरमान और साबिर के सिर पर 5-5 लाख रुपये का नकद इनाम है, वहीं शाइस्ता परवीन पर भी 50,000 रुपये का इनाम है। जैनब (मारे गए अशरफ की पत्नी) और आयशा नूरी (अशरफ की बहन) के सिर पर कोई नकद इनाम नहीं है। गौरतलब है कि 24 फरवरी को बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह वकील उमेश पाल सुलेमसराय इलाके में उनके आवास के बाहर हत्या कर दी गई थी। हालांकि, पुलिस ने कथित तौर पर गोलीबारी में शामिल असद (अतीक अहमद का बेटा), गुलाम (शूटर), उस्मान उर्फ विजय (शूटर) और अरबाज सहित चार मुख्य आरोपियों को अलग-अलग मुठभेड़ों में मार गिराने का दावा किया है, सनसनीखेज गोलीबारी के बाद से पुलिस को अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि तीन प्रमुख शूटर, जिनमें गुड्डू मुस्लिम, साबिर और अरमान शामिल हैं, कहां हैं। मामले की जांच में शामिल एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार निशानेबाजों का मुख्य रूप से पता नहीं चल पाया है क्योंकि वे अब मोबाइल फोन का उपयोग नहीं कर रहे हैं जिससे उन्हें ट्रैक करने में मदद मिल सकती थी।

परीक्षा केंद्र में मोबाइल मिलने पर होगी 10 साल की जेल

- शिक्षा मंडल ने पेपर लीक से बचने बनाई रणनीति

भोपाल । पिछले साल की 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक होने का सबसे बड़ा कारण मोबाइल था। इसलिए इस बार परीक्षा केंद्र में मोबाल पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। इसके बाद किसी के पास मोबाइल पाया जाता है तो दस साल तक की सजा होगी। यह कहना है मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के सचिव केडी त्रिपाठी का। गौरतलब है कि साल 2022 की बोर्ड परीक्षा में मोबाइल फोन के माध्यम से पेपर लीक किए गए थे। इस कारण शिक्षा मंडल भोपाल को बदनामी का सामना करना पड़ा था। डूबती प्रतिष्ठा को उभारने के लिए इस बार मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल ने मोबाइल पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं और कहा है कि यदि मोबाइल मिलता है तो उसे दस साल तक की सजा का प्रावधान रहेगा। केंद्राध्यक्ष, सहायक केंद्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक सहित किसी भी स्टाफ को मोबाइल रखने की इजाजत नहीं होगी। इसके साथ ही उन्हें मंडल की परीक्षा कार्य से डिबार भी किया जाएगा। केंद्र में सूचनाओं के अदान-प्रदान के लिए लैंड लाइन फोन लगाए जाएंगे, लेकिन मोबाइल के लिए केंद्र के बाहर एक लोहे की पेटी रखी जाएगी, जिसमें सभी फोन जमा कर रख दिए जाएंगे। ईमेल के जरिये मंडल की कंट्रोलिंग की जाएगी। इसके साथ ही आफलाइन प्रक्रिया भी बंद रहेगी और आनलाइन प्रक्रिया अपनाई जाएगी। गौरतलब है कि इस साल बोर्ड परीक्षा में तकरीबन 17 लाख विद्यार्थी शामिल होने वाले हैं। इसके लिए मंडल व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में लगा हुआ है।

कांग्रेस के अकेले चुनाव लड़ने की वजह से विधानसभा चुनाव के ये परिणाम आए : माकपा

पलक्कड़। केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने हिंदी पट्टी के तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को जीत की ओर बढ़ता देख रविवार को कहा कि भाजपा को हराने के लिए अकेले चुनाव लड़ने के कांग्रेस के निर्णय के कारण ये परिणाम सामने आए हैं। विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के घटक दल माकपा ने यह आरोप भी लगाया कि कांग्रेस में 'अंदरूनी कलह', 'सत्ता की भूख' और उसके कुछ नेताओं के 'भाजपा के गुप्त एजेंट' के रूप में काम करने के कारण राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनावों के नतीजे प्रभावित हुए। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने यहां नव केरल सदास कार्यक्रम में एक बड़ी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब उन तीन राज्यों में भाजपा जैसे दुश्मन से सामना होना था, तो जितना संभव हो सकता था संयुक्त मोर्चा बनाना चाहिए था। विजयन ने कहा, ऐसा करने के बजाय, कांग्रेस ने सोचा कि वह पहले ही जीत चुकी है, वह एक बड़ी शक्ति है और उसे कोई नहीं हरा सकता। यही सोच उसे वर्तमान पतन की ओर ले गई। उन्होंने कहा कि उन राज्यों में चुनावों की घोषणा के बाद, सभी गणनाओं से संकेत मिला था कि लोग नहीं चाहते कि भाजपा वहां सत्ता में आए और भगवा पार्टी के लिए एक बड़ा झटका सुनिश्चित करना संभव था। विजयन ने कहा हालांकि कांग्रेस सभी धर्मनिरपेक्ष ताकतों को एकजुट करने के लिए तैयार नहीं थी और इस रुख के परिणामस्वरूप वर्तमान स्थिति उत्पन्न हुई। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि कांग्रेस के नेता कमलनाथ ने सांप्रदायिक कृत्यों का विरोध करने के बजाय उनका समर्थन करके मध्य प्रदेश में भाजपा की 'बी' टीम के रूप में काम किया।

भारत में होने वाले एक्सीडेंट की घटना के लिए नितिन गडकरी ने खराब इंजीनियरिंग को बताया दोषी

गांधीनगर (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को यहां कहा कि भारत में हर साल पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती है, जिनका एक कारण अक्सर दोषपूर्ण सड़क इंजीनियरिंग होती है। गडकरी ने इंजीनियरों से जीवन बचाने के लिए दुर्घटना संभावित सड़कों की इंजीनियरिंग के दोष दूर करने का आग्रह किया।

भारतीय सड़क कांग्रेस के 82वें वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए गडकरी ने गुणवत्ता से समझौता किए बिना वैकल्पिक सामग्री और नवीनतम तकनीक का उपयोग करके निर्माण लागत कम करने और परियोजनाओं को समय पर पूरा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'भारत में सालाना पांच लाख दुर्घटनाएं और डेढ़ लाख लोगों की मौत होती है जबकि तीन लाख लोग घायल होते हैं। इससे देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को तीन प्रतिशत का नुकसान होता है। बलि के बकरे की तरह, हर दुर्घटना के लिए वाहन चालक को दोषी ठहरा दिया जाता है। मैं आपको बता दूं कि अक्सर दुर्घटनाएं सड़क की गलत इंजीनियरिंग की वजह से होती हैं।'

उन्होंने कहा कि सड़कों का निर्माण करते समय यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उनकी ठीक से इंजीनियरिंग की जाए। गडकरी ने कहा, ÷मैं भी एक दुर्घटना का शिकार हो गया था और मेरी चार हड्डियां टूट गई थीं। कई लोग मर रहे हैं। दुर्घटना में होने वाली मौतों में 60 प्रतिशत मौतें 18 से 34 वर्ष की आयु के लोगों की होती हैं और उनमें से कई इंजीनियर और डॉक्टर हो सकते हैं। क्या यह देश के लिए अच्छा है ? क्या आप इंजीनियर के तौर पर स्वत÷ संज्ञान लेते हुए दुर्घटना के कारणों को दूर कर सकते हैं? मैं आपसे दोषपूर्ण इंजीनियरिंग के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए काम करने का अनुरोध करता हूं।

पीएम मोदी पर कटाक्ष करना पड़ा महंगा : स्मृति ईरानी

नई दिल्ली । हिंदी बेल्ट के तीन राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा जीतती दिख रही है। इसीलिये भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह है। वह लगातार जश्न मना रहे हैं। हालांकि कांग्रेस तेलंगाना में सरकार बनाने की स्थिति में है। उत्साहित भाजपा नेता मीडिया में बयान दे रहे हैं। इन सबके बीच केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने फिर गांधी परिवार पर निशाना साधा है। स्मृति ईरानी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी पर जनता ने जो भरोसा दिखाया है। भाजपा के कार्यकर्ता होने के नाते हम जनता के प्रति कृतज्ञता का भाव रखते हैं। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार ने जिस प्रकार की अभद्र टिप्पणियां प्रधानमंत्री मोदी पर कीं जिस प्रकार का कटाक्ष विपक्ष के नेताओं ने पीएम मोदी पर किया वो कटाक्ष गांधी परिवार को महंगा पड़ा है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह जीत खास है। देश को प्रधानमंत्री मोदी पर विश्वास है। इन चुनावों में यह उभरा है कि लोग डबल इंजन की सरकार चाहते हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की गारंटियां फेल हो गईं। भाजपा की डबल इंजन की सरकार पर वापस मुहर लगी है। विपक्ष ने जितना कीचड़ उछाला, उतना ही मोदी जी निखर कर आए और उतना ही कमल खिला है। पीयूष गोयल ने कहा कि भारत के 4 राज्यों की जनता ने फिर एक बार अपना आशीर्वाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया है। ये सामान्य विजय नहीं है। मध्य प्रदेश में भाजपा की ऐतिहासिक बढ़त हुई है। प्रधानमंत्री मोदी हैं तो मुमकिन है। देश का हर युवा, महिला, हर गरीब आज इस बात से सहमत हो चुका है। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी उम्मीदवार नरेंद्र सिंह तोमर का कहना है कि मध्य प्रदेश में शानदार जीत के लिए मैं राज्य की जनता को धन्यवाद देना चाहता हूं। ये पीएम मोदी की लोकप्रियता की जीत है।

करीब चार दशक से गैस त्रासदी के दुष्परिणाम भुगत रहा भोपाल

-39वीं बरसी पर संबंधित संगठनों ने मशाल जुलूस निकालकर प्रभावितों के समर्थन में किया नारेबाजी

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश की राजधानी स्थित अमरीकी कंपनी यूनियन कार्बाइड कारखाने से 2 और 3 दिसंबर 1984 की दरम्यानी रात्रि विषैली मिथाइल आइसो सायनाइड गैस के दुष्परिणाम करीब चार दशक में भी थमता नजर नहीं आ रहा। यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों की कमी पर फैक्ट्री संचालकों और प्रशासन की निष्क्रियता के चलते भोपाल रेलवे स्टेशन से करीब दो किलोमीटर की दूरी पर घनी आबादी के बीच यूनियन कार्बाइड संयंत्र से करीब 35 टन मिथाइल आइसोसाइनेट का रिसाव से छह लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए।

भोपाल के एक प्रबुद्ध नागरिक ने बताया कि विश्व इतिहास की सबसे भीषण औद्योगिक आपदाओं में शामिल इस त्रासदी से करीब दो वर्ष पहले भी वहां छोटे पैमाने पर रिसाव की घटना घट चुकी थी जिसमें एक कर्मचारी को जान गंवानी पड़ी थी।

मृतकों का सरकारी आंकड़ा भले ही करीब 3800 है लेकिन विभिन्न अनुमानों के मुताबिक तकरीबन 15000 लोगों की जान लेने वाले इस आपराधिक घटनाक्रम के 39 साल बाद भी हजारों की तादाद में गैस पीड़ित सांस की बीमारियों तथा अल्सर एवं विकलांगता से जूझ रहे हैं। बहुत बड़ी तादाद में जहरीला कचरा आज भी आसपास के इलाके के रहवासियों के लिए जोखिम बना हुआ है।

विश्व की भीषणतम गैस त्रासदी में शुमार भोपाल गैस त्रासदी की 39वीं बरसी में शनिवार को भोपाल शहर में गैस पीड़ितों के बीच काम करने वाले संगठनों ने यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री तक मशाल जुलूस निकालकर इससे प्रभावित लोगों की बुनियादी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की।

इस दौरान भोपाल गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी संघ की अध्यक्ष रशीदा बी ने कहा, 'यूनियन कार्बाइड और डॉव केमिकल्स ने गैस पीड़ितों के बच्चों में जन्मजात विकृतियों और उनके स्वास्थ्य को पहुंचे नुकसान के लिए अब तक कोई मुआवजा नहीं दिया है। कंपनी ने कारखाने से पांच किलोमीटर दूर तक मिट्टी और भूजल प्रदूषण के लिए भी कोई हर्जाना नहीं चुकाया है।'

भोपाल ग्रुप फॉर इंफॉर्मेशन ऐंड एक्शन की रचना ढींगरा ने कहा, 'सर्वोच्च न्यायालय का सन 1991 को आदेश साफ कहता है कि केंद्र सरकार को गैस पीड़ितों के मुआवजे की कमी का भुगतान करना चाहिए। जब सरकार यूनियन कार्बाइड की हर्जाना राशि को अपर्याप्त बता चुकी है तो उसे गैस पीड़ितों को उनके हक का हर्जाना देना चाहिए।'

'भोपाल गैस कांड के आपराधिक मामले में इस वर्ष अक्टूबर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि तब हासिल हुई जब गत तीन अक्टूबर को 18 वर्षों में पहली बार द डॉव केमिकल कंपनी ने एक भगोड़े को शरण देने के आरोप में भोपाल जिला अदालत की ओर से जारी समन का जवाब दिया। यूनियन कार्बाइड कॉर्पोरेशन को 1992 में गैर इरादतन हत्या तथा अन्य आरोपों में भगोड़ा घोषित किया गया था। सन 2001 में डॉव केमिकल ने इस कंपनी का अधिग्रहण कर लिया था।' बीते 27 सालों से गैस पीड़ितों को निशुल्क चिकित्सा उपलब्ध करा रहे भोपाल के संभावना ट्रस्ट क्लीनिक में पंजीयन का काम करने वाले नितेश दुबे के अनुसार आज भी करीब डेढ़ लाख लोग गैस जनित पुरानी बीमारियों से जूझ रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल का दावा: लोकसभा चुनाव में पंजाब की सभी सीटें जीतेंगे

गुरदासपुर (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का दावा है कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी पंजाब की सभी 13 लोकसभा सीटें जीतेगी। इसकी वजह बताते हुए केजरीवाल ने कहा है पंजाब में जिस तरह से विकास कार्य हो रहे है उससे राज्य में खुशहाली आई है। पंजाब की जनता आम आदमी पार्टी के कार्यों से काफी खुश है। इसलिए यहां की सभी लोकसभा सीटों पर जनता का अशीर्वाद आप को मिलेगा। केजरीवाल गुरदासपुर में आयोजित विकास क्रान्ति रैली में बोल रहे थे।

सरहदी जिलों गुरदासपुर और पठानकोट के विकास को बढ़ावा देने के लिए 1854 करोड़ के प्रोजेक्टों का उद्घाटन भी किया गया। इस मौके पर पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के सभी वर्गों के लोगों का इतनी बड़ी संख्या में यहां एकत्रित होना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इस धरती को गुरू साहिबान की बख़्शीश है और यहाँ के लोग स्वभाव पक्ष से बहादुर और मेहनती हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि चाहे इस इलाके से चुने हुए नेता हमेशा अहम पदों पर रहे परन्तु उन्होंने कभी भी इस क्षेत्र और इसके लोगों के विकास की परवाह नहीं की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम लोगों की भलाई के उद्देश्य वाले प्रोजेक्टों को राज्य सरकार की तरफ से सबसे अधिक प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि पिछले समय में प्रोजैक्ट सिर्फ़ कागज़ों तक सीमित रहते थे और उनका आम लोगों की भलाई के साथ कोई सरोकार नहीं था।

सीएम मान ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रशासनिक कामकाज में आर्टीफिशल इंटेलिजेंस के प्रयोग की शुरुआत की है, जिससे सिर्फ़ सड़कों के तख़मीनों(मरम्मता आ आंकलन) में से ही सरकार ने 163.26 करोड़ रुपए की बचत की है और 546 किलोमीटर ऐसी सड़कों का पता चला है, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी के पैसे की यह लूट रुकी है और अब करदाताओं का पैसा निगलनें वालों के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की नीतियों के कारण लोग हमेशा हमारी पार्टी की हिमायत करते हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि लोगों के प्यार के कारण ही पार्टी को अपने अस्तित्व के केवल 11 सालों में ही राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नौजवानों के लिए नौकरियों के मौके, मानक शिक्षा और लोगों के लिए अच्छी सेहत सहूलतें, औद्योगिक और अन्य क्षेत्रों के लिए अधिक से अधिक निवेश जुटा कर 'रंगला पंजाब' बनाने के लिए पूरी शिद्दत के साथ कोशिशें कर रही है।

विभाजन के कारण कई जिंदगियां गंवाई : बीरेन सिंह

-मुख्यधारा में शामिल यूएनएलएफ के स्वागत में आयोजित समारोह

इम्फल (एजेंसी)। मणिपुर में शांति पहल संबंधी त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर के चार दिन बाद शनिवार को उग्रवादी संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) कैडरों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए राज्य सरकार ने स्वागत समारोह आयोजित किया। इंफाल के कांगला में आयोजित स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने इसे प्रेरक बताते हुए अन्य उग्रवादी संगठनों से भी शांति प्रक्रिया में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि शांति प्रक्रिया में शामिल होने के इच्छुक किसी भी संगठन के लिए सरकार सुविधा प्रदाता के रूप में काम करने को तैयार हैं। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन और सलाह के तहत यूएनएलएफ के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर प्रक्रिया में लगभग तीन साल लग गए। सिंह ने उचित सत्यापन के बिना सोशल मीडिया के माध्यम से गलत सूचना फैलाने के खिलाफ भी अपील करते हुए कहा कि इससे समाज में शांति भंग हो सकती है। मुख्यमंत्री ने लोगों से माफ करने और भूल जाने के अपने पहले के आह्वान को दोहराते हुए कहा कि हम लंबे समय से विभाजित होकर रह रहे हैं और विभाजन के कारण हमने कई कीमती जिंदगियां खो दी हैं, आइए, हम बलिदान देना सीखें।

अयोध्या में श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनकर तैयार

-रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले शुरु होंगी उड़ानें

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में बन रहा मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट लगभग बनकर तैयार है। इसके प्रथम चरण का निर्माण कार्य 15 दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। इस एयरपोर्ट के टर्मिनल का डिजाइन राम मंदिर जैसा है। 22 जनवरी को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले इसकी सेवाएं शुरु कर दी जाएगी। कल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हवाई अड्डे का निरीक्षण किया।

कल सीएम योगी व केंद्रीय मंत्रियों ने हवाई अड्डे के निर्माण से जुड़े प्रस्तुतिकरण को देखा और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बताया कि अयोध्या में बन रहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण का निर्माण कार्य 15 दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। अयोध्या में पहले मात्र 178 एकड़ में छोटी सी हवाई पट्टी थी जिसे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में तैयार किया गया है। 821 एकड़ भूमि राज्य सरकार की ओर से उपलब्ध कराने के बाद भारतीय विमानपत्तन

प्राधिकरण द्वारा नये हवाई अड्डे का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप नये भारत की नयी अयोध्या बन रही है। अयोध्या के विकास कार्यां एवं समीक्षा के लिए वह समय-समय पर अयोध्या आते रहते हैं। देश और दुनिया के साथ अयोध्या की कैसी कनेक्टिविटी होनी है इसके लिए वह केंद्रीय नागर विमानन मंत्री व केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री के साथ अयोध्या हवाई अड्डे का निरीक्षण करने के लिए पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री के निर्देशन में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अयोध्या हवाई अड्डे के निर्माण कार्य को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ा रही है। साथ ही श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मन्दिर के लोकार्पण के पूर्व अयोध्या को वायु सेवा से जोड़ने के जिस लक्ष्य को लेकर वह चले हैं।

चक्रवाती तूफान मिगजॉम में बदला, इसके 5 दिसंबर को आंध्र प्रदेश से टकराने की आशंका

भुवनेश्वर (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी के ऊपर गहरा दबाव क्षेत्र रविवार को चक्रवाती तूफान मिगजॉम में बदल गया है। इसके 5 दिसंबर तक दक्षिण आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की आशंका है। इस दौरान 80-90 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चल सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बुलेटिन में यह जानकारी दी। उसने बताया कि इस चक्रवात के कारण दक्षिणी ओडिशा के अधिकतर हिस्सों में एवं राज्य के तटीय क्षेत्र में भारी बारिश की संभावना है।

चक्रवात मिगजॉम नाम म्यांमा ने सुझाया है और इसका अर्थ ताकत या लचीलापन है। मौसम एजेंसी ने कहा कि दबाव क्षेत्र के कारण बनी प्रणाली पिछले 6 घंटों में 5 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ी और एक चक्रवाती तूफान में बदल गई। जो सुबह साढ़े 5 बजे पुडुचेरी से लगभग 300 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व, चेन्नई से 310 किलोमीटर दक्षिणपूर्व, नेल्लोर से 440 किलोमीटर दक्षिणपूर्व, बापटला से 550 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व और मछलीपट्टनम से 550 किलोमीटर दक्षिणपूर्व में केंद्रित थी।

इसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए और तेज होने और 4 दिसंबर की दोपहर तक दक्षिणी आंध्र प्रदेश और उत्तरी तमिलनाडु तटों के पास पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में पहुंचने की संभावना है। बुलेटिन में कहा गया है कि इसके बाद यह उत्तर की ओर दक्षिणी आंध्र प्रदेश तट के लगभग समानांतर एवं करीब बढ़ेगा तथा पांच दिसंबर को पूर्वाह्न में 80-90 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से एक चक्रवाती तूफान के रूप में नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच दक्षिण आंध्र प्रदेश तट से टकराएगा।

इसके प्रभाव से ओडिशा में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होगी तथा 4 से 6 दिसंबर के दौरान दक्षिण तटीय और आसपास के दक्षिण आंतरिक ओडिशा में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। 5 दिसंबर को उसी क्षेत्र में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र भुवनेश्वर के एक अधिकारी ने कहा कि इसके प्रभाव से ओडिशा में 3 दिसंबर को बारिश फिर से शुरू हो सकती है।

उन्होंने कहा कि रविवार को तटीय ओडिशा, नबरंगपुर, कालाहांडी और कंधमाल जिलों में एक या दो स्थानों पर या मलकानगिरी, कोरापुट, रायगडा, गजपति और गंजाम में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होगी। राज्य में 4 दिसंबर को मलकानगिरी, कोरापुट, रायगढ़ा, गजपति और गंजाम में एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना के मद्देनजर आईएमडी ने येलो अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने बताया कि इसी तरह से मलकानगिरी, कोरापुट, रायगढ़ा, गजपति, गंजाम एवं पुरी में कई स्थानों पर मध्यम बारिश और गरज के साथ वर्षा का अनुमान है। कंधमाल, नबरंगपुर, कालाहांडी, नयागढ़, खुर्दा, जगतसिंहपुर और कटक में कुछ स्थानों

पर गरज के साथ बारिश हो सकती है।

आईएमडी ने 5 दिसंबर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। उसने पूर्वानुमान जताया कि मलकानगिरी, कोरापुट, रायगढ़ा, गजपति और गंजाम के 5 जिलों में एक-दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। राज्य सरकार ने सभी तटीय और दक्षिणी जिलाधिकारियों को अलर्ट पर रखा है। कृषि विभाग के तहत कार्यरत कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। ईसीओआर ने बारिश और हवा की संभावना को देखते हुए अपने अधिकार क्षेत्र में 54 ट्रेनों का परिचालन रद्द कर दिया है। मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे अगली सूचना दिए जाने तक समुद्र में न जाएं क्योंकि समुद्र में स्थिति बेहद खराब रहेगी।

यात्री बस पर आतंकियों ने की अंधाधुंध गोलीबारी, 10 की मौत, 25 घायल

रावलपिंडी। पाकिस्तान में एक यात्री बस पर आतंकियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। इसमें 10 लोगों की मौत हो गई जबकि 25 अन्य घायल हो गए हैं। यह घटना गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में काराकोरम राजमार्ग की बताई जा रही है। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए डायमेर के डिप्टी कमिश्नर कैप्टन (सेवानिवृत्त) आरिफ अहमद ने कहा कि घटना शनिवार शाम 6:30 बजे चिलास के हुदुर इलाके में हुई, जब आतंकवादियों ने बस पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू की, जिससे चालक ने नियंत्रण खो दिया और बस सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई। अधिकारी ने कहा कि हमले में मारे गए अधिकांश यात्री देश भर से थे, जिनमें कोहिस्तान, पेशावर, गुज़्र, चिलास, राउंडु, स्कर्दू, मनसेहरा, स्वाबी और सिंध के एक या दो लोग शामिल थे। डायमेर के डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि हमले में मारे गए लोगों में दो सैनिक भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि स्पेशल प्रोटेक्शन यूनिट का एक सदस्य भी घायल हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डायमर के पुलिस अधीक्षक सरदार शहरयार ने कहा कि घटनास्थल पर सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले लोग काराकोरम हाईवे (केकेएच) पुलिस कर्मी थे। एसपी ने बताया कि घटनास्थल पर मौजूद अन्य वाहनों को काफिले के रूप में वहां से ले जाया गया। जिस जगह पर हमला हुआ था, वहां सबूत इकट्ठा करने के लिए घेराबंदी कर दी गई है। घायल लोगों को क्षेत्रीय मुख्यालय अस्पताल चिलास में भर्ती कराया गया है, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक किसी भी समूह ने तत्काल हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है और गोलीबारी का मकसद स्पष्ट नहीं है। इधर सीएम हाजी गुलबार खान ने घटना की निंदा की और यात्री बस पर हुए हमले को आतंकवाद की कायरतापूर्ण कार्रवाई करार दिया।

फिलिस्तीन समर्थक रैली के दौरान टिप्पणियों के लिए सुसान सरंडन ने मांगी माफी

लॉस एंजेलिस। पिछले महीने न्यूयॉर्क में फिलिस्तीन समर्थक रैली में की गई विवादास्पद टिप्पणियों के लिए एक्ट्रेस सुसान सरंडन ने माफी मांगी है। बता दें कि 17 नवंबर की रैली में एक्ट्रेस ने कहा था कि ऐसे बहुत से लोग हैं जो डरे हुए हैं, जो यहूदी होने से डरे हुए हैं और इस देश में मुस्लिम होना कैसा होता है, इसका अनुभव कर रहे हैं, जिन्हें अक्सर हिंसा का शिकार होना पड़ता है। हालांकि हॉलीवुड एजेंसी यूटीए ने बाद में टिप्पणियों के कारण सरंडन को क्लाइंट के रूप में हटा दिया। इस संबंध में देर रात इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट पर सरंडन ने लिखा कि मेरा इरादा सभी प्रकार की कट्टरता के खिलाफ संघर्ष में एकजुटता दिखाने का था, और मुझे खेद है कि मैं ऐसा करने में विफल रही। सरंडन ने लिखा, हाल ही में, मैंने गाजा में तत्काल मानवीय संकट को उजागर करने और युद्धविराम का आह्वान करने वाले कार्यकर्ताओं के एक विविध समूह के साथ एक रैली में भाग लिया। उन्होंने कहा कि मैंने भाषण के बारे में कुछ भी नहीं सोचा था लेकिन मुझे स्टेज पर आने और कुछ शब्द कहने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि बढ़ती नफरतों के प्रति अपनी चिंता व्यक्त करते हुए, मैंने कहा कि यहूदी-अमेरिकियों, बढ़ती यहूदी-विरोधी नफरत के लक्ष्य के रूप में, इस देश में मुस्लिम होना कैसा होता है, इसका अनुभव ले रहे हैं, उन्हें अक्सर हिंसा का शिकार होना पड़ता है। यह टिप्पणी एक बड़ी गलती थी, क्योंकि सच्चाई इसके विपरीत है। जैसा कि हम सभी जानते हैं, यूरोप में सदियों से चले आ रहे उत्पीड़न और नरसंहार से लेकर पिट्सबर्ग, पीए में ट्री ऑफ लाइफ की शूटिंग तक, यहूदी लंबे समय से भेदभाव और धार्मिक हिंसा से परिचित हैं जो आज भी जारी है। मुझे इस टिप्पणी से लोगों को ठेस पहुंची, इसका मुझे गहरा अफसोस है।

गिलगित बल्तिस्तान में यात्रियों से भरी बस पर आतंकियों ने की फायरिंग 8 की मौत, 26 घायल

पेशावर। पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित बल्तिस्तान में आतंकियों ने यात्रियों से भरी बस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इसमें 8 लोगों की मौत हो गई जबकि 26 यात्री घायल हुए हैं। इसमें से कुछ लोग गंभीर रूप से घायल है। मृतकों में (पाकिस्तानी) सेना के दो जवान भी शामिल हैं और विशेष सुरक्षा इकाई का एक कर्मी भी घायल हुआ है। हमले के बाद आतंकी घटना स्थल से भागने में सफल रहे। हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी भी संगठन ने नहीं ली है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जब बस गिलगित से रावलपिंडी जा रही थी, तभी चिलास में शाम करीब साढ़े छह बजे आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। अधिकारी ने बताया कि हमले के बाद चालक ने बस पर नियंत्रण खो दिया और यह सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई। चिलास के उपायुक्त आरिफ अहमद ने कहा कि हमले में मारे गए आठ लोगों में से अब तक पांच की पहचान हो चुकी है।

एफ-35 फाइटर जेट को एक चिड़िया से टकराना पड़ा महंगा, बन गया कबाड़

-750 करोड़ के लड़ाकू विमान की मरम्मत के कंपनी ने मांगे 900 करोड़ रुपये

सियोल। दुनिया के सबसे महंगे और आधुनिक लड़ाकू विमान एफ-35ए स्टील्थ फाइटर जेट से एक चिड़िया का टकराना महंगा पड़ गया है। क्यों‌ंकि 750 करोड़ के लड़ाकू विमान की मरम्मत के कंपनी ने 900 करोड़ रुपये मांगे है। इस लड़ाकू विमान के चिड़िया से टक्कर होने के बाद कबाड़ में बदलते देखकर पूरी दुनिया के डिफेंस एक्सपर्ट्स हैरान हैं। दर असल दक्षिण कोरियाई वायु सेना ने पिछले साल एक पक्षी से टकराने की घटना में काफी नुकसान होने के बाद एफ-35ए स्टील्थ विमान को अब सेवा रिटायर करने के अपने फैसले की घोषणा की है। जनवरी 2022 में एक ट्रेनिंग के दौरान एक पक्षी के टकराने के बाद एक दक्षिण कोरियाई एफ-35 पायलट को 'बेली लैंडिंग' करने के लिए मजबूर होना पड़ा। जिसके कारण एफ-35 के उड़ान सिस्टम में खराबी आ गई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक उस समय दक्षिण कोरिया की वायुसेना ने खुलासा किया था कि एफ-35 विमान को एक 10 किलो के ईगल ने टक्कर मार दी थी। इस दुर्घटना के कारण हाइड्रोलिक डक्ट और बिजली आपूर्ति केबल क्षतिग्रस्त हो गए। इससे लैंडिंग गियर को चलाने में बाधा पैदा हुई। नतीजतन, विमान को बेली लैंडिंग करनी पड़ी, लेकिन पायलट सुरक्षित रहा। इसके मरम्मत के खर्चों को जानकर दक्षिण कोरिया की एयरफोर्स के होश उड़ गए। विमान को बनाने वाली लॉकहीड मार्टिन कंपनी ने लगभग 300 महंगे और जरूरी उपकरणों को खतरनाक नुकसान होना बताया। कंपनी ने मरम्मत की लागत लगभग 140 अरब वॉन (10.76 करोड़ डॉलर या 900 करोड़ रुपये के बराबर) बताई। जो उसकी खरीद की कीमत करीब 750 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। इसको देखते हुए वायु सेना ने एफ-35 को रिटायर कर देने में ही भलाई समझी है।

सोलर मिशन आदित्य एल1 ने किया काम शुरू, सौर हवाओं का किया अध्ययन

नई दिल्ली। इसरो के सोलर मिशन आदित्य एल1 ने अपना काम शुरू कर दिया है। आदित्य एल1 ने आज एक बड़ी छलांग लगाते हुए सौर हवाओं का अवलोकन करना शुरू कर दिया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने जानकारी देतें हुए कहा कि उपग्रह पर मौजूद आदित्य सोलर विंड पार्टिकल एक्सपेरिमेंट पेलोड ने अपना काम करना शुरू कर दिया है और सामान्य रूप से काम कर रहा है। आदित्य एल1 के एएसपीएक्स में दो उपकरण- सोलर विंड आयन स्पेक्ट्रोमीटर

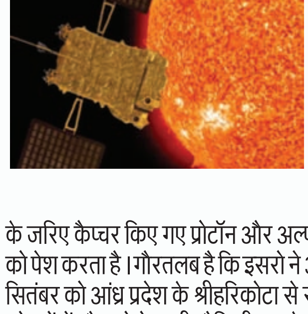

और सुप्राथर्मल एनर्जेटिक पार्टिकल स्पेक्ट्रोमीटर शामिल हैं। इसरो ने कहा कि स्टेप्स ने 10 सितंबर को काम करना शुरू कर दिया था, स्विस उपकरण शनिवार को सक्रिय हो गया और इसने उम्मीद के अनुरूप ही अपना प्रदर्शन किया है। अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने एक्स पर एक फोटो भी डाला है, जो नए पेलोड के जरिए कैप्चर किए गए प्रोटॉन और अल्फा कणों की संख्या में ऊर्जा के अंतर को पेश करता है। गौरतलब है कि इसरो ने अपने सौर मिशन आदित्य एल1 को 2 सितंबर को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से रवाना किया था। इस मिशन के प्रमुख उद्देश्यों में सौर कोरोना की भौतिकी, इसके ताप तंत्र, सोलर विंड की रफ्तार, सौर वायुमंडल के संगठन, गतिशीलता, सौर वायु वितरण, कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई), फ्लेयर्स, पृथ्वी के नजदीक अंतरिक्ष मौसम की उत्पत्ति और तापमान का अध्ययन शामिल है। हालांकि इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा था कि आदित्य एल1 अपने अंतिम चरण के करीब है और एल1 बिंदु में प्रवेश करने की प्रक्रिया सात जनवरी, 2024 तक पूरी होने की उम्मीद है। इसरो प्रमुख ने पहले ध्वनि रॉकेट प्रक्षेपण के 60वें वर्ष के उपलक्ष्य में विक्रम साराबाई अंतरिक्ष केंद्र में आयोजित एक कार्यक्रम के मौके पर कहा था कि 'आदित्य रास्ते में है।

म्यूनिख में भारी बर्फबारी के बाद सड़कों पर बर्फ से ढके वाहन। बर्फबारी के बाद जर्मन बुंडेसलीगा फुटबॉल मैच को रद्द करना पड़ा। मौसम की स्थिति के कारण ट्रेनें रुक गईं और हवाईअड्डा बंद कर दिया गया।

पाकिस्तान में नवंबर में आतंकवादी हमलों में 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी : रिपोर्ट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में नवंबर महीने में आतंकवादी हमलों में 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और इस महीने देश में 63 आतंकवादी हमले हुए। एक थिंक टैंक की रिपोर्ट में रविवार को यह जानकारी दी गई। 'डॉन' समाचार पत्र ने 'पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज' (पीआईसीएसएस) थिंक टैंक के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि नवंबर में 63 आतंकवादी हमलों में 83 लोगों की मौत हुई, जिनमें सुरक्षा बलों के 37 जवान और 33 आम नागरिक शामिल थे। इस्लामाबाद से संचालित थिंक टैंक के अनुसार, नवंबर में आतंकवादी हमलों में 53 आम नागरिकों और सुरक्षा बलों के 36 कर्मियों सहित 89 व्यक्ति घायल हुए। अक्टूबर के आंकड़ों की तुलना में, नवंबर में आतंकवादी हमलों में 34 प्रतिशत की वृद्धि, मृतक संख्या में 63 प्रतिशत की वृद्धि और घायल व्यक्तियों की संख्या में 89 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने नवंबर में कम से कम 59 आतंकवादियों को मार गिराया और कम से कम 18 संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। आंकड़ों के अनुसार, 2023 के पहले 11 महीनों में 2022 की इसी अवधि की तुलना में आतंकवादी हमलों में 81 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस दौरान घायलों की संख्या में भी 64 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से नवंबर 2023 तक हुए 599 आतंकवादी हमलों में कुल 897 लोगों की मौत हुई और 1,241 लोग घायल हुए। पाकिस्तान का अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत आतंकवादी हमलों से सबसे अधिक प्रभावित हुआ और वहां 51 हमलों में 54 लोगों की मौत हुई और 81 लोग घायल हुए। बलूचिस्तान प्रांत में नौ हमले हुए जिनमें 18 लोगों की मौत हुई। इनमें सुरक्षा बलों के 15 जवान और तीन आम नागरिक शामिल थे।

किसी की नहीं सुन रहा इजरायल, भीड़ वाले इलाकों में कर रहा है बमबारी

गाजा (एजेंसी)। गाजा में आम लोगों की सुरक्षा को लेकर कई देशों ने चिंता व्यक्त की है। इन देशों ने इजरायल से अपील की थी कि नागरिकों किसी भी सूरत में हानि नहीं होना चाहिए। इसके बाद भी इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में भीड़ भाड़ वाले ठिकानों पर हमला कर दिया जहां बड़ी संख्या में लोगों को मौत हो गई। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इस क्षेत्र पर शासन करने वाले चरमपंथी संगठन हमास के साथ एक सप्ताह के संघर्ष विराम के बाद शुक्रवार सुबह फिर से शुरू हुई लड़ाई में कम से कम 200 फिलस्तीनी मारे गए हैं। हमास शासित गाजा के मंत्रालय ने अलग से घोषणा की कि सात अक्टूबर को इजराइल-हमास युद्ध की शुरुआत के बाद से गाजा में मरने वालों की कुल संख्या 15,200 से अधिक हो गई है, मरने वालों की पूर्व संख्या 13,300 से काफी अधिक है।

युद्ध के कारण 'कनेक्टिविटी' और अस्पताल संचालन में व्यवधान आने के बाद मंत्रालय ने 11 नवंबर से दैनिक आधार पर कुल मृतकों का आंकड़ा देना बंद कर दिया था। मंत्रालय नागरिकों और लड़ाकों के बीच अंतर नहीं करता है, लेकिन शनिवार को कहा कि मृतकों में 70 प्रतिशत महिलाएं और बच्चे थे। इसने कहा कि पिछले दो महीनों में 40 हजार से अधिक लोग घायल हुए हैं। अस्थायी संघर्ष विराम के टूटने पर इजराइल से उसके निकटतम सहयोगी अमेरिका ने फिलस्तीनी नागरिकों की सुरक्षा के लिए और अधिक प्रयास करने का आग्रह किया था। यह अपील युद्ध के पहले हफ्तों में जबरदस्त हवाई और

जमीनी हमले के बाद आई जिसमें उत्तरी गाजा के बड़े क्षेत्रों को तबाह कर दिया गया और हजारों फलस्तीनी नागरिक मारे गए तथा हजारों लोग विस्थापित हुए। लगभग 20 लाख फलस्तीनी नागरिक, जो गाजा की लगभग पूरी आबादी है, अब क्षेत्र के दक्षिणी आधे हिस्से में सिमटकर रह गये हैं।

इजरायली सेना ने शनिवार को कहा कि उसने हवाई हमले, टैंकों से गोले दागकर और नौसेना की तोपों के जरिये पिछले दिन गाजा में हमास के 400 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया। इसमें गाजा के दक्षिणी हिस्से में स्थित खान यूनिस शहर और आसपास के इलाकों में किये गये 50 से अधिक हमले शामिल थे। कई घर और इमारतों को निशाना बनाया गया। जिस अस्पताल में शव ले जाए गए उसके अनुसार, दक्षिण के दीर अल-बलाह शहर में एक घर पर हुए हमले में तीन बच्चों सहित कम से कम नौ लोग मारे गए। अस्पताल पर रातभर किये गये हवाई हमले में मारे गए दो बच्चों समेत सात अन्य लोगों के शव भी प्राप्त हुए। इस बीच, गाजा में फलस्तीन के आतंकवादी समूहों ने कहा है कि उन्होंने दक्षिणी इजराइल पर रॉकेटों की बौछार की। गाजा पट्टी के निकट समुदायों में सायरन की आवाज़ सुनी गई लेकिन किसी तरह की क्षति या किसी के घायल होने की तत्काल कोई खबर नहीं मिली। वहीं दूसरी तरफ फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शनिवार को दुबई में सीओपी28 जलवायु सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा कि वह आत्म रक्षा के इजरायल के अधिकार को स्वीकार करते हैं, लेकिन नागरिकों पर हमला करने का कोई अधिकार नहीं है।

अमेरिका ने जलवायु शिखर सम्मेलनः इस्राइल-हमास युद्ध पर अमरीकी उपराष्ट्रपति ने जताई चिन्ता

- युद्ध समाप्ति पर विमर्श का किया आह्वान

वाशिंगटन (एजेंसी)। जलवायु पर दुबई में चल रहे शिखर सम्मेलन में अमरीकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने गाजा के हालात पर चर्चा की मांग करते हुए कहा कि अरब के नेताओं और अन्य देशों के प्रमुखों के साथ इस बात पर चर्चा की जाए कि युद्ध का कैसे अंत किया जाए। गौरतलब है कि हमास द्वारा सप्ताह भर के युद्धविराम पश्चात इजरायली सैन्य बलों ने गाजा पट्टी पर कथित तौर पर हवाई हमलों के साथ बमबारी शुरू कर दी। इजरायल ने आरोप लगाया कि हमास द्वारा इजरायल की ओर रॉकेट दागकर संघर्ष विराम का उल्लंघन करने के बाद उसने युद्ध का आगाज किया। हमास के अधिकारियों ने इजरायलियों को दोषी ठहराते हुए कहा कि उन्होंने बुजुर्ग बंधकों को रिहा करने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया और साथ ही इजरायली हवाई हमलों में कथित तौर पर मारे गए तीन बंधकों के शवों पर भी दावा किया। इससे पहले अमरीकी राष्ट्रपति ने विस्तारित युद्धविराम के उल्लंघन के लिए सीधे तौर पर हमास को दोषी ठहराया है।

गौरतलब है कि सप्ताहभर चले युद्धविराम में 100 से अधिक बंधकों, दो अमेरिकियों सहित सभी महिलाओं और बच्चों को हमास की कैद से मुक्त कराया गया। एक महिला सहित सात अमेरिकी लापता हैं। बदले में इजरायल में कैद 240 से अधिक फ़िलिस्तीनियों को रिहा कर दिया गया। शुक्रवार को व्हाइट हाउस ने कहा कि हमास उन बंधकों की सूची देने में विफल रहा, जिन्हें आतंकवादी संगठन रिहा करेगा। इजरायल और हमास ने इस बारे में परस्पर विरोधी बातें कहीं। रणनीतिक संचार के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के समन्वयक जॉन किर्बी ने कहा कि यह हमास के कारण है कि यह ठहराव समाप्त हुआ। वे असमर्थ थे और बंधकों की एक सूची तैयार करने में विफल रहे, जो युद्धविराम को बढ़ाने में मदद कर सकता था। राष्ट्रपति जो बाइडेन राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के साथ बंधकों की रिहाई को लेकर वार्ता और युद्ध खत्म करने के प्रयासों में लगे हुए हैं। अमेरिका विराम लगाने और अधिक बंधकों को रिहा कराने के लिए एक और बड़ा प्रयास कर रहा था।

श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त ने की 'नॉर्दर्न प्रॉविंस' की यात्रा

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त गोपाल बागले ने देश के 'नॉर्दर्न प्रॉविंस' की यात्रा की और विकास के लिए सहयोग बढ़ाकर एवं विस्तारित आर्थिक साझेदारी के जरिए श्रीलंकाई लोगों के कल्याण को लेकर प्रतिबद्धता जताई। भारतीय उच्चायोग ने शनिवार को एक बयान में बताया कि बागले ने श्रीलंका के नौ प्रांतों में शामिल नॉर्दर्न प्रॉविंस की 29 नवंबर से एक दिसंबर तक यात्रा की। इस दौरान उच्चायोग के अन्य वरिष्ठ राजनयिक भी उनके साथ थे। उच्चायुक्त ने 'हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली' परियोजना को लागू करने की तैयारियों का आकलन करने के लिए जाफना, नैनातिवु, अनालाइतिवु और डेल्फ्ट के तीन द्वीपों का दौरा किया। भारत सरकार इन द्वीपों के निवासियों की ऊर्जा संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुदान के जरिए इस परियोजना में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। बयान में बताया गया कि इस यात्रा ने क्षेत्र के लोगों की प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं के अनुसार विकास सहयोग बढ़ाकर और विस्तारित आर्थिक साझेदारी के माध्यम से नॉर्दर्न प्रॉविंस सहित पूरे श्रीलंका के लोगों के विकास और कल्याण को लेकर भारत की स्थायी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया। उन्होंने भारत और श्रीलंका में पारस्परिक रूप से सहमत बिंदुओं के बीच नौका सेवाओं के माध्यम से संपर्क सुविधा बढ़ाने के लिए जारी प्रयासों के तहत थलाईमन्नार और कांकेसंथुराई यात्री प्रतिष्ठानों का दौरा किया।

ब्रेवरमैन व पटेल पर तस्करी पीड़ितों को ब्रिटेन में रहने के अधिकार से वंचित करने का आरोप

लंदन (एजेंसी)। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन के ब्रिटिश भारतीय पूर्व गृह सचिवों पर तस्करी के 1,600 पीड़ितों को देश में रहने के अधिकार से वंचित करने के लिए एक गुप्त नीति संचालित करने का आरोप लगाया गया है।

गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, गृह कार्यालय द्वारा की गई कार्रवाई नवंबर 2021 के उच्च न्यायालय के फैसले के बावजूद हुई, इसमें कहा गया था कि शरण के फैसले का इंतजार कर रहे तस्करी पीड़ितों को विवेकाधीन अवकाश दिया जाना चाहिए। इस सप्ताह की सुनवाई में, प्रीति पटेल और सुएला ब्रेवरमैन पर इन निर्णयों को जारी करने में गैरकानूनी रूप से विफल रहने का आरोप लगाया गया, इससे पीड़ित काम करने, अध्ययन करने या मुख्यधारा के लाभों का दावा करने के अधिकार तक पहुंचने में असमर्थ हो गए।

रिपोर्ट में 22 वर्षीय एक तस्करी पीड़ित का उल्लेख किया गया है, इसका प्रतिनिधित्व चैरिटी एसाइलम एड द्वारा किया जाता है, जो 16 वर्ष की उम्र में अल्बानिया में नशीली दवाओं के तस्करों से बच गया था। तस्करों ने उसे ड्रग्स बेचने के लिए मजबूर किया और ऐसा न करने पर उसे, उसके परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी गई। लेकिन उनके वकीलों ने दावा किया कि गुप्त नीति के परिणामस्वरूप, उन्हें लगभग 18 महीने तक रहने की छुट्टी नहीं दी गई। जवाब में गृह सचिव के वकील ने तर्क दिया कि वे कार्रवाई करने से पहले नवंबर 2021 के ऐतिहासिक फैसले के खिलाफ अपील अदालत और सर्वोच्च न्यायालय में अपील के नतीजे का इंतजार कर रहे थे। गृह सचिव का प्रतिनिधित्व करने वाली कैथरीन मैकगेही ने अदालत को बताया,÷यह मामला देरी का है। यह गुप्त या अप्रकाशित नीतियों का मामला नहीं है।'

द गार्जियन के अनुसार, मामले से संबंधित आंतरिक गृह कार्यालय दस्तावेजों से पता चला है कि अधिकारियों ने सिफारिश की है कि रहने के लिए छुट्टी देने के निर्णय को ÷रोक÷ दिया जाना चाहिए।

गृह कार्यालय के एक अधिकारी के जुलाई 2022 के ईमेल में कहा गया हैः '(नवंबर 2021 के फैसले) से प्रभावित सभी विवेकाधीन छुट्टी के फैसले फिलहाल रुके हुए हैं।' ब्रेवरमैन के कार्यालय के एक अधिकारी ने यह पूछे जाने पर कहा कि क्या 'कुछ न करना' एक विकल्प था पर कहा, ''हमारा समेकित दृष्टिकोण यह है कि यह कोई विकल्प नहीं है जिसे हम मंत्रियों को सुझा सकते हैं। हम निर्णय को लागू करने में देरी से जुड़े आधारों पर न्यायिक समीक्षाएं दर्ज होते हुए देख रहे हैं।' 22 वर्षीय पीड़ित के वकील ने इस सप्ताह अदालत को बताया कि 'एक अप्रकाशित नीति को संचालित करना गैरकानूनी है जो सार्वजनिक नीति के साथ असंगत है।'

नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने के संकल्प से भारत और चाइना ने बनाई दूरी

दुबई (एजेंसी)। नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने के संकल्प से भारत और चाइना ने बनाई दूरी बनाई है। दोनो ही देशों ने इस संकल्प पर हस्ताक्षर करने से परहेज किया है। भारत और चीन ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन (सीओपी28) में 2030 तक दुनिया की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने के इस समझोते से पहले भारत ने जी20 की अपनी अध्यक्षता के दौरान इसके लिए प्रतिबद्धता जतायी थी। यहां संयुक्त राष्ट्र की जलवायु वार्ता के दौरान, 118 देशों ने 2030 तक वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने की प्रतिबद्धता जताई।

इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य का उद्देश्य दुनिया के समग्र ऊर्जा उत्पादन में जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करना है। संकल्प का समर्थन करने वाले देशों में जापान, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चिली, ब्राजील, नाइजीरिया और बारबाडोस शामिल हैं। हालांकि, चीन और भारत ने 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा में तीन गुना वृद्धि के लिए समर्थन व्यक्त किया है, लेकिन उनमें से किसी ने भी शनिवार को औपचारिक रूप से समग्र संकल्प का समर्थन नहीं किया। इस प्रतिबद्धता में जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल में कमी लाने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाना शामिल है। इसमें, कोयला से उत्पादन की जाने वाली बिजली में चरणबद्ध तरीके से कमी लाने और कोयला चालित नए बिजली संयंत्रों के वित्तपोषण को समाप्त करने का आह्वान किया गया।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी का कहना है कि जीवाश्म ईंधन की मांग को कम करने और सदी के अंत तक ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए दुनिया को 2030 तक अपनी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना और ऊर्जा दक्षता की दर को दोगुना करना होगा। वैश्विक ऊर्जा थिंक टैंक एम्बर द्वारा पिछले सप्ताह जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की 14वीं राष्ट्रीय बिजली योजना (एनईपी) देश को 2030 तक अपनी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना से अधिक करने की राह पर ले जाती है, लेकिन इसे हासिल करने के लिए नयी दिल्ली को 293 अरब अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता होगी। भारत का वर्तमान लक्ष्य 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 500 गीगावॉट स्थापित बिजली क्षमता तक पहुंचना है। भारत के फैसले पर भारतीय विशेषज्ञों की मिलीजुली प्रतिक्रिया आयी है। सीनियर एसोसिएट और ई3जी में इंडिया एनर्जी ट्रांजिशन लीड मधुरा जोशी ने 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा को तीन गुना करने और ऊर्जा दक्षता को दोगुना करने के लक्ष्य वाली वैश्विक संकल्प पर हस्ताक्षर नहीं करने के भारत के फैसले पर निराशा व्यक्त की।

इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस में दक्षिण एशिया के निदेशक विभूति गर्ग ने जी20 के हिस्से के रूप में नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को तीन गुना करने की भारत की प्रतिबद्धता का उल्लेख किया, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुबई में सीओपी28 में दोहराया था। ऐसे में जब भारत नवीकरणीय ऊर्जा के लिए गंभीर महत्वाकांक्षाएं प्रदर्शित कर रहा, गर्ग ने कोयला के इस्तेमाल को चरणबद्ध तरीके से कम करने पर देश की चुप्पी का जिक्र किया।

विश्व संसाधन संस्थान (डब्ल्यूआरआई) भारत में जलवायु की कार्यकारी निदेशक उल्का केलकर ने भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान अपनाए गए नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने के वैश्विक लक्ष्य को रेखांकित किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ऊर्जा दक्षता को स्वच्छ ऊर्जा में बदलाव के एक महत्वपूर्ण घटक के तौर पर रेखांकित किया। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन के महानिदेशक डॉ. अजय माथुर ने 2030 तक नवीकरणीय क्षमता को तीन गुना करने की वैश्विक प्रतिबद्धता पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने विकास को बढ़ावा देने और जलवायु परिवर्तन को कम करने के दोहरे लाभों पर जोर दिया।

डीपफेक वीडियो पर रश्मिका ने कहा-ये नॉर्मल नहीं है, चुप मत रहिए

रश्मिका मंदाना ने हाल ही में अपना डीपफेक वीडियो वायरल होने पर रिएक्शन दिया है। रश्मिका हैदराबाद में हुए अपकमिंग फिल्म एनिमल के प्रमोशनल इवेंट में पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने डीपफेक पर बात करते हुए लड़कियों को इसके लिए सचेत किया है। उनका मानना है कि इस तरह के मामले होना आम बात नहीं है और हर किसी को इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।

रश्मिका मंदाना फिल्म एनिमल को-स्टार्स रणबीर कपूर, बॉबी देओल और अनिल कपूर समेत पूरी टीम के साथ हैदराबाद में फिल्म प्रमोट करने पहुंची थीं। हैदराबाद में हुए इवेंट के दौरान रश्मिका से उनके डीपफेक वीडियो पर सवाल किए गए थे। इस पर उन्होंने कहा, साउथ इंडस्ट्री से लेकर नॉर्थ इंडस्ट्री तक कई लोग मेरे सपोर्ट में सामने आए। इससे मुझे एहसास हुआ कि इसे (डीपफेक वीडियो वायरल होने को) सामान्य रूप से लेने की जरुरत नहीं है। लोगों के सपोर्ट से मुझे बहुत सुरक्षित और सिक्योर महसूस हो रहा है। तो मैं हर एक लड़की से ये कहना चाहती हूं कि ये नॉर्मल नहीं है। जब कुछ आपको बहुत इफेक्ट करता है तो आपको चुप रहने की जरुरत नहीं है। जब आप अपने लिए खड़े होते हैं तो लोग भी आपको सपोर्ट करते हैं। जहां हम रहते हैं वो एक बेहतरीन देश है।

रश्मिका से पूछा गया कि सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग को उन्होंने कैसे हैंडल किया तो एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगता है कि मुझे बहुत सपोर्ट मिला है। मेरा मानना है कि किसी भी एक्टर, क्रिकेटर या पब्लिक पर्सनालिटी पर निर्भर करता है कि वो ट्रोलिंग और मीम कौ कैसे हैंडल करता है।

आज एक महिला और एक एक्ट्रेस के तौर पर मैं अपने परिवार, दोस्तों और शुभचिंतकों की आभारी हूं, जो मेरे लिए प्रोटेक्शन और सपोर्ट सिस्टम हैं। अगर मेरे साथ ऐसा तब होता जब मैं स्कूल या कॉलेज में थी, तो मैं सचमुच सोच भी नहीं सकती कि मैं इस सिचुएशन से खुद को कैसे बाहर निकाल पाती। हमें एक समाज के रूप में तत्काल अपनी पहचान के साथ हो रहे खिलवाड़ के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए, इससे पहले कि और भी लोग इसके शिकार हो जाएं।

आलिया, काजोल, कटरीना भी हुईं डीपफेक का शिकार
रश्मिका मंदाना के बाद काजोल डीपफेक टेक्नोलॉजी की शिकार बन गईं। काजोल का कपड़े बदलते हुए एक डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद कटरीना कैफ की फिल्म टाइगर 3 से एक फोटो सामने आई थी, जिससे छेड़छाड़ की गई थी। हाल ही में सोमवार को आलिया भट्ट का भी एक फेक बोल्ड वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

फातिमा ने साझा किया सैम बहादुर में काम करने का अनुभव

विक्की कौशल अभिनीत फिल्म सैम बहादुर में फातिमा सना शेख भी नजर आएंगी। अभिनेत्री फिल्म में दिवंगत पीएम इंदिरा गांधी का रोल अदा करती दिखेंगी। हाल ही में उन्होंने मेघना गुलजार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में काम करने का अनुभव साझा किया। बता दें कि सैम बहादुर फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की जीवन पर आधारित है। फातिमा सना शेख का कहना है कि उनकी कहानी लोगों को बताई जानी चाहिए। अभिनेत्री को उम्मीद है कि युद्ध नायक पर आधारित यह फिल्म नई पीढ़ी को प्रेरणा देगी।

बता दें कि फिल्म में विक्की कौशल फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के रोल में नजर आएंगे। फिल्म में इंदिरा गांधी का रोल अदा कर रहीं फातिमा सना शेख का कहना है कि इस फिल्म में काम करना उनके लिए बेहद सीखने वाला अनुभव रहा है। फातिमा ने कहा, फिल्म सैम बहादुर तमाम दर्शकों तक पहुंचेगी और लोगों को प्रेरित करेगी। एक पूरी पीढ़ी सैम मानेकशॉ के बारे में नहीं जानती है। मैं भी नहीं जानती थी। फिल्मों के जरिए आप वास्तविक जीवन के नायकों की खोज करते हैं।

अभिनेत्री ने आगे कहा, कभी-कभी आपको यह यकीन दिलाने में किसी और की जरूरत होती है कि ये वो कहानी है, जिसे लोगों को बताना जरूरी है और ऐसा करना साहसिक काम है। फातिमा का कहना है कि यह एक बेहद अहम किरदार है, यह एक जिम्मेदारी है जिसे आप ले रहे हैं और एक बड़ा जोखिम है। हम सभी इस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं।

फिल्म में अपने इंदिरा गांधी के किरदार को लेकर फातिमा ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं हो पा रहा था कि इस प्रतिष्ठित किरदार को वे निभा पाएंगी। अभिनेत्री ने कहा, इस किरदार को निभाते हुए मैं लकी फील कर रही हूं। लेकिन, ईमानदारी से कहूं तो मुझे खुद पर यह यकीन कर पाने में काफी समय लगा कि मैं इसे निभा सकती हूं। मेघना गुलजार मुझे लेकर सुनिश्चित थीं, लेकिन मैं नहीं हो पा रही थी। बता दें कि सैम बहादुर एक दिसंबर 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का मुकाबला रणबीर कपूर की एनिमल से होगा। एनिमल का निर्देशन कबीर सिंह फेम संदीप रेड्डी वांगा ने किया है।

हां, मैंने छुपाई थी अपनी शादी और दो बच्चियों की मां होने की बात, लेकिन...

कम लोगों को ही पता है कि अभिनेत्री पाखी हेगड़े ने फिल्मों में जब अपने करियर की शुरुआत की तो वह पहले से ही शादीशुदा थीं और दो बेटियों की मां भी थीं। यह बात पाखी ने काफी समय तक छुपाकर रखी और नए नाम और नई पहचान से एक्टिंग प्रोफेशन में कदम रखा। पाखी हेगड़े कहती हैं कि उनका बचपन बहुत ही अभाव में गुजरा, वह नहीं चाहती थी कि उनकी बेटियों का भविष्य आगे चलकर खराब हो। उनकी जिंदगी में एक ऐसा मोड़ आया जब उन्हें लगने लगा अपनी बेटियों साथ अपनी जिंदगी खत्म लेंगी। लेकिन उन्होंने हिम्म्मत नहीं हारी, पाखी हेगड़े की कहानी किसी प्रेरणा से कम नहीं है।

19 साल में हो गई शादी

ग्रेजुएशन करने के बाद मैं अपने करियर के बारे में सोच ही रही थी कि 19 साल की उम्र में मेरी शादी हो गई। मेरा बचपन बहुत ही अभाव में ही गुजारा। मेरी पढ़ने की बहुत ही चाहत रही। मेरा पापा मधुकर शेट्टी की मृत्यु तब हो गई थी, जब मैं चौथी कक्षा में थी। पापा के गुजरने के बाद मेरी मां सीता शेट्टी हमेशा मेरी शादी को लेकर चिंचित रहती थी। जितनी जल्दी शादी हुई, उतने ही जल्दी बच्चे भी हो गए। एक समय पर मुझे लगा कि आगे चलकर मेरे बच्चों को समस्या हो सकती है।पति के शराब पीने की आदतों से पारिवारिक जिंदगी डिस्टर्ब होने लगी। मैं भी बहुत ज्यादा डिस्टर्ब हो रही थी। फिर मैंने सोचा कि बच्चों के साथ अपनी जिंदगी अकेले गुजारनी चाहिए।

मेरी स्टूडेंट ने दिया एक्टिंग का सुझाव

वसई में पापा का एक छोटा सा होटल था। तीन भाई और दो बहनों में सबसे छोटी मैं ही हूं। पापा की मृत्यु हुई तो एक भाई पांचवी और एक भाई छठवीं में था। दोनों को पढाई छुड़ाकर होटल पर बैठा दिया गया ताकि घर खर्च चल सके। बचपन में जब पिता का साया सिर से उठ जाए तो काफी मुश्किलें आती हैं। मां ने किसी तरह से हमारी परवरिश की। खैर, जब मैंने पति से अलग रहने का फैसला किया, तो सोच लिया था कि मुझे घर वापस नहीं जाना है। सोचा कि घर वापस जाऊंगी तो भाइयों की जिंदगी को डिस्टर्ब करूंगी। घर वालों ने तो अपना फर्ज निभा ही दिया था। बेटी और बहन होने के नाते मुझे भी अपना फर्ज निभाना था। मैने सोचा जो कुछ भी करना है, अपने पैरो पर खड़े होकर करना है। सवाल यह था कि क्या किया जाए। मैं बच्चों को पढ़ाती भी थी। मेरी एक स्टूडेंट एक्टिंग करती थी, उसी ने मुझे सुझाव दिया कि एक्टिंग करनी चाहिए।

जिंदगी खत्म करने का भी सोचा

मैं तो जिंदगी के ऐसे मोड़ पर खड़ी थी कि कुछ भी काम मिल जाए करना ही है। लेकिन एक्टिंग प्रोफेशन के बारे के बारे में जानती नहीं थी। मेरे लिए यह जद्दोजहद रही कि एक महीने के अंदर अपने लिए कुछ कर लूं। या तो मुझे कुछ आशा की किरण दिखाई दे, या फिर अपनी बेटियों साथ मैंने अपनी जिंदगी खत्म करने का फैसला कर लिया था। लेकिन मन में यह विश्वास जरूर था कि कुछ अच्छा होने वाला है। क्योंकि दुख के बाद सुख तो आता ही है। जब दुख की पराकाष्ठा होती है तो समझ लो कि अब सुख आने वाला है।

दोनों बेटियां मशहूर ब्लॉगर

मुझे अपने जीवन में जो कुछ भी करना था, अपनी बेटियों के लिए करना था। मुझसे किसी कहा कि अगर आप इंडस्ट्री में यह बताकर काम करोगी कि बच्चे हैं तो लोग उसका गलत फायदा उठाएंगे, जो कि किसी भी इंडस्ट्री में होता है। जब मुझे लगा कि ऐसा हो सकता है तो नए नाम और नई पहचान से काम पर ध्यान देना शुरू किया। मैंने कभी इस बात का जिक्र नहीं किया कि परिवार में कौन है? बच्चों को बोर्डिंग में रखा। बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। शनिवार को बच्चों से सिर्फ 10 मिनट लिए बात हो पाती थी। मां होने के नाते मुझे यह बहुत फील होता है कि उनको समय नहीं दे पा रही हूं। लेकिन मैं जो भी कर रही थी, उनकी भलाई के लिए कर रही थी। ताकि उनको एक अच्छा भविष्य दे पाऊं। आज मुझे अपनी बेटियों पर बहुत नाज है।

शाहरुख के साथ काम करना चाहते हैं संदीप रेड्डी

डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल कल रिलीज होने को तैयार है। ट्रेलर रिलीज से ही यह फिल्म सुर्खियों में बनी हुई है। एनिमल की टीम भी पूरे देश में जमकर प्रमोशंस करती नजर आ रही है। एक इंटरव्यू के दौरान संदीप रेड्डी ने खुद को शाहरुख खान का बहुत बड़ा फैन बताया। उनसे पूछा गया कि वे किंग खान के साथ किस तरह की फिल्म बनाना चाहते हैं? इस पर डायरेक्टर ने जवाब दिया- मैं नहीं जानता कि मैं किस तरह की फिल्म बनाऊंगा, लेकिन मैं शाहरुख खान के साथ एक फिल्म जरूर बनाना चाहता हूं। संदीप रेड्डी ने शाहरुख के साथ हुई मुलाकात के बारे में भी बात की। हा था- मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं।

इतना ही नहीं डायरेक्टर ने कॉमेडी फिल्म बनाने की भी ख्वाहिश जताई। उन्होंने कहा, मेरे पास एक कॉमेडी स्क्रिप्ट है, लेकिन मुझे नहीं पता कि मैं इसे कब शुरू करूंगा। हालांकि यह एक पारिवारिक कॉमेडी नहीं है। मैं आपको सटीक टॉपिक तो नहीं बता सकता, लेकिन कुछ सोचा जरूर है। प्रोड्यूसर भूषण कुमार का मानना है कि संदीप रेड्डी को कॉमेडी फिल्म बनाते हुए देखना बहुत अच्छा एक्सपीरियंस होगा। भूषण कुमार ने कहा, संदीप की डायरेक्शन में कॉमेडी का एक बहुत ही अलग रूप देखने को मिलेगा। एनिमल में भी हर सीन एक नया सीन है। संदीप को कॉमेडी फिल्म बनाते हुए देखना कमाल का एक्सपीरियंस होगा।

शाहिद कपूर ने द बुल से खींचे हाथ तब सलमान खान को मिली फिल्म

बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान ने हाल ही में करण जौहर और विष्णुवर्धन के साथ अपनी आने वाली फिल्म के टाइटल की घोषणा की है। सुपरस्टार की आगामी फिल्म का नाम द बुल है। कथित तौर पर यह एक अर्धसैनिक अधिकारी की सच्ची कहानी पर आधारित है, जिसने 1988 में मालदीव में एक साहसी बचाव अभियान का नेतृत्व किया था। दिलचस्प बात यह है कि अक्तूबर 2021 में, रिपोर्ट आई थीं कि शाहिद कपूर को भी इसी शीर्षक और कथानक वाली एक फिल्म में कास्ट किया गया था। आदित्य निंबालकर द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार द्वारा निर्मित यह फिल्म ब्रिगेडियर बुलसर के जीवन पर आधारित थी। हालांकि, शाहिद कुछ मुख्य कारणों से परियोजना से बाहर हो गए।

बॉलीवुड में पिछले कुछ समय से द बुल फिल्म काफी चर्चा में है। इसी नाम से अक्तूबर, 2021 में एक फिल्म की घोषणा की गई थी, जिसमें शाहिद कपूर मुख्य भूमिका में थे। हालांकि, फिल्म को काफी देरी का सामना करना पड़ा और शाहिद को इसके शूटिंग शेड्यूल के बारे में पता नहीं था। इसी कारण अभिनेता ने परियोजना से अपने हाथ खींच लिए। एक इंटरव्यू में शाहिद कपूर ने अपने प्रोजेक्ट की स्थिति के बारे में बताया था।

अभिनेता ने दिया था बयान

शाहिद कपूर ने द बुल को लेकर चुप्पी तोड़ते हुए कहा था, द बुल पर काम नहीं हो रहा है क्योंकि हम इसे शुरू करने में भी सक्षम नहीं थे। यह कोविड के कारण एक मुश्किल परियोजना थी। ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनका पता लगाने की जरूरत है क्योंकि फिल्म एक निश्चित पैमाने की गारंटी देती है। इसलिए, हमें बैठकर देखना होगा कि क्या द बुल बनाना संभव है या नहीं।

रोहित रॉय ने किया खुलासा, अमिताभ बच्चन की वजह से बना अभिनेता

रोहित रॉय टेलीविजन इंडस्ट्री के सबसे सफल अभिनेताओं में से एक हैं। अभिनेता लोकप्रिय शो सौभाग्यवती भव- 2 के साथ टेलीविजन पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। करणवीर बोहरा के शो में रोहित डीसीपी अविनाश के किरदार में आएंगे नजर। इस बीच अब रोहित रॉय ने एक मीडिया बातचीत में अपने शुरुआती करियर के बारे में बात की। अभिनेता ने खुलासा किया कि वे अमिताभ बच्चन की वजह से अभिनेता बने हैं। एक मीडिया बातचीत के दौरान रोहित रॉय ने बताया कि वे अमिताभ बच्चन के बहुत बड़े फैन हैं। उन्हें देखकर ही अभिनेता ने अभिनय के करियर में कदम रखा। रोहित रॉय ने कहा, मैं अमिताभ बच्चन का बहुत बड़ा फैन हूं। उनकी फिल्म आज भी मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। जिस तरह से अमिताभ बच्चन खुद को बड़े पर्दे पर पेश करते हैं, उनका यह अंदाज मुझे बेहद पसंद है। उनकी वजह से ही मैं एक अभिनेता हूं। रोहित रॉय ने आगे बताया कि उनकी इच्छा जंजीर फिल्म में अमिताभ बच्चन का किरदार निभाने की थी। अभिनेता ने कहा, मेरी शुरू से ही इच्छा जंजीर फिल्म में अमिताभ बच्चन का किरदार निभाने की थी। अभिषेक बच्चन को लेकर अभिनेता ने कहा, मुझे इस बात से थोड़ी जलन होती है कि मेरे दोस्त अभिषेक बच्चन का व्यवहार भी अमिताभ बच्चन जैसा ही है। अभिनेता ने अपने डीसीपी अविनाश के किरदार को लेकर कहा, मैंने पहले भी एक पुलिस वाले की भूमिका निभाई है, लेकिन सौभाग्यवती भव- 2 का हिस्सा बनना, जो कि पहले से ही लोकप्रिय शो है इस किरदार ने मुझे छोटे पर्दे पर वापसी के लिए प्रेरित किया गया है।